हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, गुरुवार 21 मई 2026

आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पास टेस्ट रेंज में डीआरडीओ ने किया परीक्षण

महत्वपूर्ण उपलब्धि, ड्रोन से लॉन्च होने वाली मिसाइल वी-3 का सफल टेस्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। डीआरडीओ ने यूएलपीजीएम-3 नाम की प्रिसीजन गाइडेड मिसाइल के अंतिम विकास परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। ये परीक्षण आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पास डीआरडीओ टेस्ट रेंज में किए गए। इस मिसाइल को दोनों मोड - एयर-टू-ग्राउंड (जमीन पर हमला) और एयर-टू-एयर (हवा में हवा) में सफलतापूर्वक परीक्षित किया गया है। यह मिसाइल हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई) की अगुवाई में विकसित की गई है। इसके अलावा डीआरडीओ की अन्य लैब्स - डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी (डीआरडीएल) हैदराबाद, टर्मिनल बैलिस्टिक रिसर्च लेबोरेटरी (टीबीआरएल) चंडीगढ़ और हाई एनर्जी मटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी (एचईएमआरएल) पुणे ने भी इसमें योगदान दिया है। उत्पादन के लिए दो प्रमुख कंपनियों - भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) हैदराबाद और अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजी लिमिटेड हैदराबाद के साथ साझेदारी की गई है। परीक्षण के लिए बेंगलुरु की न्यूस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी कंपनी के यूएवीएस का इस्तेमाल किया गया।

एयर-टू-ग्राउंड और एयर-टू-एयर दोनों मोड में मिली कामयाबी

पूरी तरह स्वदेशी और आत्मनिर्भर

डीआरडीओ का कहना है कि इस मिसाइल का पूरा विकास और उत्पादन भारतीय रक्षा इकोसिस्टम में हुआ है। इसमें बड़ी संख्या में एमएसएमईएस और छोटी-बड़ी भारतीय कंपनियों ने भाग लिया है। परीक्षणों से साबित हो गया है कि भारत अब इस मिसाइल को बड़े पैमाने पर बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। यूएलपीजीएम-3मिसाइल भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी। यह ड्रोन से लॉन्च होने वाली होने के कारण सैनिकों को खतरे में डाले बिना दूर से दुश्मन के लक्ष्य को नष्ट करने की क्षमता देगी। खासकर आतंकवाद विरोधी अभियानों, सीमा पर हमले और आधुनिक युद्ध में यह मिसाइल बहुत प्रभावी होगी।

रक्षा मंत्री ने दी बधाई

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया के जरिए इस सफल परीक्षण की जानकारी दी और डीआरडीओ व सहयोगी कंपनियों को बधाई दी। राजनाथ ने कहा कि यह सफलता साबित करती है कि भारतीय उद्योग अब महत्वपूर्ण रक्षा तकनीकों के उत्पादन के लिए पूरी तरह से तैयार है।

क्या है यूएलपीजीएम-3मिसाइल?

यूएलपीजीएम-3एक स्वदेशी प्रिसीजन गाइडेड मिसाइल है जो ड्रोन (यूएवी) से लॉन्च की जा सकती है। यह मिसाइल दुश्मन के टैंकों, बख्तरबंद वाहनों, हेलीकॉप्टरों, दूसरे ड्रोनों और हवाई टारगेट्स पर सटीक निशाना बनाकर नष्ट कर सकती है। यह मिसाइल हाई टेक्नोलॉजी वाली है। बेहद सटीक हमला करने में सक्षम है। परीक्षण के दौरान एक एडवांस ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम (जीसीएस) का इस्तेमाल किया गया, जिसमें ऑटोमैटिक रेडीनेस और लॉन्च की सुविधा है। इससे मिसाइल को आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है।

मिसाइल की मुख्य खूबियां

- वजन और मारक क्षमता : 12.5 किलोग्राम वजनी यह मिसाइल 'दागो और भूल जाओ' तकनीक पर काम करती है।
- दिन-रात अचूक निशानाः यह सॉलिड प्रोपल्शन यूनिट से लैस है, जो इसे दिन के समय 4 किलोमीटर और रात के समय 2.5 किलोमीटर तक मार करने की क्षमता देती है।
- आधुनिक तकनीकः इसमें पैसिव होमिंग और इमेजिंग इन्फ्रारेड (आईआर) सीकर का इस्तेमाल किया गया है। यह तकनीक इसे दिन और रात, दोनों स्थितियों में एकदम सटीक निशाना लगाने में मदद करती है।
- संचार और लक्ष्यः यह मिसाइल टू-वे (दोतरफा) डेटालिंक तकनीक से लैस है। यह एक जगह खड़े (स्थिर) और चलते हुए (मूविंग), दोनों तरह के लक्ष्यों को तबाह करने के लिए अलग-अलग वॉरहेड विकल्पों के साथ आती है।

टेट्रा पैक, पाउच में शराब की बिक्री, केंद्र से मांगा गया जवाब

एजेंसी ▶▶ नयी दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने टेट्रा पैक और पाउच जैसी पैकेजिंग में शराब की बिक्री पर तत्काल प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करने वाली याचिका पर बुधवार को केंद्र और अन्य पक्षों से जवाब मांगा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने 'कम्युनिटी अगेंस्ट ड्रंकन ड्राइविंग' नामक संगठन की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करने को लेकर सहमति जताई। याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता विपिन नायर ने कहा कि आबकारी व्यवस्था के तहत बोतल की परिभाषा 'अस्पष्ट' है और इस संबंध में कुछ मानक तय किए जाने की जरूरत है। जब उन्होंने हरे सेब की तस्वीर वाले टेट्रा पैक में कुछ शराबों की पैकेजिंग का जिक्र किया, तो पीठ ने कहा, 'यह बहुत भ्रामक है।' नायर ने कहा, 'वे फलों के जूस और शराब को लेकर भ्रम पैदा कर रहे हैं। पैक पर सेब की तस्वीर होती है, लेकिन उसके अंदर वोदका होती है।'उन्होंने यह भी कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा करना सरकार का दायित्व है।

तत्काल प्रतिबंध की मांग

याचिका में केंद्र सरकार को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर लागू होने वाली एक नीति बनाए और टेट्रा पैक तथा पाउच जैसी पैकेजिंग में शराब की बिक्री पर तत्काल प्रतिबंध लगाए। याचिका में यह भी अनुरोध किया गया है कि केंद्र सरकार राज्यों को उनके संबंधित आबकारी कानूनों, नियमों और नीतियों में संशोधन करने के लिए नीति तैयार करे, ताकि 'बोतल' की एक समान परिभाषा अपनाई जा सके, जिसे केवल कांच की बोतलों या अन्य पारदर्शी कंटेनर तक सीमित रखा जाए। याचिका में कहा गया है कि शराब की बोतलों को लेकर विभिन्न राज्यों की आबकारी नीतियों में मानकीकरण और समन्वय होना चाहिए।

डोनाल्ड के 4 सांसदों ने की उनके ही खिलाफ वोटिंग, सीनेट में विधेयक पास

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को लगा झटका ईरान युद्ध रोकने वाला प्रस्ताव पारित

अमेरिकी सीनेट ने मंगलवार को उस विधेयक को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान युद्ध से पीछे हटने के लिए मजबूर करना है। चार रिपब्लिकन सांसदों ने राष्ट्रपति की इच्छा के खिलाफ जाकर इस विधेयक के पक्ष में मतदान किया। यह विधेयक 47 के मुकाबले 50 मतों से पारित हो गया। हालांकि इस विधेयक को कानून बनने के लिए अभी कुछ और चरणों से गुजरना होगा। अंतिम मंजूरी के लिए भी मतदान होगा। हालांकि उसके बाद भी ट्रंप इसके खिलाफ वीटो कर सकते हैं। फिर उस वीटो को रद्द करने के लिए सीनेट और हाउस दोनों में दो-तिहाई बहुमत चाहिए होगा, जो फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है।

> यह विधेयक 47 के मुकाबले 50 मतों से हो गया पारित

> इस विधेयक पर अंतिम मंजूरी के लिए भी होगा मतदान, वीटो भी कर सकते हैं ट्रंप

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

फरवरी के अंत में ट्रंप द्वारा ईरान पर हमला करने का आदेश दिए जाने के बाद से डेमोक्रेट सांसद बार-बार युद्ध अधिकार प्रस्तावों पर मतदान करवा रहे हैं। इन प्रस्तावों के तहत ट्रंप को या तो युद्ध के लिए कांग्रेस की सहमति लेनी होगी या फिर सैनिकों को वापस बुलाना होगा। अब तक रिपब्लिकन सांसद इन प्रस्तावों को खारिज करने के लिए पर्याप्त वोट जुटाने में सफल रहे थे, लेकिन लुइसियाना के सीनेटर बिल कैसिडी ने अपनी राय बदली और विधेयक को आगे बढ़ाने के लिए निर्णायक वोट दिया। इस प्रक्रिया ने यह दिखाया कि रिपब्लिकन पार्टी के भीतर भी कुछ सांसद ईरान के साथ युद्ध रोकने के पक्ष में हैं। केंटुकी से रिपब्लिकन सीनेटर रैंड पॉल, मेन की सुसैन कॉलिन्स और अलास्का की लिसा मर्कोव्स्की पहले भी ऐसे युद्ध अधिकार प्रस्तावों के समर्थन में मतदान कर चुके थे और उन्होंने मंगलवार को भी ऐसा ही किया। कैसिडी ने पहली बार इस विधेयक के पक्ष में वोट दिया। इस तरह की 'क्रॉस-वोटिंग' को राष्ट्रपति के लिए एक सार्वजनिक फटकार के तौर पर देखा जा रहा है। राष्ट्रपति को आमतौर पर उनकी पार्टी और उनके वोटरों का पूरा समर्थन मिलता रहा है, लेकिन यह युद्ध 81 दिनों से खिंचता चला आ रहा है और इसका कोई साफ अंत भी नजर नहीं आ रहा है।

विपक्ष की बड़ी जीत

यह वोट विपक्ष के लिए बड़ी जीत माना जा रहा है जो कह रहे थे कि अमेरिका में युद्ध शुरू करने या सेना भेजने का अधिकार राष्ट्रपति नहीं बल्कि संसद के पास होना चाहिए। अमेरिकी संविधान में भी यही व्यवस्था दी गई है। इस प्रस्ताव को वर्जीनिया के डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन लेकर आए हैं। बहस के दौरान उन्होंने कहा कि अभी जब युद्धविराम की बात हो रही है, तब ट्रंप को संसद के सामने आकर अपनी रणनीति बतानी चाहिए।डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन ने कहा कि युद्ध शुरू करने का अधिकार संसद के पास है, सिर्फ राष्ट्रपति के पास नहीं। वहीं व्हाइट हाउस का कहना है कि ट्रंप ने अमेरिकी सुरक्षा के लिए अपने अधिकारों के तहत कार्रवाई की है।

मिडिल-ईस्ट संकट से अमेरिका को नुकसान

28 फरवरी को शुरू हुई लड़ाई में अब तक पूरे खाड़ी क्षेत्र में 10 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इससे आम लोगों और ऊर्जा से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है। इसके साथ ही, दुनिया के सबसे अहम तेल शिपिंग चैनल, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पूरी तरह से बंद करना पड़ा है। इस लड़ाई में अमेरिका को भी भारी कीमत चुकानी पड़ी है। पेंटागन के पिछले अनुमान के मुताबिक, इस पर $29 अरब खर्च हुए हैं और इसके चलते उसके सहयोगी देशों के साथ रिश्ते भी खराब हुए हैं।

यह है अमेरिकी कानून

अमेरिकी कानून के मुताबिक कोई भी राष्ट्रपति बिना संसद की मंजूरी के सिर्फ 60 दिन तक सैन्य कार्रवाई चला सकता है। इसके बाद या तो युद्ध खत्म करना होता है, कांग्रेस से अनुमति लेनी होती है, या फिर सेना की सुरक्षित वापसी के लिए 30 दिन की अतिरिक्त मोहलत मांगनी होती है।

विजय कैबिनेट का आज विस्तार

तमिलनाडु में 59 साल बाद सरकार में शामिल होगी कांग्रेस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तमिलनाडु की सियासत में बुधवार को एक ऐसा ऐतिहासिक फैसला हुआ, जिसने पिछले करीब छह दशकों का इतिहास बदल कर रख दिया। विजय सरकार के आगामी कैबिनेट विस्तार में कांग्रेस शामिल होने जा रही है। राज्य में पूरे 59 साल के लंबे अंतराल के बाद यह पहली बार होगा, जब कांग्रेस सरकार का हिस्सा बनेगी। कांग्रेस आलाकमान ने घोषणा की कि उसके दो विधायक, एडवोकेट एस. राजेश कुमार और पी. विश्वनाथन, गुरुवार को सुबह 10 बजे राजभवन में मंत्री पद की शपथ लेंगे। इस फैसले की जानकारी कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। एक्स पर वेणुगोपाल ने लिखा, 'उन्हें पूरा विश्वास है कि दोनों नए मंत्री तमिलनाडु की जनता की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी के जन-कल्याणकारी और प्रगतिशील विज़न को लागू करने के लिए काम करेंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने भी इस फैसले पर खुशी जताते हुए दोनों विधायकों को बधाई दी।

जीते हैं 5 विधायक

बता दें कि हाल ही में संपन्न हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने डीएमके के साथ चुनाव-पूर्व गठबंधन में चुनाव लड़ा था और उसके 5 विधायक जीते थे। हालांकि, चुनाव नतीजों (4 मई) के बाद, जब सीएम विजय की पार्टी टीवीके 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के आंकड़े से थोड़ा पीछे रह गई, तो कांग्रेस ने डीएमके का साथ छोड़ दिया और विजय सरकार को समर्थन देने का फैसला किया।

क्यों टूटा डीएमके-कांग्रेस का पुराना रिश्ता?

यह कूटनीतिक बदलाव अचानक नहीं हुआ है। दरअसल, 2026 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस के भीतर से सत्ता में हिस्सेदारी की मांग उठ रही थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने साफ कह दिया था कि तमिलनाडु की राजनीति में 'पावर शेयरिंग फॉर्मूला' (गठबंधन सरकार) काम नहीं करेगा। दूसरी ओर, साल 2024 में अपनी पार्टी लॉन्च करने वाले विजय ने शुरुआत से ही अपने सहयोगियों को सत्ता में उचित हिस्सेदारी देने का वादा किया था। डीएमके के कड़े रुख के कारण उसके और कांग्रेस के रिश्तों में खटास आ गई थी, जिसके चलते चुनाव प्रचार के दौरान भी राहुल गांधी और स्टालिन एक साथ मंच पर नजर नहीं आए थे।

सुसाइड मामले की होगी सीबीआई जांच दूसरी बार पीएम कराने की अर्जी खारिज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ट्विशा शर्मा सुसाइड मामले में सीबीआई से जांच कराने की मांग कर रहे उसके परिजनों ने बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने परिजनों को भरोसा दिलाया है कि प्रकरण में जांच सीबीआई से कराई जाएगी। इसके लिए सरकार सीबीआई को पत्र लिखेगी। परिजन ने कोर्ट में ट्विशा के शव का दोबारा पीएम कराने के लिए आवेदन दिया था। कोर्ट ने आवेदन निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने कटारा हिल्स थाना प्रभारी को लिखा है कि ट्विशा का शव सुरक्षित रखने के लिए व्यवस्था करें। इधर, मध्य प्रदेश में कहीं भी शव को पूरी तरह सुरक्षित रखने के लिए माइनस 80 डिग्री का फ्रीजर ही उपलब्ध नहीं है। पुलिस भोपाल में प्रायः सभी जगह फ्रीजर की जानकारी जुटा चुकी है, लेकिन अभी तक माइनस 80 डिग्री का फ्रीजर नहीं मिला। अब पुलिस प्रदेश में फ्रीजर की तलाश कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ट्विशा का शव दिल्ली भेजने प्रयास किया जा रहा है, वहीं प्रकरण में आरोपी समर्थ की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की छह टीम लगी हुई हैं। उस पर 10 हजार का इनाम तीन गुना कर दिया गया। अब सामर्थ को गिरफ्तार कराने या उसकी गिरफ्तारी में मदद कराने वाले तीस हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा।

पीएम रिपोर्ट में आत्महत्या की पुष्टि

भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने कहा कि ट्विशा शर्मा की पीएम रिपोर्ट मिल चुकी है। पीएम रिपोर्ट में आत्महत्या की पुष्टि हुई है। शरीर पर चोट के निशान मिलने के कारण शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने की पुष्टि हुई है। साथ ही पीएम रिपोर्ट में चोट के निशान मिलने और मायके पक्ष के आरोप के बाद पति समर्थ और सास गिरीबाला सिंह पर दहेज मृत्यु और आत्महत्या के लिए दबाव बनाने का प्रकरण दर्ज किया है। एसआईटी अपनी जांच कर रही है।

बलदेव, तृप्ति, बोथे को मिलेगा पद्म पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मोदी सरकार ने भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयां देने वाले बलदेव सिंह को पद्म अलंकरण से सुशोभित करने का निर्णय लिया है। उनके अलावा, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाली तृप्ति मुखर्जी और ग्रामीण उत्थान और समाज सेवा के लिए जनार्दन बोथे को भी इसी सम्मान से नवाजा जाएगा। बलदेव सिंह ने हरियाणा के शाहबाद मारकंडा को देश की प्रमुख हॉकी नर्सरी के रूप में स्थापित किया और भारतीय हॉकी को नई प्रतिभाएं देने में अहम भूमिका निभाई है। पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध कलाकार तृप्ति ने अपनी कला के जरिए न केवल भारतीय हस्तशिल्प को वैश्विक पहचान दिलाई, बल्कि ग्रामीण और वंचित महिलाओं को रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने का काम किया है। बोथे पिछले कई दशकों से ग्रामीण विकास, सामाजिक उत्थान और आध्यात्मिक जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। महाराष्ट्र के वाशिम जिले के गोगरी गांव में 25 नवंबर 1939 को जन्मे जनार्दन बोथे ने अपना पूरा जीवन के आदर्शों पर चलते हुए समाज सेवा को समर्पित कर दिया।

कॉकरोच जनता पार्टी की आड़ में क्या अमेरिका में बैठकर भारत के युवाओं को भड़काने की रची जा रही है साजिश?

- ▶▶ दूसरे ही दिन अमेरिका में बैठे एक युवक ने कॉकरोच जनता पार्टी का गठन कर दिया
- ▶▶ 5 दिन में करीब 50 लाख युवा सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स हो गए, कमेंट की झड़ी लग गई

15 मई को सीजेआई की टिप्पणी कि 'युवा कॉकरोच न बनें' के खिलाफ जुटाया गया इस तरह से समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

विशेष खबर

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने 15 मई को युवाओं की तुलना कॉकरोच से की थी। हालांकि, बाद में सफाई दी गई कि यह टिप्पणी आम बेरोजगार युवाओं के लिए नहीं, बल्कि फर्जी डिग्री रखने वालों के लिए थी। लेकिन तब तक सोशल मीडिया पर विवाद इतना भड़का कि दूसरे ही दिन अमेरिका के बोस्टन शहर में बैठे एक युवक ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का गठन कर दिया। देखते ही देखते इंस्टाग्राम पर 10 हजार फॉलोअर्स लाखों में पहुंच गए। ये फॉलोअर्स लगभग सभी युवा हैं। नीट पेपर लीक और नौकरी न मिलने से परेशान युवाओं के इस गुस्से को भांपकर इंटरनेट पर इसे एक नया मंच दे दिया गया। महज 72 घंटों के भीतर इंस्टाग्राम पर लाखों फॉलोअर्स और एक्स पर एक लाख से ज्यादा सदस्यों को अपने साथ जोड़ने वाले इस हैंडल ने अब देश के राजनीतिक और बौद्धिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है। सवाल उठने लगा है कि क्या अमेरिका के बोस्टन में बैठकर भारतीय युवाओं के असंतोष को एक खास दिशा में मोड़ने की कोई सुनियोजित कोशिश की जा रही है? गौर हो कि राहुल गांधी व अरविंद केजरीवाल अक्सर कहते रहे हैं कि नेपाल की तरह जेन जी को मोदी सरकार के खिलाफ सड़कों पर आ जाना चाहिए।

सीजेआई ने क्या कहा था?

15 मई 2026 को फर्जी डिग्री से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सीजेआई सूर्यकांत ने टिप्पणी की थी कि कुछ बेरोजगार लोग कॉकरोचों की तरह नकल करके लॉ, मीडिया और आरटीआई एक्टिविज्म जैसी प्रणाली में घुस जाते हैं।

औद्योगिक उपयोग का डीजल सामान्य से 45 से 52 रुपए महंगा

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com रायपुर, गुरुवार 21 मई 2026

जेरीकेन में किसानों को नहीं मिल रहा तो ट्रैक्टर लाने की मजबूरी

औद्योगिक डीजल 45 रुपए महंगा, इसलिए जनता का ईंधन फैक्ट्रियों में फूंका जा रहा, यही संकट की बड़ी वजह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में इस समय मांग के मुकाबले 12 गुना डीजल और 15 गुना पेट्रोल उपलब्ध है, लेकिन इसके बाद भी अगर राज्य में पंपों पर आम लोगों, किसानों व परिवहन से जुड़े वाहनों को डीजल नहीं मिल रहा है, तो यह बड़े संकट की बात है। खास बात ये है कि 20 मई को राज्य स्तर पर खाद्य अधिकारियों की बैठक में यह बात सामने आई कि दरअसल डीजल की कमी इसलिए है, क्योंकि राज्यभर में औद्योगिक संस्थान अपने कोटे के बजाय जनता के कोटे का डीजल पेट्रोल पंपों से उठा रहे हैं। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह रेट के अंतर की है। जानकारों के मुताबिक सामान्य डीजल के मुकाबले औद्योगिक डीजल के रेट में 45 से लेकर 52 रुपए प्रतिलीटर का अंतर है।

ये है मामला

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल-डीजल को लेकर डर का माहौल 13 मई को बना था, इसे पैनिक कहा जाता है। इस पैनिक की वजह से लोगों को लगा कि आने वाले दिनों में या तो पेट्रोल-डीजल मिलना मुश्किल होगा या रेट बढ़ जाएगा। इसी डर से लोग पंपों पर टूट पड़े और टंकिया फुल करवा ली। हालांकि 13 के बाद ईंधन की कमी नहीं हुई, लेकिन रेट बढ़ गए। यहां तक तो ठीक था, लेकिन इसके एक हफ्ते बाद भी यानी 20 मई को भी राज्य में डीजल का संकट बना दिख रहा है। सरकार खुद इसे लेकर चिंतित है। इसी मसले को सुलझाने ▶▶| शेष पेज 7 पर

जनता का डीजल उद्योग-कारखानों में

उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो इस बैठक में यह जानकारी सामने आई की उद्योगों से संबंधित लोग औद्योगिक इस्तेमाल के लिए सामान्य पेट्रोल पंपों से आम जनता के लिए उपलब्ध डीजल उठा रहे हैं। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह ये है कि दोनों प्रकार के डीजल के रेट में काफी अंतर है। बताया गया है कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान में औद्योगिक (थोक या बल्क) डीजल का रेट लगभग 142 से रुपए 146 प्रति लीटर के बीच है। इस हिसाब से रेट में करीब 45 से 52 ▶▶| शेष पेज 7 पर

200 किलोलीटर की खरीदी एक बार में

बताया गया है कि आम जनता के कोटे का सस्ता डीजल उठाने वाले औद्योगिक खरीदार एक बार में 200 किलोलीटर तक डीजल उठा रहे हैं। इसकी वजह से पेट्रोल पंपों में डीजल की कमी हो रही है। इस मसले से जुड़ी एक और दिलचस्प बात ये है कि राज्य सरकार औद्योगिक क्षेत्र के लोगों को सामान्य पंपो से डीजल लेने से रोक नहीं सकती है। लिहाजा अधिकारियों से कहा गया है कि वे आपसी तालमेल से स्थिति पर नियंत्रण बनाएं। अधिकारियों से कहा गया है कि वे उद्योग वालों को इस बात के लिए प्रोत्साहित करें कि वे अपने अपने कोटे का औद्योगिक डीजल ही खरीदें।

किसानों को जेरीकेन में डीजल नहीं

राज्य में खरीफ सीजन की बुवाई की तैयारी की जा रही है। किसानों को खेतों की जुताई के लिए ट्रैक्टर के लिए डीजल चाहिए। अब से पहले किसान पंपों से जेरीकेन में डीजल ले जाया करते थे। अब जेरीकेन में डीजल नहीं दिया जाता, तो वे ट्रैक्टर लेकर पंपों में आ रहे हैं। इससे अलग हालत परिवहन कारोबारियों की है। बस व अन्य गाड़ी चलाने वालों को डीजल आसानी से नहीं मिल पा रहा है। उनके हिस्से का डीजल भी उद्योग-कारखाने वाले खरीदकर ले जा रहे हैं। इसका भार सामान्य ग्राहकों के सिर आ गया है।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव*
18 कैरेट रेट* (75.00%) = ₹118715/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) = ₹144990/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) = ₹158270/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
anand Jewels
Pandri, Raipur

ई-फार्मेसी का विरोध, राजधानी के थोक दवा बाजार में रहा सन्नाटा

छग की 18 हजार दवा दुकानों का शटर डाउन, 100 करोड़ का कारोबार ठप रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के आह्वान पर बुधवार को देशभर के केमिस्टों ने अपना व्यापार बंदकर ई-फार्मेसी का विरोध जताया था। राजधानी समेत समूचे छत्तीसगढ़ में दवा व्यापारियों के संगठन ने इसका समर्थन किया था। दवा कारोबारियों ने बुधवार को अपने कर्मचारियों को छुट्टी दे दी थी जिसके वजह से उनके संस्थानों का ताला नहीं खुला। दवा कारोबारी मेडिकल कांप्लेक्स में एकजुट होकर धरने पर बैठे रहे और आपात स्थिति में दवा के भटकते हुए वहां आने वालों को दवा का वितरण भी करते रहे। इनके द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम कलेक्टर एवं ड्रग कंट्रोलर को ज्ञापन प्रस्तुत किया गया है। दवा व्यापारियों के इस आंदोलन को कैट, चेंबर ऑफ कॉमर्स और कांग्रेस के चिकित्सा प्रकोष्ठ ने समर्थन दिया है। उनके प्रतिनिधियों ने मेडिकल कांपलेक्स आकर दवा कारोबार से जुड़े लोगों से मुलाकात की।

खास खबर

ई-फार्मेसी के विरोध में बुधवार को राज्य की करीब 18 हजार थोक और रिटेल की दवा दुकानें बंद रही। संगठित तरीके से हुए इस बंद से एक दिन में करीब सौ करोड़ का कारोबार प्रभावित हुआ। राजधानी के थोक दवा बाजार एवं मेडिकल कांपलेक्स में सन्नाटा रहा। आपात स्थिति को ध्यान में रखते हुए वहां लगाए गए हेल्प डेस्क से कुछ लोगों को इमरजेंसी की दवा उपलब्ध कराई गई। वहीं अस्पतालों के अलावा धनवंतरी और जन औषधि केंद्रों में आवश्यक दवाएं मिलती रही।

मेडिकल कांपलेक्स हेल्प डेस्क से उपलब्ध कराई गई इमरजेंसी दवाएं

सरगुजा में बाइक रैली, रायगढ़ में प्रदर्शन

बंद को प्रदेशस्तर पर दवा कारोबारियों ने समर्थन दिया था। राजधानी में मेडिकल परिस में एक दिवसीय धरना स्थल बनाया गया। सरगुजा में दुकानें बंद कर दवा कारोबारियों ने बाइक रैली निकाली। रायगढ़ में दवा विक्रेताओं ने प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जाहिर की। इसके अलावा अन्य जिलों और ग्रामीण इलाकों में भी दवा दुकानें बंद रही।

फर्जी ई-प्रिस्क्रिप्शन का दौर

दवा व्यापारियों ने आरोप लगाया कि ऑनलाइन दवा कारोबार से फर्जी ई-प्रिस्क्रिप्शन की समस्या सामने आ रही है। साथ ही प्रतिबंधित दवाओं की बिना किसी रोकटोक की बिक्री बढ़ हुई है। रायपुर जिले के दवा व्यापारियों ने कहा कि गंभीर विषयों पर शीघ्र प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई तो व्यापक आंदोलन का निर्णय भी लिया जा सकता है।

ऑनलाइन दवा बिक्री और ई-फार्मेसी द्वारा भारी छूट से आक्रोश

देशभर में 13 लाख से अधिक दवा दुकानें बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देशभर में बुधवार को मेडिकल स्टोर्स की हड़ताल रही। फार्मासिस्ट, केमिस्ट और दवाइयों के डिस्ट्रीब्यूटर्स के संगठन ने मिलकर ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट (एआईओसीडी) के साथ हड़ताल की। देशभर के करीब 13 लाख से ज्यादा दवा डिस्ट्रीब्यूटर्स ने अपनी मेडिकल स्टोर्स बंद रखा। हड़ताल का सबसे ज्यादा असर मध्य प्रदेश और कर्नाटक के कई इलाकों में देखने को मिला। कर्नाटक में 20 हजार से ज्यादा केमिस्ट हड़ताल में शामिल हुए, जबकि मध्य प्रदेश में 52 जिला संगठनों ने बंद का समर्थन किया। चंडीगढ़ में भी कई दवा दुकानों ने हड़ताल का समर्थन किया।

बंगाल में खुली रहीं दवा दुकानें

देशव्यापी बंद के आह्वान के बावजूद पश्चिम बंगाल में बुधवार को प्रमुख कॉर्पोरेट दवा दुकानें, सरकार द्वारा संचालित सस्ती दवा दुकान और कई स्थानीय दवा दुकानें खुली रहीं। 'मेडप्लस', 'फ्रैंक रॉस फार्मेसी' और 'अपोलो फार्मेसी' जैसी बड़ी दवा श्रृंखलाओं ने अपनी दुकानें खुली रखीं और रोजमर्रा तथा आपातकालीन दवाइयों की जरूरत वाले ग्राहकों को सेवाएं दीं।

नई व्यवस्था जल्द

रायपुर के बाद अब दुर्ग-बिलासपुर में भी पुलिस कमिश्नरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में राजधानी रायपुर के बाद अब दुर्ग और बिलासपुर जिले में भी पुलिस कमिश्नरी सिस्टम जल्द लागू होगा।

गृहमंत्री शर्मा ने कहा सीएम से करेंगे आग्रह

रायपुर में डायल 112 के शुभारंभ कार्यक्रम में गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा, छत्तीसगढ़ में पुलिस कमिश्नर प्रणाली की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। छोटे-छोटे विषय विभिन्न विभागों के कारण पेंडिंग हुआ करते थे। उन्होंने बताया कि अभी रायपुर में कमिश्नर प्रणाली लागू है। आवश्यकता अनुरूप इसका विस्तार होना चाहिए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से इसे बिलासपुर और दुर्ग में भी प्रारंभ करने के लिए आग्रह करेंगे।

54 नई डायल 112 गाड़ियों की सौगात

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने रायपुर को 54 नई डायल 112 गाड़ियों की सौगात दी है। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर सभी गाड़ियों को रवाना किया। उन्होंने कहा, डायल 112 करने पर अब और तेजी से पुलिस पहुंचेगी। सी-डेक की एडवांस टेक्नोलॉजी के जरिए पूरा सिस्टम मॉनिटर होगा। कॉल आते ही तुरंत लोकेशन ट्रेस होगी। उन्होंने कहा, नई गाड़ियों में हाईटेक कैमरे लगाए गए हैं। कमांड सेंटर से लाइव मॉनिटरिंग होगी। आज से ही नई गाड़ियां सेवा में शामिल होंगी।

ड्रोन पेट्रोलिंग सिस्टम पर होगा काम

ड्रोन पेट्रोलिंग को लेकर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा, अब ड्रोन पेट्रोलिंग सिस्टम पर भी काम किया जाएगा। कस्टमाइज लोकेशन पर ड्रोन भेजे जाएंगे। टेक्नोलॉजी के जरिए सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी।

खबर संक्षेप

कुलकर्णी संसदीय समिति की अध्यक्ष मनोनीत

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने भाजपा की सदस्य मेधा विश्राम कुलकर्णी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन पर विभाग संबंधी संसदीय स्थायी समिति की अध्यक्ष मनोनीत किया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कॉर्पोरेट विधियां (संशोधन) विधेयक, 2026 पर विचार के लिए मंगलवार को संयुक्त समिति का गठन किया।

दस हजार श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाला

देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भारी बारिश के बाद सोनप्रयाग-गौरीकुंड के बीच मुनकटिया क्षेत्र में भूस्खलन होने से बीच रास्ते में फंस गए करीब 10 हजार श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाल लिया गया है। मुनकटिया में भूस्खलन होने से मुख्य सड़क मार्ग अवरुद्ध हो गया और बड़ी संख्या में श्रद्धालु बीच रास्ते में फंस गए। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ तथा राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें मौके पर पहुंचीं।

बेकाबू कंटेनर ट्रक ने चार को कुचला, दो की मौत

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर बुधवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में कंटेनर ट्रक की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। हादसे में दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। गोविंद नगर थाना क्षेत्र में नयति अस्पताल के पास सुबह करीब तीन बजे यह हादसा हुआ। दिल्ली से आगरा की ओर जा रहा एक कंटेनर ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया।

न्यायिक हिरासत में भेजे गए पांच आरोपी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्न पत्र लीक मामले में पांच आरोपियों को 2 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया और एक आरोपी की सीबीआई हिरासत की अवधि बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता ने पांचों आरोपियों - मंगीलाल खटिक, विकास बिवाल, दिनेश बिवाल, यश यादव और धनंजय लोखंडे को 2 जून तक न्यायिक हिरासत में भेजने के अनुरोध वाली याचिका को स्वीकार कर लिया।

गांवों में घुसे बायसन के हमले में ग्रामीण की मौत दो महिलाएं भी घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कसडोल

बारनवापारा अभयारण्य से लगे तीन गांवों में घुसकर एक बायसन ने तीन लोगों पर हमला कर दिया, जिससे एक ग्रामीण की मौत हो गई जबकि दो महिलाएं घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गांवों में बायसन के घुसकर हमला करने की यह पहली घटना है, जिससे गांवों में दहशत का माहौल है।

खास खबर

जानकारी के मुताबिक मंगलवार सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच एक ही घंटे के भीतर एक बायसन (गौर) ने तीन अलग-अलग गांवों में हमला किया। इस हिंसक हमले में गंभीर रूप से घायल एक ग्रामीण ने बुधवार सुबह इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में वन विभाग के खिलाफ आक्रोश और ग्रामीणों में डर का माहौल है। पहली घटना ग्राम गजराडीह की है। यहां के निवासी देवेंद्र साहू (46 वर्ष) पर बायसन ने उस वक्त अचानक हमला कर दिया जब वे सुबह अपने काम से निकले थे। बायसन का सींग लगने से देवेंद्र के पेट पर 4 से 5 इंच गहरा घाव हो गया और वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में ▶▶| शेष पेज 7 पर

सुरक्षा पर सवाल

एक घंटे के भीतर तीन गांवों गजराडीह, मुरूमडीह और रवान में हुए इस बैक-टू-बैक हमले से वन्यजीव प्रबंधन और वन विभाग की मुस्तैदी पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इलाके में हिंसक वन्यजीवों की मौजूदगी की समय पर सूचना या अलर्ट जारी नहीं किया गया, जिसके कारण यह बड़ा हादसा हुआ। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मृतक देवेंद्र साहू के पीड़ित परिवार को तत्काल उचित मुआवजा और आश्रित को सहायता दी जाए। दोनों घायल महिलाओं के निःशुल्क और उच्च स्तरीय इलाज की जिम्मेदारी प्रशासन उठाए। इधर वन विभाग की टीम ने तुरंत क्षेत्र में गश्त बढ़ाकर हिंसक बायसन को आबादी वाले क्षेत्र से दूर खदेड़ा ताकि आगे कोई और जनहानि न हो।

ऐतिहासिक प्रेमकथा पर मिला पुरस्कार

'ताइवान ट्रैवलॉग' के लिए यांग शुआंग-जी को बुकर पुरस्कार

एजेंसी ▶▶| लंदन

ताइवान की लेखिका यांग शुआंग-जी और अनुवादक लिन किंग ने मंगलवार को उनके उपन्यास 'ताइवान ट्रैवलॉग' के लिए अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार जीता। यह 1930 के दशक में जापान के कब्जे वाले ताइवान की पृष्ठभूमि पर आधारित एक ऐतिहासिक प्रेमकथा है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार पाने वाला मंदारिन चीनी भाषा में लिखा गया पहला उपन्यास है, जिसे अंग्रेजी में अनुवादित किया गया।

यांग की पहली पुस्तक

मूल भाषा में वर्ष 2020 में प्रकाशित ताइवान ट्रैवलॉग यांग की पहली पुस्तक है जिसका अंग्रेजी में अनुवाद किया गया। अमेरिका में इसने 2024 में राष्ट्रीय पुस्तक पुरस्कार के अनुवाद श्रेणी का पुरस्कार भी जीता था। इस पुस्तक ने अंतिम सूची में जगह बनाने वाली पांच अन्य पुस्तकों को पीछे छोड़ते हुए यह पुरस्कार जीता। यह पुरस्कार दुनिया भर की उन अनूदित कृतियों को दिया जाता है, जो ब्रिटेन या आयरलैंड में प्रकाशित होती हैं।

हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक आदेश जारी नहीं करने कहा

कॉन्स्टेबल प्रमोशन के अंतिम आदेश पर रोक, जारी रह सकती है प्रक्रिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्रदेश में चल रही पुलिस कॉन्स्टेबल प्रमोशन को लेकर अहम फैसला सुनाया है। जस्टिस पीपी साहू ने प्रमोशन प्रक्रिया में अंतिम आदेश जारी करने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा है कि प्रमोशन प्रक्रिया जारी रह सकती है, लेकिन याचिका की अगली सुनवाई तक पदोन्नति आदेश जारी नहीं किए जाएंगे। यह अंतरिम आदेश 72 आरक्षकों की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद दिया गया। मामले की अगली सुनवाई अब 15 जून को होगी। दरअसल, प्रदेश के अलग-अलग जिलों में आरक्षकों की प्रमोशन प्रक्रिया जारी है। इस प्रक्रिया में नियमों ▶▶| शेष पेज 7 पर

खास खबर

काम कर रहे आरक्षकों का हक मारा जाएगा

याचिका में यह भी कहा गया कि यदि इस समय हाईकोर्ट से अंतरिम राहत नहीं मिलती, तो नियमों के विपरीत 1 जून 2026 को फाइनल फिट लिस्ट जारी हो जाएगी। इससे लंबे समय से एक ही जिले में काम कर रहे आरक्षकों का हक मारा जाएगा। वहीं राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि पुलिस मुख्यालय के स्पष्टीकरण पत्र को इस याचिका में चुनौती नहीं दी गई है। सरकार ने यह भी बताया कि उपलब्ध जानकारी ▶▶| शेष पेज 7 पर

कांग्रेस नेता के कड़वे बोल, भाजपा अध्यक्ष ने किया पलटवार

एक बार फिर विवादास्पद टिप्पणी कर घिर गए कांग्रेस नेता

राहुल बोले-मोदी और शाह 'गद्दार', नितिन ने कहा-यह 140 करोड़ जनता का अपमान

एजेंसी ▶▶| रायबरेली/अमेठी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और आरएसएस को 'गद्दार' करार देते हुए आरोप लगाया कि वे रोजाना संविधान पर हमला कर रहे हैं और चुनिंदा उद्योगपतियों को देश के हित बेच चुके हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ये गंभीर आरोप अपने निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली के दौरे के दूसरे दिन लगाए। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस नेता की टिप्पणियों की आलोचना करते हुए उन्हें उनकी 'अराजक मानसिकता और चरित्र' का प्रतिबिंब बताया। राहुल के ▶▶| शेष पेज 7 पर

आरएसएस पर साधा निशाना

राहुल गांधी ने आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा, वे मुझसे माफी मांगने को कहते हैं। मैं कभी माफी नहीं मांगूंगा। मैं उनसे डरता नहीं हूं।" नेता प्रतिपक्ष ने कहा, अन्य वक्ताओं को सुनते हुए मैंने महसूस किया कि हम वीरा पासी और डॉ. आंबेडकर को याद तो करते हैं लेकिन उस विचारधारा की ठीक से रक्षा नहीं हो रही है जिसके लिए वे खड़े थे।

भाजपा अध्यक्ष बोले- यह अराजकतावादी सोच

भाजपा ने राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए बुधवार को कहा कि कांग्रेस नेता के शब्द उनकी अराजक सोच और चरित्र को दर्शाते हैं। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि गांधी की टिप्पणी देश की 140 करोड़ जनता का अपमान है और उन्होंने उनसे माफी मांगने की मांग की। गांधी की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए नवीन ने कहा, उन्होंने जिस तरह का बयान दिया ▶▶| शेष पेज 7 पर

सीएम साय बोले- लोकतांत्रिक मर्यादाएं भूल चुकी है कांग्रेस

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान की निंदा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह बयान कांग्रेस की हताशा, राजनीतिक दिवालियापन और संकुचित मानसिकता को उजागर करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लंबे समय से सत्ता से दूर रहने की निराशा में कांग्रेस अब लोकतांत्रिक मर्यादाओं की ▶▶| शेष पेज 7 पर

मनगटा के 150 एकड़ ग्रीन बेल्ट में अवैध प्लाटिंग, 50 से अधिक फार्म-हाउस पर चला बुलडोजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

अवैध प्लाटिंग की लगातार शिकायतों के बीच अब जिला प्रशासन ने सख्त रूख अपनाते बड़ा एक्शन लिया है। शहर में हो रही कार्रवाई के साथ ही अब प्रशासनिक टीम ने बुधवार को मनगटा समीप करीबन 150 एकड़ ग्रीन बेल्ट में हो रहे अवैध प्लाटिंग पर एक्शन लिया है। जेसीबी की मदद से 50 से अधिक फार्म-हाउस को ध्वस्त करने की कार्रवाई की गई है। वहीं संबंधितों के खिलाफ जांच के बाद एफआईआर कराने की भी तैयारी कर ली गई है। उल्लेखनीय है कि जिले में स्थित प्रसिद्ध इको-पर्यटन स्थल मनगटा की 150 एकड़ से अधिक कृषि भूमि और ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में की गई अवैध प्लॉटिंग की शिकायतें सामने आती रही है। जिसको गंभीरता से लेते कलेक्टर जितेंद्र यादव के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम ने अब सख्त एक्शन लिया है। एसडीएम गौतम पाटिल की उपस्थिति में टीम ने सड़क, नाली के साथ ही अवैध बाउंड्रीवाल को तोड़ने का काम किया।

पटवारी-आरआई को भी नोटिस जारी

इस मामले में जिला प्रशासन ने कड़ा रूख अपनाते हुए न केवल भूमि-स्वामियों पर कार्रवाई की है, बल्कि संबंधित पटवारी धनसिंह कोमरे और आरआई अवधराम ठाकुर को भी कारण बताओ नोटिस जारी की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध निर्माण को बढ़ावा देने या समय पर इसकी जानकारी न देने वाले जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों को भी बख्शा नहीं जाएगा।

गेट, बाउंड्रीवाल तोड़ा

कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा अवैध रूप से बनाए गए बाउंड्रीवॉल दीवार, मुख्य प्रवेश द्वार गेट, रिसॉर्ट, मैरिज हॉल, तार-जाली फेंसिंग और बनाई गई सड़कों को जेसीबी की मदद से तोड़ दिया गया।

आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई

कलेक्टर जितेंद्र यादव के निर्देश पर एसडीएम गौतम पाटिल और तहसीलदार प्यारेलाल नाग के नेतृत्व में राजस्व टीम द्वारा अवैध कॉलोनाइजरों और अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते ग्राम बघेरा और झूराडबरी में अवैध निर्माण और संरचनाओं पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया है। संबंधित भूमि-स्वामियों को अवैध प्लाटिंग के संबंध में जिला प्रशासन द्वारा पूर्व में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। तय समय-सीमा बीत जाने के बाद भी संबंधित भूमि-स्वामियों की ओर से कोई भी संतोषप्रद जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद राजस्व की टीम ने मौके पर पहुंचकर सख्त कदम उठाया।

शाह पर भड़के भूपेश-महंत, कहा- हमारे योगदान को कम करने की कोशिश न करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, शाह ने जनता को बेवकूफ बनाने का प्रयास किया है

प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणियों पर तीखा पलटवार किया। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा, बस्तर नक्सल मुक्त हुआ है, यह अच्छी बात है, लेकिन हमारे योगदान को कम करने की कोशिश मत कीजिए। उन्होंने शाह पर गलत बयानी का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें जनता से माफी मांगनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, शाह ने जनता को बेवकूफ बनाने का प्रयास किया है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को जगदलपुर में कहा था कि नक्सल उन्मूलन में पिछली कांग्रेस सरकार ने सहयोग नहीं किया। शाह के बयान के बाद पूर्व सीएम भूपेश बघेल और नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में संवाददाताओं से चर्चा कर रहे थे। श्री बघेल ने अपने 5 साल के कार्यकाल में नक्सल उन्मूलन के लिए किए गए प्रयासों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, वर्ष 2018 के बाद नक्सल घटनाओं में लगातार कमी आई। पूर्व सीएम ने कहा, मध्यप्रदेश में हुई नक्सल प्रभावित राज्यों की बैठक में भी कहा गया था कि छत्तीसगढ़ में वामपंथ उग्रवाद में कमी आई है।

पीडीएस की व्यवस्था को किया बेहतर

पूर्व सीएम ने कहा, कांग्रेस शासन में पूरे बस्तर में 35 किलो राशन मिलता रहा है, जबकि रमन सरकार में 7 किलो प्रति व्यक्ति कर दिया गया था। सुकमा और बीजापुर में पीडीएस व्यवस्था को बेहतर किया गया और अंदरूनी क्षेत्रों में भी राशन मिलता रहा। उन्होंने कहा, रमन सरकार में राशन के वाहनों को लूटने की घटना हुई थी, लेकिन हमारे शासन काल में ऐसी कोई घटना नहीं हुई। उन्होंने कहा, रमन सरकार में नक्सल प्रभावित इलाकों के 4 सौ स्कूलों को कैंप में ट्रांसफर कर दिया गया था। अभी 10 हजार स्कूलों को बंद किया गया है। इसमें से 1163 बस्तर के हैं। उन्होंने आरक्षण पर कहा, राज्य में 32 फीसदी आरक्षण पहले से ही है।

शाह के दावे झूठ का पुलिंदा

भूपेश बघेल ने कहा, कांग्रेस नक्सलवाद खत्म होने की घोषणा का स्वागत करती है, लेकिन अमित शाह ने जो दावे किए, वे सिर्फ झूठ का पुलिंदा हैं। उन्होंने कहा, 2018 से 2023 के बीच कांग्रेस सरकार ने बस्तर में सुरक्षा कैंप, सड़क और आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया, जिसका फायदा वर्तमान सरकार को मिला। भूपेश ने दावा किया कि वर्ष 2022 में खुद अमित शाह ने माना था कि वामपंथी उग्रवाद छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों तक सीमित रह गया है और नक्सली घटनाओं में भारी कमी आई है। उन्होंने कहा, यदि अमित शाह अपना पुराना बयान याद कर लेते, तो उन्हें वास्तविक स्थिति समझ में आ जाती।

हमारे कंधे पर खड़े होकर ऊंचे बनने का प्रयास

वनाधिकार पट्टों और आरक्षण के मुद्दे पर भी पूर्व सीएम ने भाजपा सरकार को कटघरे में खड़ा किया। बघेल ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने पांच वर्षों में 4.57 लाख व्यक्तिगत और 46 हजार सामुदायिक वनाधिकार पट्टे वितरित किए थे। साथ ही आदिवासियों को पहले से 32 प्रतिशत आरक्षण मिलने की बात भी कही गई। पूर्व सीएम ने अमित शाह पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, हमारे कंधे पर खड़े होकर ऊंचे बनने का प्रयास मत कीजिए। हमारे योगदान को कम करने की कोशिश न की जाए।

गाय-भैंस वितरण योजना की घोषणा पर महंत का तंज

नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने भी अमित शाह की वस्तर में डेयरी नेटवर्क और गाय-भैंस वितरण योजना की घोषणा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम रमन सिंह की सरकार में भी ऐसी योजना लागू की गई थी, लेकिन उसमें भारी गड़बड़ियां सामने आई थीं और बड़ी संख्या में बीमार तथा दूध न देने वाली गायों की सप्लाई हुई थी। सैकड़ों करोड़ के इस घोटाले के बाद इस योजना को ही बंद कर दिया गया था। अब अगर फिर से आदिवासी इलाकों में गाय-भैंस बांटने की योजना बन रही है, तो अमित शाह को चाहिए कि डॉ. रमन सिंह को इस योजना की सलाहकार समिति का अध्यक्ष बनाएं, ताकि उनके अपने मुख्यमंत्रित्व के कटु अनुभव का लाभ इस योजना को मिल सके।

कश्यप ने कहा- कांग्रेस का बयान तथ्यहीन, बस्तर की बदलती तस्वीर से घबराई

वन मंत्री एवं बस्तर के वरिष्ठ भाजपा नेता केदार कश्यप ने कांग्रेस की पत्रकार वार्ता पर तीखा पलटवार करते हुए कहा, कांग्रेस नेताओं का बयान हताशा, भ्रम और राजनीतिक बौखलाहट का प्रतीक है। बस्तर में तेजी से खत्म होते नक्सलवाद, गांव-गांव पहुंचती सड़क, बिजली, राशन, मोबाइल नेटवर्क और विकास कार्यों को देखकर कांग्रेस घबराई हुई है। यही कारण है कि जिन नेताओं के शासनकाल में बस्तर हिंसा, भय और भ्रष्टाचार का केंद्र बना रहा, वे आज झूठ का पुलिंदा लेकर जनता को गुमराह करने निकले हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस के नेताओं को यह समझ लेना चाहिए कि बस्तर अब बदल चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर में विकास और विश्वास का नया युग शुरू हुआ है। कांग्रेस आज जिस नक्सल उन्मूलन का श्रेय लेने की कोशिश कर रही है, उसी कांग्रेस के शासनकाल में नक्सलियों का मनोबल बढ़ा, जवानों पर हमले हुए और विकास कार्य ठप पड़े रहे।

मकानों में रखी गई 300 बोरी डीएपी खाद जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खरीफ सीजन शुरू होने में अभी महीनों का समय है और अभी से ही माफिया व कोचिया खाद के अवैध भंडारण में व्यस्त हो गए हैं।अवैध रूप से खाद भंडारित करने का ऐसा ही एक मामला क्षेत्र में सामने आया है। बुधवार को अवैध खाद भंडारण की सूचना पर एसडीएम देवेंद्र प्रधान के निर्देशन में राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम नरसिंहपुर में निरीक्षण किया गया।

छापामार कार्रवाई, कोचिया ने अलग-अलग घरों में छिपाई थी खाद

जांच के दौरान अलग-अलग स्थानों पर बड़ी मात्रा में डीएपी खाद का अवैध भंडारण पाए जाने पर टीम ने कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान नरसिंहपुर बसंत जायसवाल, छत्रपाल तथा कमलावती जायसवाल के मकानों में 100-100 बोरी डीएपी खाद सहित कुल 300 बोरी खाद जब्त किया। संबंधित व्यक्तियों से खाद के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। पूछताछ में सभी ने उक्त खाद ग्राम खुखरी निवासी खाद विक्रेता संदीप जायसवाल का होना बताया। इसके पश्चात मौके पर पहुंचकर संदीप जायसवाल ने उक्त खाद अपना होना स्वीकार किया, संदीप जायसवाल के द्वारा भी खाद भंडारण एवं परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। दस्तावेजों के अभाव में टीम द्वारा समस्त 300 बोरी डीएपी खाद जप्त कर कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में नायब तहसीलदार नरेंद्र कंवर, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी राजपुर सहित राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम मौजूद रही।

लव जिहाद पर हिन्दू संगठन ने किया घेराव, फ्लाईओवर के नीचे पढ़ा हनुमान चालीसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

कायस्थ समाज की युवती के साथ मुस्लिम समाज के युवक का प्रेम-प्रसंग और कोर्ट मैरिज के लिए उनके द्वारा किए गए आवेदन के बाद बीते तीन दिनों से शहर का माहौल गरमाया हुआ है। हिंदू संगठन के लोग लगातर युवती को उसके माता-पिता को सौंपने की मांग कर रहे हैं। वहीं युवक पर आपराधिक मामला होने का हवाला देकर लड़के के साथ रहने से युवती की सुरक्षा पर चिंता भी जता रहे।

बुधवार को सैकड़ों की संख्या में स्थानीय कलेक्टोरेट कार्यालय के सामने फ्लाई ओवर के नीचे कायस्थ समाज और विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता एकत्रित हुए। यहां उन्होंने सामुहिक हनुमान चालीसा पढ़ी और यहां से रैली निकालते कलेक्टोरेट कार्यालय का घेराव किया। इधर हिंदू संगठनों के प्रदर्शन को देखते पुलिस द्वारा कलेक्टोरेट गेट को बंद कर दिया गया था, लेकिन संगठन के लोग गेट पार कर कलेक्टोरेट परिसर तक पहुंचने में सफल रहे। यहां उनके एक प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टर से मुलाकात करते लड़की की सुरक्षा पर चिंता जताई।

बाइक पर मरीज को बैठाकर लिया ब्लड सैंपल

बिलासपुर। 20 मई को सोशल मीडिया में वायरल यह वीडियो बिलासपुर विवेकानंद उद्यान कंपनी गार्डन के पास की एक गली में एक व्यक्ति को बाइक पर बैठाकर रायपुर लोधीपारा स्थित सेज पैथोलैब का सेल्स एग्जीक्यूटिव नरेन्द्र पात्रे ब्लड सैंपल ले रहा था। पात्रे ने बताया कि वह रायपुर सेज पैथोलैब में काम करता है। मरीज के बुलाने पर वह आया था।

एसईसीएल के खिलाफ दायर ठेका कंपनी की याचिका खारिज

हाईकोर्ट ने कहा- हर विवाद के लिए आर्बिट्रेटर की नियुक्ति नहीं की जा सकती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि हर विवाद के लिए आर्बिट्रेटर की नियुक्ति नहीं की जा सकती। टैक्स का विवाद कानूनी दायरे में ही सुलझाया जाएगा। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने ठेका कंपनी की याचिका को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा है कि अनुबंध में मध्यस्थता क्लॉज होने का मतलब यह नहीं है, वैधानिक टैक्स या सेस से जुड़े विवादों को भी आर्बिट्रेटर के जरिए सुलझाया जाएगा। हाईकोर्ट ने एसईसीएल के खिलाफ दायर ठेका कंपनी की याचिका को खारिज करते हुए कहा है, जब मामला किसी विशेष कानून के तहत देनदारी का हो, तो उसके लिए निर्धारित कानूनी फोरम पर ही जाना होगा।

कोलकाता की एसके. सामंता एंड कंपनी को एसईसीएलने गेवरा ओसीपी में वर्कशॉप और स्टोर बनाने का ठेका दिया था। एसईसीएल ने कंपनी के भुगतान से 1 फीसदी राशि निर्माण श्रमिक कल्याण उपकर के रूप में काट लिया। एसईसीएल द्वारा की गई टैक्स कटौती को चुनौती देते हुए ठेका कंपनी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ठेका कंपनी ने अपनी याचिका में बताया कि उनका काम खदान क्षेत्र में आता है, लिहाजा उन पर माइंस एक्ट लागू होता है। इस वजह से कंपनी पर निर्माण श्रमिक कानून प्रभावी नहीं होगा। एसईसीएल द्वारा एक फीसदी टैक्स की कटौती अवैध है। काटी गई रकम की वापस के लिए याचिकाकर्ता कंपनी ने आर्बिट्रेटर नियुक्त करने की मांग की थी।

डॉ.वाशानी दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आयुर्वेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।
HMS मस्सा नाशक

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. पर्णिता बघेल (स्त्री रोग विशेषज्ञ) डॉ. फिबी मसीह (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
वसुधा केयर हॉस्पिटल (महिला एवं बच्चों का अस्पताल | प्लास्टिक एवं कास्मेटिक सर्जरी)
सुविधाएं: • 24x7 डिलीवरी • शिशु रोग • दूरबीन द्वारा ऑपरेशन • सोनोग्राफी • बांझपन का इलाज • खून जांच
जीवन विहार कालोनी, सृष्टि प्लाजो के पास, अवंति विहार रोड, तेलीबांधा, रायपुर, मो. 0771-3523209, 7880001064, 7880001062

Sai Care Hospital श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवाएं: कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार, पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन, हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), लिवर व किडनी रोग, थाइरॉयड सर्जरी, ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट: खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सिंघानिया स्किन केयर
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं: • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
उपलब्ध विशेषताएं: • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन
सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बडों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

मांगों पर चल रहा विचारः कलेक्टर

बहरहाल सरपंचों ने इस्तीफा सीधे अपर कलेक्टर को दिया है। इस संबंध में कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने कहा कि सामूहिक इस्तीफा की कोई मान्यता नहीं है। उनकी जो माँग है, उस पर भी विचार चल रहा है। पंचायत क्षेत्र में विभिन्न विभाग के द्वारा संचालित कार्यों की सूची भी तैयार करवाई जा रही है, जिससे सही स्थिति पता चल सके।

न फंड, न काम, अंतागढ़ के 27 सरपंचों का सामूहिक इस्तीफा, कलेक्टर बोले-मान्यता नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

अलग खबर

अपने क्षेत्र में विकास कार्य कराने की मांग को लेकर तीन दिनों से हड़ताल कर रहे अंतागढ़ विकासखंड के 27 सरपंचों ने इस्तीफा दे दिया है। हालांकि 50 से ज्यादा सरपंचों के इस्तीफे की बात कही जा रही है, लेकिन प्रशासन ने 27 सरपंचों के इस्तीफे की पुष्टि की है। सरपंचों ने 20 मई को अपर कलेक्टर अंजोर सिंह पैकरा को सामूहिक इस्तीफा सौंपा है। उन्होंने बताया कि 27 सरपंचों का सामूहिक इस्तीफा मिला है। इस्तीफा देने वाले सरपंचों का आरोप है कि पिछले एक साल से उनके ग्राम पंचायतों में प्रशासन द्वारा एक भी विकास कार्य स्वीकृत नहीं किया गया है। सरपंचों का कहना है कि ग्रामीण पूछते हैं कि अपने कार्यकाल में क्या-क्या ▶▶|शेष पेज 7 पर

काम कराए जा रहे

इधर जिला पंचायत सीईओ का कहना है कि सभी ग्राम पंचायतों में कार्य कराए जा रहे हैं और जिस भी सरपंच के क्षेत्र में कार्य की जरूरत है, वे सीधे संपर्क कर सकते हैं। प्रशासन का कहना है कि सरपंच संघ के बैनर तले की जा रही मांगें स्पष्ट नहीं हैं।

पीएम मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों के लिए दिया 'थ्री डी' का नया मंत्र

भारत-इटली के बीच व्यापार और तकनीक पर डील

2029 तक 2000 अरब रुपए से अधिक का लक्ष्य

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पांच देशों की यात्रा के आखिरी चरण में इटली पहुंचे। रोम पहुंचने के बाद उन्होंने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की। भारत और इटली ने बुधवार को अपने संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति जताई, रक्षा औद्योगिक रूपरेखा को अंतिम रूप दिया और 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब यूरो तक बढ़ाने के साझा लक्ष्य की पुष्टि की। इस दौरान पीएम मोदी ने 'थ्री डी' का नया मंत्र दिया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी ने बढ़ती भू-राजनीतिक उथल-पुथल के मद्देनजर द्विपक्षीय संबंधों को विस्तार देने के लिए व्यापक वार्ता की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में उत्पन्न स्थिति और क्षेत्र के साथ-साथ दुनिया के बाकी हिस्सों पर पड़ने वाले इसके प्रभावों पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए संवाद और कूटनीति के जरिये संघर्ष का समाधान निकालने पर जोर दिया। मोदी और मेलोनी ने नौवहन की स्वतंत्रता और होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के आवागमन को पुनः शुरू करने का भी आह्वान ▶▶|शेष पेज 7 पर

- दोनों देशों ने विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति जताई

अगले वर्ष दोनों देशों के रिश्तों की 80वीं वर्षगांठ को 'ईयर ऑफ कल्चर' के रूप में मनाया

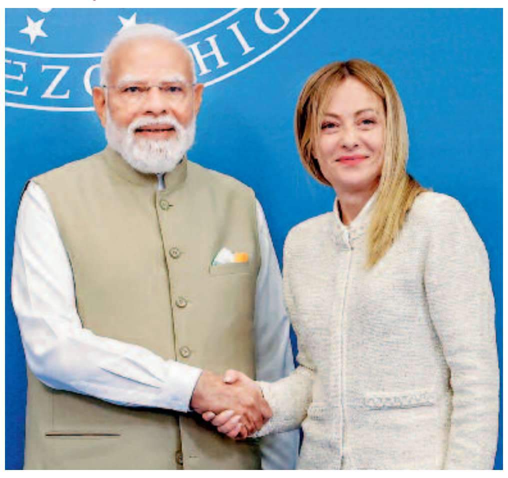

रोम में मोदी और मेलोनी की खास मुलाकात

रोम पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने साथ में डिनर किया और कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने ऐतिहासिक कोलेसियम का भी दौरा किया। दोनों नेताओं की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में हैं।

रक्षा सहयोग बढ़ाएंगे, आतंकवाद पर कड़ा प्रहार

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, मोदी और मेलोनी व्यापार एवं निवेश, रक्षा एवं सुरक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं नवाचार, अंतरिक्ष, ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, शिक्षा और सांस्कृतिक जुड़ाव में सहयोग और बढ़ाने पर सहमत हुए।

मेलोनी को टॉफी गिफ्ट कर छा गए पीएम मोदी

इटली दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी का एक मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

इस वीडियो में पीएम मोदी ने मेलोनी को "मेलोडी" टॉफी गिफ्ट की। वीडियो खुद जॉर्जिया मेलोनी ने अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो में मेलोनी कहती हैं कि पीएम मोदी ने उन्हें बहुत अच्छी टॉफी दी है। तभी पीएम मोदी मुस्कुराते हुए कहते हैं, "मेलोडी"। इसके बाद दोनों नेता हंसने लगते हैं। लोगों को दोनों नेताओं का यह हल्का-फुल्का अंदाज काफी पसंद आ रहा है।

सबसे अधिक तापमान बांदा में दर्ज

भीषण गर्मी की चपेट में उत्तर भारत, छग में भी हीटवेव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

उत्तर भारत बुधवार को भीषण गर्मी और लू की चपेट में रहा। देश में सबसे अधिक तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तापमान उत्तर प्रदेश के बांदा में दर्ज किया गया जो सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक है। इधर, मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ में हीटवेव जैसी स्थिति बनने की आशंका है। ऐसे में लोगों को तेज धूप और लू से बचने की सलाह दी गई है।

दिल्ली में रिज बेस स्टेशन सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 45.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सफदरजंग मौसम केंद्र में 44.5 डिग्री, आयानगर में 45 डिग्री, पालम में 44.9 डिग्री और लोधी रोड में 44.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने कई क्षेत्रों में भीषण लू और रात से समय गर्मी की स्थिति को देखते हुए अगले तीन दिन के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

शिमला का ऐसा हाल

शिमला में दिन का तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने शिमला और सोलन जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है, जबकि चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में 21 से 23 मई के बीच बिजली चमकने का अनुमान है। उत्तराखंड में अधिकतम तापमान करीब 40 डिग्री सेल्सियस रहा। देहरादून में सबसे अधिक 40.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जबकि नई टिहरी में 29.9 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि वर्तमान में कई मौसमी प्रणालियां सक्रिय हैं, जिनके कारण छत्तीसगढ़ के मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। इसके साथ ही एक द्रोणिका पूर्वी उत्तर प्रदेश से मणिपुर तक तथा दूसरी द्रोणिका पूर्वी उत्तर प्रदेश से लक्षद्वीप तक फैली हुई है। इन मौसमी सिस्टमों के प्रभाव से फिलहाल प्रदेश में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है, लेकिन वातावरण में नमी की मात्रा अधिक होने के कारण उमस और गर्मी लोगों की परेशानी बढ़ा सकती है।

मवेशी से टकराकर गिरे बाइक सवारों को हाइवा ने रौंदा, तीन युवकों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

अभनपुर मार्ग पर रेत से भरे तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार तीन युवकों को कुचल दिया, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। छोटे उरला निवासी डोमन टंडन रायपुर से काम कर मंगलवार रात घर लौटा था। कुछ देर बाद उसने परिवार वालों से दोस्तों और धुमाल पार्टी वालों से मिलने जाने की बात कही ▶▶|शेष पेज 7 पर

बाइक के उड़े परखच्चे

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सड़क पर खून बिखर गया और आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। रात में हादसे की सूचना मिलते ही परिवार के लोग घटनास्थल पहुंचे तो तीनों युवक सड़क पर खून से लथपथ पड़े थे।

बदरीनाथ से श्रद्धालुओं को लेकर लौट रहे हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

बदरीनाथ से दिल्ली के तीर्थयात्रियों को लेकर आ रहे एक निजी कंपनी के हेलीकॉप्टर को बुधवार को एक तकनीकी समस्या के कारण टिहरी जिले में चंबा—आराकोट क्षेत्र में आपात स्थिति में उतरना पड़ा। धनोल्टी के तहसीलदार मोहम्मद शादाब ने बताया कि हेलीकॉप्टर में पायलट समेत सात व्यक्ति सवार थे।

अस्थायी व्यवस्था करना शासन का अधिकार, हस्तक्षेप उचित नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार पद को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए सिंगल बेंच के उस आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसमें अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे अधिकारी को पद से हटाने का निर्देश दिया गया था। चीफ जस्टिस

रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा कि नियमित नियुक्ति होने तक किसी अधिकारी को रजिस्ट्रार का अतिरिक्त प्रभार सौंपना मात्र एक अस्थायी प्रशासनिक व्यवस्था है, इसे वैधानिक पद पर नियमित नियुक्ति नहीं माना जा सकता।

दरअसल मामला अश्वनी गुरडेकर से जुड़ा है, जो मूल रूप से डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल रायपुर में फार्मासिस्ट पद पर कार्यरत हैं। राज्य सरकार ने 14 मार्च 2024 को उन्हें छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार का अतिरिक्त प्रभार ▶▶|शेष पेज 7 पर

प्रशासनिक रिक्तता को भरा जाना जरूरी

अदालत ने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक रिक्तता से बचने के लिए अस्थायी व्यवस्था करना शासन का अधिकार है और जब तक उसमें मनमानी, दुर्भावना या किसी कानून का स्पष्ट उल्लंघन साबित न हो, तब तक न्यायालय को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

पहले वर्क फ्राम होम फिर छुट्टी

मेटा ने 8000 कर्मियों को नौकरी से निकाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

मेटा ने बड़े स्तर पर छंटनी की शुरुआत कर दी है, जिसके लिए कंपनी ने 20 मई की सुबह 4 बजे कई लोगों को ईमेल नौकरी से निकालने का ईमेल किया। पुरानी रिपोर्ट्स में भी दावा किया जा चुका था कि 20 मई को कंपनी बड़े स्तर पर छंटनी करेगी। मेटा अपनी ग्लोबल वर्कफोर्स में से 10 परसेंट यानी करीब 8 हजार कर्मचारियों को बाहर का रास्ते दिखाएगी।

7 हजार कर्मचारी न्यू एआई टीम में

मेटा के चीफ पीपुल ऑफिसर जेनेला गाले ने एक इनहाउस मेमो में कहा है कि 8 हजार नौकरी खत्म करने के अलावा कंपनी करीब 7 हजार कर्मचारियों को न्यू एआई टीम में डालने जा रही है। कंपनी का फोकस अब छोटी टीम्स तैयार करना है। मेटा सीईओ मार्क जकरबर्ग ने एआई को कंपनी की सबसे बड़ी प्राथमिकता पर ला दिया है।

चिंतन

राजनीति में एक-दूसरे का सम्मान जरूरी

राजनीतिक दलों के बीच मतभेद स्वाभाविक हैं, आरोप-प्रत्यारोप भी लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन भाषा की मर्यादा टूटने लगे तो राजनीति का स्तर गिरता है और संवाद कमजोर पड़ने लगता है। हाल ही में कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करने के क्रम में एक बार फिर संयम खो बैठे और सारी मर्यादा भूल गए। उन्होंने पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को "गद्दार" तक कह दिया। राहुल जिस तरह से तू-तड़ाक की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, वह किसी भी प्रकार से नेता विपक्ष की गरिमा के खिलाफ है। यह लोकतंत्र में संबोधन का सभ्य तरीका नहीं हो सकता। हालांकि यह पहला मौका नहीं है, जब राहुल ने असभ्य भाषा का प्रयोग किया हो। वे पहले भी ऐसा कर चुके हैं। उन्हें कई बार तो पीएम पर टिप्पणी के लिए कोर्ट तक में माफी मांगनी पड़ी थी। इसके बावजूद उनकी बयानबाजी में संयम का अभाव लगातार दिखाई देता है। संभव है कि उन्हें लगता हो कि तीखे हमले और आक्रामक भाषा से सरकार विरोधी वर्ग उनके करीब आएगा, लेकिन 10-12 साल के राजनीतिक अनुभव बताते हैं कि जनता केवल आक्रोश नहीं, बल्कि गंभीरता और विश्वसनीयता भी देखती है। लोग अब केवल नारेबाजी से प्रभावित नहीं होते, बल्कि वह नेतृत्व की परिपक्वता और व्यवहार को भी महत्व देते हैं। राहुल गांधी ने आर्थिक संकट, बेरोजगारी और व्यापारिक चुनौतियों को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। यह उनका लोकतांत्रिक अधिकार है और विपक्ष को सरकार की नीतियों पर सवाल पूछने चाहिए। जब आलोचना के बीच व्यक्तिगत उपहास और अपमानजनक शब्द शामिल हो जाते हैं, तब मूल मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। यही कारण है कि उनके बयान के बाद चर्चा आर्थिक चुनौतियों पर नहीं, बल्कि उनकी भाषा पर केंद्रित हो गई। दूसरी ओर, भाजपा नेताओं की प्रतिक्रियाएं भी कम तीखी नहीं रहीं। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने राहुल गांधी को "भारतीय राजनीति का राहु" कहा, जबकि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने उन्हें "रिजेक्टेड माल" तक कह दिया। यह स्थिति बताती है कि भारतीय राजनीति में संवाद की जगह कटाक्ष और तंज ने ले ली है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है कि क्या यही राजनीतिक संस्कृति आने वाली पीढ़ियों को दी जानी चाहिए। ऐसे समय में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार का बयान एक सकारात्मक संदेश देता है। शरद पवार ने राजनीतिक मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बनाए रखने की भूमिका की सराहना की। यह परिपक्व राजनीति का उदाहरण है। पवार ने दशकों से विभिन्न विचारधाराओं के नेताओं पंडित जवाहर लाल नेहरू, अटल बिहारी वाजपेयी, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी के साथ काम किया है। उनके बीच तीखे वैचारिक मतभेद होते थे, फिर भी व्यक्तिगत सम्मान बना रहता था। संसद में बहसें होती थीं, लेकिन भाषा की मर्यादा नहीं टूटती थी। आज सोशल मीडिया और तात्कालिक राजनीति के दौर में बयानबाजी अधिक उत्तेजक हो गई है। नेताओं को यह समझना होगा कि उनके शब्द केवल राजनीतिक कार्यकर्ताओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि समाज के व्यवहार को भी प्रभावित करते हैं। राजनीति में एक-दूसरे का आदर खुद का सम्मान बढ़ाने वाली बात होती है। लोग भी नेताओं से अच्छे व्यवहार की आस रखते हैं। उम्मीद है कि राहुल गांधी भी अपना लहजा बेहतर करेंगे और राजनीति में एक-दूसरे का सम्मान करने की परंपरा को बनाए रखेंगे।

कूटनीति
अखिलेश आर्येन्दु

विदेश यात्रा : एक तीर से कई लक्ष्य साधे

ऊर्जा संकट, व्यापारिक चेन में अस्थिरता और वैश्विक ध्रुवीकरण का नया दौर शुरू हो गया है। विपक्ष मोदी की विदेश यात्रा पर जो सवाल उठा रहा था, उन सवालों का जवाब उनकी सफल यात्रा ने दे दिया है। जाहिर तौर पर उनकी यात्रा के बरक्स में देखें तो इस यात्रा से खाड़ी और यूरोपीय देशों से भारत के रिश्ते ही मजबूत नहीं हुए, बल्कि कई ऐसे समझौते भी हुए हैं जो आने वाले वक्त में देश की प्रगति और विकास के लिए मील के पत्थर साबित होंगे। यात्रा की सफलता का मानक यह है कि वैश्विक ऊर्जा संकट से पार पाने में एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है, वह यूएई से ऊर्जा सुरक्षा को लेकर हुआ समझौता, जिसमें पेट्रोलियम और एलपीजी गैस भंडारण, समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा निवेश शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पांच देशों की विदेश यात्रा पर जाने को लेकर विपक्ष कई दिनों से हंगामा कर रहा था। वह सवाल उठा रहा था कि ऐसे वक्त में जब देश में तेल, गैस, रसायनिक खाद की किल्लत और महंगाई से आम आदमी परेशान हो रहा है, प्रधानमंत्री मोदी को पांच देशों के दौरे पर जाना जनहित को नजरअंदाज करने जैसा है, और इसे औचित्यपूर्ण नहीं माना जा सकता है? विपक्ष यह भूल गया कि जिस मकसद को लेकर प्रधानमंत्री ने खाड़ी और यूरोपीय देशों की यात्रा की, वह देश और समाजहित में थी। उसके सकारात्मक परिणाम यात्रा के बाद साफ-साफ दिखाई देने लगे हैं। जाहिर तौर पर, पांच देशों की यह यात्रा आर्थिक, सामरिक, कूटनीतिक और विश्व कूटनीति-राजनीति के लिए ही खास मायने नहीं रखती, बल्कि दुनिया की उभरती महाशक्ति के रूप में जो प्रतिष्ठा मिली है, वह इस यात्रा की अपार सफलता को दर्शाती है। उनकी यह यात्रा ऐसे दौर में हुई है, जब दुनिया में ईरान-अमेरिका-इजराइल युद्ध के असर साफ-साफ दिखाई दे रहा है। भारत में तेल, गैस, रसायनिक खाद और रोजमर्रा की वस्तुओं की महंगाई बढ़ रही है।

ऊर्जा संकट, व्यापारिक चेन में अस्थिरता और वैश्विक ध्रुवीकरण का नया दौर शुरू हो गया है। विपक्ष मोदी की विदेश यात्रा पर जो सवाल उठा रहा था, उन सवालों का जवाब उनकी सफल यात्रा ने दे दिया है। जाहिर तौर पर उनकी यात्रा के बरक्स में देखें तो इस यात्रा से खाड़ी और यूरोपीय देशों से भारत के रिश्ते ही मजबूत नहीं हुए, बल्कि कई ऐसे समझौते भी हुए हैं जो आने वाले वक्त में देश की प्रगति और विकास के लिए मील के पत्थर साबित होंगे। यात्रा की सफलता का मानक यह है कि वैश्विक ऊर्जा संकट से पार पाने में एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है, वह यूएई से ऊर्जा सुरक्षा को लेकर हुआ समझौता, जिसमें पेट्रोलियम और एलपीजी गैस भंडारण, समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा निवेश शामिल है। इससे भारत भविष्य में ऊर्जा संकट से निपटने में सक्षम हो सकेगा। गौरतलब है पेट्रोलियम और गैस की बढ़ती कीमतों से महंगाई पर लगाम लगाने के लिए जरूरी है कि तेल, गैस और रसायनिक खादों की किल्लत पर काबू पाया जाए। यूरोपीय देशों की यात्रा के दौरान वहां बसे भारतवंशियों ने ही मोदी का भारतीय परंपराओं से स्वागत नहीं किया बल्कि पांचों देशों में वहां की सरकारों ने पलक-पांवड़े बिछाकर स्वागत किया। यह समझा जा सकता है कि मोदी की यात्रा ने यूएई को भारत से और अधिक समीपता और विश्वासनीयता बढ़ाने का कार्य किया। यूरोपीय देशों में मोदी का भव्य स्वागत ही नहीं हुआ बल्कि स्वीडन ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से भी उनको सम्मानित किया। जाहिर तौर पर स्वीडन सहित यूरोपीय देशों ने यात्रा के दौरान ऐसे अनेक समझौते किए, जो भारत के लिए सामरिक, आर्थिक और तकनीक को आदान-प्रदान करने में मददगार साबित होंगे। नार्वे, स्वीडन और नीदरलैंड की यात्रा इसलिए भी जरूरी मानी जा रही है कि इससे यूरोपीय देशों के साथ हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, एआई, समुद्री सहयोग और रक्षा तकनीक में सहयोग के नए द्वार खुलें हैं। इनमें उन देशों की कंपनियों द्वारा भारत में विभिन्न क्षेत्रों में पूंजी निवेश बहुत बड़े पैमाने पर होने के समझौते किए गए। इससे यूरोपीय देशों के साथ तकनीक साझेदारी विकसित

होगी, जिससे इन क्षेत्रों में अधिक पूंजी निवेश होने से विकास की नई संभावनाएं विकसित होंगी। नार्वे में मोदी ने ओस्लो में आयोजित तीसरे भारत-नार्डिक शिखर सम्मेलन और इंडिया-नार्वे बिजनेस एंड रिसर्च समिट' में भाग लिया। इसके साथ ही उन्होंने नार्वे, फिनलैंड, आइसलैंड, डेनमार्क और स्वीडन के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक की और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की। इस बैठक में व्यापार, नवीकरणीय ऊर्जा, नवाचार को बढ़ावा, स्वच्छ और हरित प्रोद्यौगिकी के अलावा यूरोपीय देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने पर गहन चर्चा हुई। नार्वे समिट में प्रधानमंत्री ने कहा,- भारत-ईएफटीए समझौते से 100 बिलियन डालर के निवेश और 10 लाख रोजगार सृजित करने पर सहमति हुई। फिनलैंड के प्रधानमंत्री के साथ उनकी बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें डिजिटलीकरण (आई 5जी/6 जी) क्वांटम तकनीक और स्थिरता के क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने पर जोर दिया गया। इससे इन दोनों देशों में रिश्तों में ही गर्माहट नहीं आई बल्कि तकनीक के क्षेत्र में स्थिरता के एक नए युग का सूत्रपात हुआ। भारत और चीन के रिश्ते जगजाहिर हैं। कई वस्तुओं का आयात मजबूरी में भारत को चीन से करना पड़ता है, खासकर सेमीकंडक्टर -क्षेत्र में। यूरोपीय देशों से जो समझौते हुए हैं, उनमें सेमीकंडक्टर का समझौता भी एक है जो भारत के लिए चीन पर इसकी निर्भरता को कम करने में मददगार साबित होगा। इस नजरिए से यूरोपीय देशों के साथ एआई, सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक विकास की नए मॉडल की तकनीक पर निवेश का समझौता बेहद अहम है। मोदी का यह दौरा बहु गठबंधन (मल्टी अलाइमेंट) नीति का हिस्सा है। इस गठबंधन में यूरोप देशों के साथ तकनीक सहयोग, चीन के साथ प्रभाव का संतुलन, अमेरिका के साथ साझेदारी, रूस से दोस्ती के गहन रिश्ते, अरब देशों के साथ सामरिक निकटता की नीति बनाए रखना है। यानी दुनिया के उन सभी देशों के साथ मैत्री रखना, जो भारत के साथ मित्रवत बर्ताव रखना अपनी नीति का हिस्सा समझते हैं। यानी किसी गुट का हिस्सा न होकर दुनिया के हर गुट के साथ दोस्ती बनाए रखने की नीति पर चलना।

प्रधानमंत्री की इस यात्रा ने भारत की आर्थिक समृद्धि, रोजगार सृजित करने के मद्देनजर तकनीक के आयात और रणनीतिक साख को बढ़ाने का काम किया। यूएई द्वारा भारत में 5 अरब डालर निवेश की घोषणा, उनकी यात्रा की सफलता की नई इबारत लिखने में सफल हुई है। इसमें बुनियादी ढांचा, सामान्य प्रबंधन या परिवहन व्यवस्था, बैंकिंग, बंदरगाह, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश शामिल है। इससे भारत में हर क्षेत्र में नवनिर्माण की विशाल प्रक्रिया को बढ़ावा मिलेगा। इटली की यात्रा उनके खास मकसद के तहत सम्पन्न हुई। भारत-इटली के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना और व्यापार को बढ़ावा देना था।

उन्होंने वहां अपने समकक्ष जार्जिया मेलोनी के साथ विस्तार से उन सभी मुद्दों पर चर्चा की जो इटली और भारत के लिए लाभकारी हो सकते हैं। इसी तरह घरेलू राजनीति में धुंरधर खिलाड़ी माने जाने वाले मोदी इस यात्रा से जनता को यह यकीन दिलाने में सफल हुए हैं कि उनकी यात्रा तेल, गैस, खाद, तकनीक आयात, मूलभूत निर्माण को आगे बढ़ाने के साथ भारत की छवि दुनिया में खासकर खाड़ी देशों में भारत की सक्रियता रणनीतिक दबाव बनाने में सफल रही है। जाहिर तौर पर आज भारत एक जिम्मेदार और सशक्त देश के रूप में स्थापित हो चुका है। इसका श्रेय मोदी और उनकी सरकार के जनहितकारी और विश्वहितकारी कार्यों और नीतियों को दिया जाना चाहिए। यह मोदी सरकार की परिपक्व विदेश नीति को भी दर्शाता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

आतंकवाद विरोधी दिवस
योगेश कुमार गोयल

घाटी में खिल रही उम्मीदें हार रहा आतंक का अंधकार

भारत सदियों से शांति, सहअस्तित्व और आध्यात्मिक चेतना की भूमि रहा है। यहां विविधताओं में एकता केवल संविधान की अवधारणा नहीं, बल्कि जीवन पद्धति रही है। इसी भारत को लंबे समय से आतंकवाद जैसी भयावह चुनौती का सामना भी करना पड़ रहा है। आतंकवाद ने केवल देश की सीमाओं को नहीं ललकारा, बल्कि समाज की आत्मा, राष्ट्रीय एकता और मानवीय मूल्यों पर भी प्रहार किया है। यह ऐसा अभिशाप है, जिसने हजारों निर्दोष नागरिकों, सुरक्षाकर्मियों और युवाओं की जिंदगी छीन ली। भारत ने इस चुनौती का मुकाबला केवल सैन्य शक्ति से नहीं बल्कि लोकतांत्रिक धैर्य, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय संकल्प के साथ किया है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष 21 मई को 'राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस' मनाकर देश आतंकवाद के विरुद्ध अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराता है।

यह दिवस हमें याद दिलाता है कि आतंकवाद केवल गोलियों और विस्फोटों का नाम नहीं बल्कि वह मानसिकता है, जो समाज में भय, विभाजन और अस्थिरता पैदा करती है। यह दिवस उन हजारों शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का भी अवसर है, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। यह दिन नागरिकों, विशेषकर युवाओं को संदेश देता है कि हिंसा और कट्टरता का रास्ता केवल विनाश की ओर ले जाता है जबकि शिक्षा, संवाद, लोकतंत्र और विकास ही स्थायी शांति के मार्ग हैं। यदि भारत में आतंकवाद की सबसे बड़ी त्रासदी का कोई प्रतीक क्षेत्र रहा है तो वह जम्मू-कश्मीर है। कभी अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सूफी परंपराओं और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए विख्यात कश्मीर घाटी तीन दशकों से आतंक और अस्थिरता की विभीषिका झेलती रही है। 1990 के दशक में शुरू हुआ आतंकवाद केवल स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं था, बल्कि यह सीमा पार से प्रायोजित सुनियोजित षड्यंत्र था, जिसका उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता को कमजोर करना था। दक्षिण एशिया आतंकवाद पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000 से 2024 के बीच जम्मू-कश्मीर में 22 हजार से अधिक आतंकी घटनाएं दर्ज की गई। इन घटनाओं में लगभग पांच हजार नागरिकों की मौत हुई जबकि तीन हजार से अधिक सुरक्षाकर्मी शहीद हुए। इसी अवधि में भारतीय सेना और सुरक्षा बलों ने 24 हजार से अधिक आतंकियों को मार गिराया। गृह मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2004 से 2014 के बीच देशभर में 7217 आतंकी घटनाएं हुई थी, जबकि 2014 से 2024 के बीच यह संख्या घटकर लगभग 2242 रह गई। आतंकी घटनाओं में जनहानि में लगभग 70 प्रतिशत कमी दर्ज की गई है। नागरिकों की मौतों में 81 प्रतिशत और सुरक्षाबलों की शहादतों में लगभग 50 प्रतिशत की कमी आई है।

ये आंकड़े केवल सांख्यिकीय उपलब्धियां नहीं, बल्कि भारत की बहुआयामी आतंकवाद विरोधी नीति की सफलता का प्रमाण हैं। यह भी सच है कि खतरा अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। वर्ष 2025 में पहलगाम के बैसरन क्षेत्र में पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमला इस बात का संकेत था कि आतंकवाद की जड़ें अब भी पूरी तरह उखड़ी नहीं हैं। इस हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। यह हमला 2008 के मुंबई हमलों के बाद सबसे घातक नागरिक हमलों में माना गया। इस घटना ने स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद आज भी भारत की शांति और स्थिरता को बाधित करने का प्रयास कर रहा है। लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन और अल-बद्र जैसे संगठनों को अब भी वहां से आर्थिक, सामरिक और वैचारिक समर्थन प्राप्त होने के आरोप लगते रहे हैं। भारत की आतंकवाद विरोधी नीति (आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता) अब पहले की तुलना में अधिक स्पष्ट और कठोर दिखाई देती है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल सेना या सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। आज भारत जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वहां यह विश्वास मजबूत होता दिखाई देता है कि आने वाले वर्षों में कश्मीर घाटी फिर से अमन, मोहब्बत और इंसानियत की पहचान बनेगी। वह दिन दूर नहीं, जब घाटी केवल चिनार की छांव, डल झील की शांति, बर्फ से ढके पहाड़ों और सूफी संगीत की मिठास के लिए जानी जाएगी। यह तभी संभव होगा, जब आतंकवाद के विरुद्ध राष्ट्रीय एकता, सतर्कता और विकास की प्रक्रिया निरंतर जारी रहे। भारत का यह संघर्ष केवल सुरक्षा की लड़ाई नहीं बल्कि सभ्यता, मानवता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संघर्ष है और इस संघर्ष में भारत का संकल्प पहले से कहीं अधिक मजबूत दिखाई देता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

भगवान के चरणों में अर्पित करना ही ज्ञान है

संकलित
दर्शन

सर्व सामर्थ्य होते हुए भी अहंशून्य होकर स्वयं को भगवान के चरणों अर्पित कर देना ही ज्ञान, भक्ति और कर्म की परिपूर्णता है। भगवान के परम भक्त बालिपुत्र अंगद ने रावण की सभा में अपना एक पैर रोपकर अपने मुष्टिप्रहार से रावण के दसों मुकुटों को सिर से गिरा दिया था, वहीं चार मुकुटों को बीच में उछालकर भगवान के पास भेज दिया था। लंका से लौटकर आए अंगद से जब भगवान श्रीराम ने पूछा कि तुमने ये मुकुट कहां और कैसे प्राप्त किए, तब अंगद ने धर्म और ईश्वर से विमुख व्यक्ति की तात्विक व्याख्या की है। अंगद विनम्र भाव से कहते हैं, प्रभु! ये चार मुकुट नहीं, राजनीति के चार पद हैं, जिन पर चलकर व्यक्ति व्यवहार करते हुए भी परमार्थ को प्राप्त कर लेता है। रावण आपसे और धर्म से विमुख हो चुका है, इसलिए राजनीति के चारों चरणों (साम, दाम, दंड और भेद) का दुरुपयोग कर रहा था, इस कारण मुकुट के रूप में ये चारों उसको छोड़कर आपकी शरण में आ गए हैं। रावण ने शेष छह मुकुट जो सिर पर धारण कर रखे हैं, वे साधक के जीवन में रहने वाली षड्संपत्ति (शम, दम, उपरति, तितीक्षा, श्रद्धा और समाधान) हैं। चूंकि रावण उनका भी दुरुपयोग कर रहा था, इसलिए ये षड्संपत्ति न रहकर विकार बनकर रावण के सिर पर शासन कर रहे हैं, जो उसके विनाश के कारण बनेंगे। मेरे प्रभु! गुण तो केवल वे ही हैं, जिन्हें आपने स्वीकारा है। शेष सब अवगुण ही हैं। गुणों का योग जब तक भगवान से नहीं होगा, तब तक व्यक्ति उसका उपयोग और कहां करेगा?

श्रीकृष्ण ने अर्जुन को भ्रम से बचने की सलाह दी

संकलित
प्रेरणा

महाभारत युद्ध की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। कुरुक्षेत्र में कौरव और पांडव पक्ष की सेनाएं आमने-सामने खड़ी थीं। संख्या और शक्ति के हिसाब से कौरवों की सेना ज्यादा अच्छी दिख रही थी। जब अर्जुन ने कौरव पक्ष में अपने परिवार, कुटुंब के लोगों को देखा तो वे भ्रमित हो गए। अर्जुन ने अपने सारथी यानी श्रीकृष्ण से रथ को दोनों सेनाओं के बीच में ले जाने के लिए कहा। श्रीकृष्ण रथ लोग युद्ध मैदान के बीच में ले गए। वहां पहुंचकर अर्जुन ने भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य जैसे यौद्धाओं को देखा। इन सभी को देखकर अर्जुन ने युद्ध करने का विचार ही छोड़ दिया और अपने धनुष-बाण नीचे रख दिए। अर्जुन ने श्रीकृष्ण से कहा कि मेरे कुटुंब के सभी लोग मेरे सामने खड़े हैं, मैं उनसे युद्ध नहीं कर सकता।श्रीकृष्ण समझ गए कि अर्जुन भ्रम में फंस गए हैं। उस समय श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। भगवान ने समझाया कि जब लक्ष्य बड़ा हो तो सभी बातें चल सकती हैं, लेकिन भ्रम नहीं चल सकता है। तुम्हें अपने सारे भ्रम छोड़कर सिर्फ अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए। जब हम अपने काम अधूरे मन और भ्रम के साथ करते हैं तो सफलता नहीं मिलती है। सफलता चाहते हैं तो सभी भ्रम दूर करते हुए, अपने काम पूरे मन से और एकाग्रता के साथ करना चाहिए।

अंतर्मन

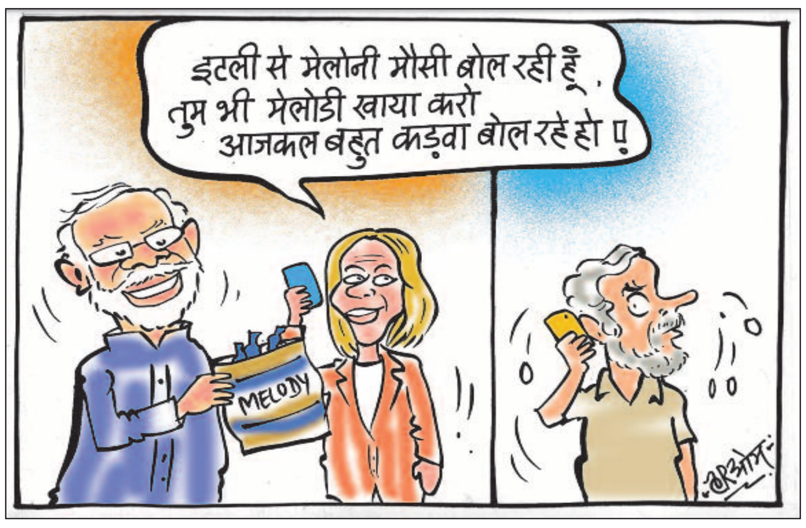

आज की पाती

बहुत जरूरी है वन संपदा को आग से बचाना

हर वर्ष गर्मियों में देश के कुछ वन संपदा के धनी राज्यों में वनों में भयंकर आग लगने की खबरें पढ़ने, सुनने और देखने को मिलती हैं। आग किसी भी कारण से वनों में लगती है, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ लोग गर्मियों के दिनों में बेकार की घास-फूस को जलाने के लिए वनों या खेतों में आग लगा देते हैं, जिससे घास-फूस के साथ ही सैकड़ों वृक्ष भी आग की बलि चढ़ जाते हैं जो कि प्रकृति से खिलवाड़ है और हरी-भरी वादियों के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। लोगों को चाहिए कि अगर वो खेतों से फालतू की घास-फूस को जलाना चाहते हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि यह आग खेतों के साथ लगते वनों में न फैले। इससे एक तो वन संपदा नष्ट होती है, दूसरे कई जंगली जीव-जंतु-पक्षी जल कर नष्ट हो जाते हैं। *- संकेत अग्रवाल, सरायपाली*

ट्रेंड

प्रेरणादायक पहल

विद्यार्थियों द्वारा योगासन से दिन की शुरुआत करना एक अत्यंत प्रेरणादायक पहल है। यदि बचपन से ही स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बन जाए, तो इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे जीवन पर पड़ता है।
-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

राहुल गांधी की हताशा

प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग राहुल गांधी की अत्यधिक हताशा का स्पष्ट संकेत है। घृणा फैलाना कांग्रेस की सच्ची राजनीति रही है। वे नेता और पार्टियां जो स्वयं आपातकाल के दाग और भ्रष्टाचार के इतिहास से घिरी हुई हैं, आज देशभक्ति का उपदेश दे रही हैं।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

उर्वरकों की कमी

आने वाले समय में सबसे बड़ा संकट यूरिया, डीएपी और अन्य उर्वरकों की संभावित कमी है। भारत अपने अधिकांश उर्वरकों का आयात करता है, जो वर्तमान में बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।
- अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

पार्टी का शानदार प्रदर्शन

पंजाब के हर कोने में हमारी सरकार द्वारा किए गए कार्यों की चर्चा हो रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन शानदार रहेगा।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

ईरान परमाणु हथियारों की होड़ शुरू कर सकता है: वेंस

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने कहा है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होने से विश्व स्तर पर ''परमाणु हथियारों की होड़'' शुरू हो जाएगी। वेंस ने साथ ही कहा कि अगर तेहरान शांति समझौते पर पहुंचने में विफल रहता है तो अमेरिका सैन्य अभियान फिर से शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। मंगलवार को व्हाइट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में वेंस ने यह टिप्पणी तब की जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हमले फिर से शुरू करने के फैसले को एक दिन पहले टाल दिया था। यह फैसला कतर और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य अरब देशों के अनुरोध पर लिया गया। उन देशों ने कहा था कि शांति वार्ता में तेहरान 'उचित रवैया' अपना रहा है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, 'हमारा मानना है कि ईरानी समझौता करना चाहते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने हमसे सद्भावनापूर्वक बातचीत करने का आग्रह किया और हमने ठीक वैसा ही किया है।' वेंस ने बताया कि प्रेस वार्ता में आने से पहले उनकी ट्रंप से मुलाकात हुई थी। उन्होंने कहा, हम उस रास्ते पर नहीं जाना चाहते। लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो राष्ट्रपति उस रास्ते पर जाने के लिए तैयार हैं और इसमें सक्षम हैं। वेंस ने कहा कि अमेरिका के पास एक सरल प्रस्ताव है और आगे बढ़ने के दो रास्ते हैं।

ऑफ बीट

ब्रह्माण्ड स्वयं को क्यों खंडित कर रहा है?

ब्रह्मांड किससे बना है? यह प्रश्न सैकड़ों वर्षों से खगोलविदों को उद्वेलित करता रहा है। पिछली एक चौथाई सदी से, वैज्ञानिकों का मानना है कि

परमाणु और अणु जैसी 'सामान्य' चीजें जो आपको, मुझे, पृथ्वी और लगभग हर चीज को बनाती हैं जिसे हम देख सकते हैं, ब्रह्मांड का केवल 5 प्रतिशत हिस्सा है। अन्य 25 प्रतिशत 'डार्क मैटर' है, एक अज्ञात पदार्थ जिसे हम देख नहीं सकते हैं लेकिन हम यह पता लगा सकते हैं कि यह गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से सामान्य पदार्थ को कैसे प्रभावित करता है। ब्रह्मांड का शेष 70 प्रतिशत भाग 'डार्क एनर्जी' से बना है। 1998 में खोजा गया, यह ऊर्जा का एक अज्ञात रूप है जिसके बारे में माना जाता है कि यह ब्रह्मांड का लगातार बढ़ती दर से विस्तार कर रहा है। एस्ट्रोनॉमिकल जर्नल में जल्द ही प्रकाशित होने वाले एक नए अध्ययन में, हमने डार्क एनर्जी के गुणों को पहले से कहीं अधिक विस्तार से मापा है। हमारे नतीजे दिखाते हैं कि यह एक काल्पनिक वैक्यूम ऊर्जा हो सकती है जिसके बारे में सबसे पहले आइंस्टीन ने प्रस्तावित किया था - या यह कुछ अजीब और अधिक जटिल हो सकता है जो समय के साथ बदलता रहता है। एक सदी पहले जब आइंस्टीन ने सापेक्षता का सामान्य सिद्धांत विकसित किया।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

विकसित भारत का कृषि मॉडल : गौ-आधारित प्राकृतिक खेती और स्वस्थ जीवन

सेहत और खुशहाली के साथ किसानों के मुनाफे का बेहतर मॉडल बना मप्र

» कृषि को स्वास्थ्य, स्थिरता और आत्मनिर्भरता के व्यापक संदर्भ में देखा जाए

गोबर और गोमूत्र से भूमि का होता है बेहतर पोषण

मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन सरकार को पता है कि सेहतमंद कृषि उपज का जरिया एक मात्र प्राकृतिक खेती ही है। इससे न केवल कृषि की उत्पादन लागत कम होती है बल्कि किसान की आमदनी भी बढ़ती है। ये सब तभी संभव है जब गौ आधारित खेती होगी। यही वजह है कि राज्य की प्रगति के लिए मध्य प्रदेश में विकसित भारत का कृषि मॉडल तैयार किया गया है जो गौ-आधारित प्राकृतिक खेती और स्वस्थ जीवन के सपने को साकार करने वाला है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विकास के उस मार्ग पर अग्रसर है, जहाँ आर्थिक प्रगति के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, सार्वजनिक स्वास्थ्य और सांस्कृतिक मूल्यों को समान महत्व दिया जा रहा है। इसी समग्र दृष्टि के अंतर्गत भारतीय कृषि को भी एक नए युग की ओर ले जाया जा रहा है। कृषि सदियों से हमारी सभ्यता की रीढ़ रही है। आधुनिक युग में रासायनिक उर्वरकों और सिंथेटिक कीटनाशकों पर अत्यधिक निर्भरता ने खेती की लागत बढ़ाने के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता, उसकी जलधारण क्षमता और दीर्घकालिक स्थिरता को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप, हमारे भोजन की गुणवत्ता और नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने बार-बार इस बात पर ज़ोर दिया है कि भारत की समस्याओं का समाधान हमारी अपनी परंपराओं और ज्ञान प्रणाली में निहित है। इसी विचार से प्राकृतिक खेती को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहन मिल रहा है, जो भारतीय कृषि की मूल आत्मा से जुड़ी हुई है। आज आवश्यकता इस बात की है कि कृषि को केवल उत्पादन के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, स्थिरता और आत्मनिर्भरता के व्यापक संदर्भ में देखा जाए। भारत की पारंपरिक कृषि व्यवस्था सह-अस्तित्व और संतुलन पर आधारित रही है, जिसमें गौमाता की भूमिका केंद्रीय रही है। गौ केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि उत्पादकता और पोषण सुरक्षा का आधार रही हैं। हमारे पूर्वज जानते थे कि गौवंश का संरक्षण सीधे मिट्टी के स्वास्थ्य से जुड़ा है। गोबर और गोमूत्र से भूमि को पोषण मिलता है, सूक्ष्म जीव सक्रिय होते हैं और मिट्टी पुनः जीवंत होती है। स्वस्थ मिट्टी से प्राप्त अन्न अधिक पौष्टिक, सुरक्षित और मानव शरीर के अनुकूल होता है।

गौ-आधारित प्राकृतिक खेती

गौ-आधारित प्राकृतिक खेती केवल कृषि सुधार की पहल नहीं, बल्कि भारतीय जीवनदृष्टि का पुनर्जागरण है। गौमाता और मिट्टी की रक्षा के अपने सांस्कृतिक दायित्व को निभाते हुए, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ भोजन, संतुलित जीवनशैली और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं। यही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित, आत्मनिर्भर और स्वस्थ भारत के स्वप्न को साकार करने का सशक्त मार्ग है।

प्राकृतिक खेती कृषि तकनीक नहीं, बल्कि जीवन जीने की पद्धति

प्रधानमंत्री मोदी की दृष्टि में प्राकृतिक खेती केवल एक कृषि तकनीक नहीं, बल्कि जीवन जीने की भारतीय पद्धति है। वे इसे किसानों की लागत घटाने, आय बढ़ाने और उन्हें बाहरी निर्भरता से मुक्त करने का सशक्त माध्यम मानते हैं। साथ ही, यह देशवासियों को रसायन-मुक्त, विषरहित भोजन उपलब्ध कराने का मार्ग है। यही कारण है कि प्राकृतिक खेती को आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के लक्ष्य से जोड़ा गया है। प्राकृतिक खेती की कार्यप्रणाली सरल, स्वदेशी और प्रभावशाली है। इसमें गौशालाओं को केवल संरक्षण केंद्र नहीं, बल्कि कृषि आदानों के उत्पादन के आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है। गोबर और गोमूत्र से तैयार जीवामृत, बीजामृत और पंचगव्य जैसे प्राकृतिक इनपुट मिट्टी के सूक्ष्म जीवों को सक्रिय करते हैं और भूमि की उर्वरता को दीर्घकालिक रूप से बढ़ाते हैं। पलवार (मल्चिंग) जैसी तकनीकें मिट्टी की नमी बनाए रखती हैं, जल संरक्षण में सहायक होती हैं और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से फसलों की रक्षा करती हैं। इन उपायों से खेती की लागत में उल्लेखनीय कमी आती है, जिससे शून्य बजट प्राकृतिक खेती का लक्ष्य व्यवहारिक रूप से संभव होता है।

किसानों को विकास प्रक्रिया में भागीदार बना रही है मध्यप्रदेश सरकार

कृषि भूमि के अर्जन पर बाजार दर से चार गुना ज्यादा मुआवजा देगी मोहन सरकार

मध्य प्रदेश एक मात्र राज्य है जहां के किसानों को ढेरों सुविधाएं और हर कदम पर सरकार का सहयोग लगातार प्राप्त हो रहा है। खाद, बीज और उपज विक्रय में अच्छा लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों को विकास प्रक्रिया में भागीदार बना रही है। मंत्रि-परिषद की बैठक में कृषि भूमि के अर्जन पर बाजार दर से 4 गुना मुआवजा देने का निर्णय ऐतिहासिक है। इससे जहां किसानों को नई जमीन खरीदने में आसानी होगी, वहीं भू-अर्जन कार्यों के निराकरण को गति मिलेगी। सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था को इसका लाभ होगा। यह किसानों की समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ये मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने साफ कहना है कि प्रदेश के किसानों को हर हाल में उनका हक मिलना ही चाहिए। इसके लिए सरकार को जो भी कदम उठाना पड़े तो उठाएंगे। ये उन्होंने करके भी दिया और कैबिनेट में मध्यप्रदेश भू-अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार नियम, 2015 के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मल्टीप्लीकेशन फैक्टर 1.0 से बढ़ाकर 2.0 कर दिया है। इससे किसानों को बाजार मूल्य का अधिकतम 4 गुना मुआवजा मिल सकेगा।

ये होगा फायदा

इस निर्णय से सिंचाई परियोजनाओं, सड़क, पुल, रेलवे और बांध निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा अधिग्रहित की जाने वाली कृषि भूमि पर किसानों को अधिक राशि मिल सकेगी। इससे न केवल विकास कार्यों में तेजी आएगी, बल्कि भूमि देने वाले किसान परिवारों की आर्थिक स्थिति में भी व्यापक सुधार होगा। शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में विकास कार्यों को गति मिलेगी। मध्यप्रदेश में मेट्रोपोलिटन सिटी की ओर भी बढ़ रहे हैं। ऐसे में भू-अर्जन की आवश्यकता पड़ेगी। गत तीन वर्ष में 55 हजार से अधिक किसानों को विभिन्न परियोजना के माध्यम से 16 हजार करोड़ मुआवजा वितरित किया गया है। सालाना आधार पर यदि देखें तो जो मुआवजा करीब 5000 करोड़ रूपए था, अब वो 4 गुना बढ़ा दिया गया है। अब हर साल करीब 20 हजार करोड़ रूपए मुआवजा किसानों को मिलेगा।

मध्यप्रदेश में गेहूं उपार्जन

कृषक कल्याण वर्ष-2026 में किसानों के हित में निरंतर कार्य होगा। वैश्विक परिदृश्य में गेहूं का निर्यात न के बराबर है। इन परिस्थितियों में भी सरकार किसानों के साथ खड़ी है। पहले छोटे और मझौले किसान और फिर बड़े किसानों से गेहूं खरीदा जा रहा है। किसानों को बोनस भी दिया जा रहा है। पिछले साल का गेहूं भी वेयरहाउस में स्टॉक है। इस वर्ष गेहूं उत्पादन बढ़ा है। अन्नदाताओं के हित में राज्य सरकार गेहूं खरीदी का कार्य पूर्ण करेगी। भारत सरकार से 78 लाख मीट्रिक टन खरीदी के अनुमान है।

सिंचाई परियोजना

मंत्रि-परिषद द्वारा उज्जैन जिले की इन्दौख-रुदाहेड़ा सूक्ष्म सिंचाई परियोजना की लागत राशि 157 करोड़ 14 लाख रूपये, सैंच्य क्षेत्र 10,800 हेक्टेयर की प्रशासकीय स्वीकृति हुआ है। परियोजना से झारड़ा तहसील के 35 ग्रामों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिला है। छिन्दवाड़ा सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना में पुनर्वास के लिये स्वीकृत राशि 840 करोड़ 80 लाख रूपये के स्थान पर लगभग 969 करोड़ रूपये का विशेष पुनर्वास पैकेज स्वीकृति किया गया है। यह विशेष पैकेज त्वरित क्रियान्वयन व विस्थापितों के अपेक्षित सहयोग के लिए केन-बेतवा अन्तर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना के समकक्ष प्रदान किया जाना है। छिन्दवाड़ा सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना के अंतर्गत छिन्दवाड़ा जिले में संगम 1 बाँध, संगम 2 बाँध, रामघाट बांध एवं पांढुर्णा जिले में बेलेंसिंग रिजर्वायर (पांढुर्णा) कुल 4 बांध है।

किसान कल्याण वर्ष-2026

किसानों की आय बढ़ाना ही मोहन सरकार का मूल ध्येय

किसानों की आय में हर तरीके से वृद्धि करना ही हमारा मूल लक्ष्य है और यह उनकी फसल का उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने से ही संभव है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के एक करोड़ से अधिक किसानों के हित में समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश के समावेशी मॉडल/थीम पर हम वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष (कृषि वर्ष) के रूप में मना रहे हैं। इस दौरान कृषि उत्पादों का मजबूत विपणन तंत्र स्थापित किया जाएगा, साथ ही खाद्य प्रसंस्करण को भी बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को उच्च उत्पादकता वाली फसल किस्मों/बीजों का वितरण, डिजिटलीकृत एवं नवीन कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहन, कृषि स्टार्टअप एवं एफपीओ जैसी कृषि आधारित रोजगार श्रृंखला को बढ़ावा, कृषि से संबद्ध सभी क्षेत्रों को एकीकृत करते हुए जिला-आधारित क्लस्टर्स का विकास तथा खेती-किसानी में फसल चक्र में बदलाव (विविधीकरण) को प्रोत्साहन देना कृषि वर्ष के प्रमुख लक्ष्यों को पूरा किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कहना है कि खेती-किसानी से पर्यावरण में भी व्यापक सुधार आता है। उन्होंने कहा कि निमाड़ क्षेत्र में खेती-किसानी से बढ़ते लाभ और दिनों-दिन सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से दूसरे किसान भी खेती की तरफ बढ़े हैं। इससे निमाड़ अंचल में चारों तरफ हरियाली ही हरियाली है और इस हरियाली का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ है कि पूरे निमाड़ अंचल का तापमान पहले से चार डिग्री कम हो गया है। यह उपलब्धि हमें किसानों की बेहतरी के लिए और अधिक प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित करती है। कृषि वर्ष के दौरान सरकार का एक लक्ष्य दुग्ध उत्पादन में वृद्धि कर इसे वर्तमान से दुगना करना भी है। इसके लिए प्रदेश के पशुपालकों को उन्नत पशुपालन की नई-नई तकनीकें सीखने के लिए ब्राजील भेजा जाएगा। राज्य के पशुपालक उन्नत तकनीक से पशुपालन करेंगे तथा नई विधियों और पद्धतियों से उन्नत नस्लों के पशुओं से दुग्ध उत्पादन के लिए तैयार करेंगे।

बालाघाट में होगा सिंघाड़ा एवं मखाना महोत्सव

किसान कल्याण वर्ष में सितम्बर के संभवतः पहले सप्ताह में बालाघाट जिले में 'सिंघाड़ा एवं मखाना महोत्सव' आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में सिंघाड़ा उत्पादकों, व्यापारियों, निर्यातकों एवं फसल विशेषज्ञों द्वारा सहभागिता की जाएगी। सिंघाड़ा और मखाना कैश क्राप की तरह हैं। इनका सेवन स्वाथ्यवर्धक होता है। यह महिलाओं के लिए विशेष रूप से लाभकारी है। क्षेत्रीय किसानों को सिंघाड़े और मखाने की खेती से जोड़ने के लिए महोत्सव में किसानों के बीच इनकी खेती से मिलने वाले लाभों से जुड़ी जानकारियों का वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा। महोत्सव में इन दोनों फसलों की खेती से संबंधित नई तकनीकों के बारे में किसानों को बताया जाएगा। साथ ही सिंघाड़े और मखाने की सभी प्रकार की किस्मों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

नवम्बर में नरसिंहपुर में होगा गन्ना महोत्सव

कृषि वर्ष में नवम्बर के संभवतः पहले सप्ताह में ही नरसिंहपुर जिले में राज्यस्तरीय किसान सम्मेलन सह गन्ना महोत्सव आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में शक्कर कारखाना मालिक, गन्ना उत्पादक किसान सहित निर्यातक एवं विशेषज्ञ भी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। इससे गन्ने की आधुनिक तरीके से खेती के बारे में बताया जाएगा। साथ ही गन्ने की फसल के लिए ड्रिप सिंचाई की सुविधा मांगकर्ता किसानों को यह सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

पैक्स समितियों के जरिए किसानों को दिलाए गए अधिकतम लाभ

कृषि वर्ष के दौरान किसानों को अधिकतम सेवाएं और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वर्ष के दौरान राजस्व विभाग द्वारा ऐसे किसान, जो किसी वजह से अबतक केसीसी धारक नहीं हैं, उनकी सूची निकटतम प्राथमिक सहकारी साख समितियों (पैक्स) को उपलब्ध कराई जाएगी। पैक्स समितियां किसानों से सम्पर्क कर पात्र किसानों से तय प्रारूप में आवेदन लेने की व्यवस्था ने इसे सरल बना दिया है और बैंक स्तर पर केसीसी मंजूर कराने की कार्यवाही भी हो रही है। मंजूरी वाले प्रकरणों को एकत्रित कर कैम्प लगाकर किसानों को केसीसी वितरित किए किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में प्रदेश में 4500 से अधिक पैक्स समितियां कार्यरत हैं और करीब 23 लाख से अधिक किसान इन पैक्स समितियों से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं।

मध्य प्रदेश में किसानों की खुशहाली की गाथा स्वयं किसान बताते हैं

धार में बागवानी,टीकमगढ़ में सब्जी लगाकर आमदनी बढ़ाने में सफल हुए किसान

मध्य प्रदेश की डॉ.मोहन सरकार की सबसे खास बात ये हैं कि सरकार जो कहती है वो करती है। उसकी वजह है कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव खुद योजनाओं के क्रियान्वयन पर पैनी नजर रखते हैं। लापरवाही पर फटकार और बेहतर काम करने पर पीठ थपथपाने में कसर नहीं छोड़ते हैं। योजनाओं का नतीजा ये है कि खुद किसान अपनी कामयाबी की गाथा और सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर आगे बढ़ने की बात कहने से नहीं रुकते है। धार जिले के सरदारपुर तहसील का ग्राम राजोद कस्बा पिछले डेढ़ दशक से उद्यानिकी खेती के क्षेत्र मे तेजी से विस्तारीत होकर एक विशिष्ट पहचान बना रहा है। ग्राम राजोद के युवा किसान मुकेश धाकड एक ऐसे किसान है। जिसने क्षेत्र में सबसे पहले डैगन फ्रुट और रेड डायमंड अमरूद की फसले की पैदावार ली । वही यह किसान नर्सरी के माध्यम से बडी मात्रा मे पौधों की बिक्री भी कर रहा है। वे वीएनआर, पिंक और रेड डायमंड अमरूद के साथ ही डैगन फ्रुट, सीडलेस सीताफल, एप्पल बेर जैसी फसलों का उत्पादन किसान सफलता पूर्वक ले रहे है।

किसान मुकेश धाकड खेती मे नये नये प्रयोग करते रहते है। अब इन्होने आम की बागवानी करने की दिशा मे कदम रखा है। अपने खेत पर करीब एक दर्जन से भी अधिक प्रजाति के आम के पौधे रोपे है। यही नही तीन वर्ष पूर्व थाईलैंड प्रजाती के अपने खेत पर लगाये दो आम के पौधे पर लटालुम आम की बहार आई है। एक पौधे पर 50 से अधिक पल है जबकि इसकी ऊंचाई महज तीन फीट के करीब होगी। किसान मुकेश धाकड़ ने बताया की थाई प्रजाती का यह आम सदाबहार है। पूरे वर्ष में इस पर फल लगते रहते है। पहली बार इसके पेड पर फलों का उत्पादन ले रहे है। धाकड ने बताया की अभी उन्होने खेत की मेड पर बुनई किग, चेगमाई, किंग आफ चकापत, ब्लैक मैगो, मियाजाकि, अमेरिकन रेड पालमेंट, आसीन, हनी ड्यु, सोनपरी, जम्बो रेड, तोतापुरी, हुन आरा, चौसा एंव नूरजहां जैसी किस्मों के दौ दर्जन से अधिक पौधे लगा रखे है। जिसमे से छोटे पौधे पर तो वे फलों का उत्पादन भी इस वर्ष ले रहे है। किसान श्री धाकड़ ने बताया की अभी तो शौकिया तौर पर ये पौधे लगाये है। यही क्षेत्र की जलवायु आम की फसल के लिये उपयुक्त रही तो आने वाले समय मे वे इसका बाग भी लगायेगे। इसी तरह टीकमगढ़ जिले में विकासखंड बल्देवगढ़ के ग्राम बनपुरा खुर्द के एक किसान ने यह साबित कर दिया है कि अगर सोच आधुनिक हो, तो मिट्टी सोना उगल सकती है।

प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन से बदली सोच

इसके बाद उन्होंने उद्यानिकी विभाग की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और कृषि विभाग की आत्मा योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया। कृषि भ्रमण के दौरान उन्होंने राज्य के बाहर जाकर तरबूज सहित उद्यानिकी फसलों की आधुनिक खेती के बारे में जानकारी ली। प्रशिक्षण के बाद उन्होंने अपने खेत में ड्रिप सिंचाई और मल्चिंग तकनीक का उपयोग करते हुए तरबूज की खेती शुरू की। आधुनिक तकनीकों के उपयोग का परिणाम यह रहा कि किसान को मात्र दो महीने में एक एकड़ से लगभग 2 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई। इससे उनकी आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव आया और खेती के प्रति उनका विश्वास और मजबूत हुआ।

ये सिर्फ एक माह में लिए गए किसान हित के निर्णय

- किसानों को ग्रामीण क्षेत्र की कृषि भूमि के भूअर्जन पर बाजार दर का 4 गुना मुआवजा
- सिंचाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क जैसे अधोसंरचना निर्माण तथा विकास के लिए 33 हजार 985 करोड़ रूपये
- इन्दौख-रुदाहेड़ा सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिए 157 करोड़ 14 लाख रूपये की स्वीकृति
- छिन्दवाडा सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना में पुनर्वास के लिए 969 करोड़ रूपये के विशेष पुनर्वास पैकेज की स्वीकृति
- लोक निर्माण अंतर्गत विकास कार्यों के लिए 25,164 करोड़ रूपये की स्वीकृति
- निःशुल्क साइकिल प्रदाय योजना और शैक्षणिक संस्थानों के उन्नयन के लिए 2,190 करोड़ 44 लाख रूपये की स्वीकृति
- प्रदेश में उन्नत चिकित्सा सेवाओं के लिए 5,479 करोड़ रूपये की स्वीकृति
- शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में परिजन आवास की स्थापना की स्वीकृति
- छठवें राज्य वित्त आयोग के कार्यों के संपादन के लिए 15 पदों के सृजन की स्वीकृति
- मुख्यमंत्री यंग प्रोफेशनल फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए 24 करोड़ रूपये की स्वीकृति

D-16014/26

बढ़ते तापमान की वजह से कई ऐसे बैक्टीरिया, फंगस एक्टिव हो जाते हैं, जो फूड प्वॉइजनिंग की वजह बनते हैं। ऐसे में यह जानना बहुत जरूरी है कि इसके होने के क्या कारण हैं, इसके प्रमुख लक्षण क्या हैं और इससे बचने के क्या उपाय हो सकते हैं।

इस सीजन में बढ़ता है फूड प्वॉइजनिंग का रिस्क

प्रिकॉशन
डॉ. माजिद अलीम

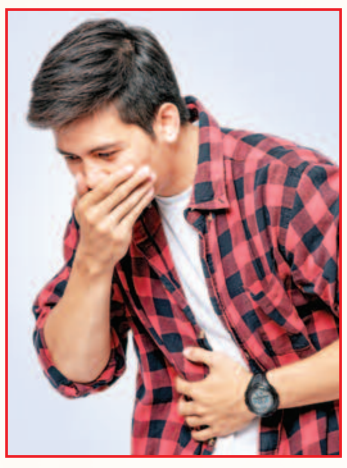

इन दिनों प्रचंड गर्मी पड़ रही है। मौसम के बदलते मिजाज ने अचानक फूड प्वॉइजनिंग की समस्या पिछले सालों के मुकाबले कहीं ज्यादा बढ़ा दी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक इसका कारण यह है कि सुबह तेज धूप होती है, दोपहर में जबर्दस्त उमस और बीच-बीच में अचानक बारिश हो जाती है। जिस कारण खाने-पीने की चीजें जल्दी खराब हो रही हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यह मौसम बैक्टीरिया और वायरस के पनपने का बेहद अनुकूल मौसम है। इसलिए इन गर्मियों में पिछले सालों के मुकाबले कहीं ज्यादा सावधानी से रहने की जरूरत है।

रोग के कारण: लोग अकसर सोचते हैं कि फूड प्वॉइजनिंग बाहर के खाने से होती है। सच यह है कि गर्मियों में घर का खाना भी जरा सी लापरवाही से संक्रमित हो जाता है। खासकर दूध, दही, कटे फल, चावल, मांसाहारी भोजन आदि। सड़क किनारे बिकने वाले खाद्य पदार्थ भी इस मौसम में बहुत जल्दी खराब होते हैं। वास्तव में गर्मी और नमी का मेल बैक्टीरिया के लिए आदर्श वातावरण तैयार करता है। ऐसे में यदि भोजन लंबे समय तक खुले में रखा रहा, तो उसमें संक्रमण होने की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। इस मौसम में सबसे ज्यादा खतरा उन खाद्य पदार्थों को लेकर होता है, जो लंबे समय तक बाहर रखे रहते हैं, बार-बार गर्म किए जाते हैं, बाहर खुले में बिक रहे होते हैं और गंदे पानी से बनाए गए होते हैं। इन दिनों सड़क किनारे मिलने वाले चाट, कटे फल, ठंडे पेय में इस्तेमाल पानी आमतौर पर सही नहीं होता। इस कारण ये संक्रमण का स्रोत बन जाते हैं।

फूड प्वॉइजनिंग के लक्षण: जब भोजन या पानी में वायरस, फंगस या जहरीले पदार्थों से संक्रमित हो जाता है, तो उसके खाने के बाद कोई व्यक्ति बीमार पड़ जाता है, इसे फूड प्वॉइजनिंग कहते हैं। इसके सामान्य लक्षण हैं- उल्टी और मितली, दस्त, पेट दर्द और ऐंठन, बुखार, कमजोरी और चक्कर। कुछ मामलों में स्थिति इतनी बिगड़ जाती है कि मरीज को अस्पताल में भर्ती करना पड़ता है। फूड प्वॉइजनिंग यूं तो हर उम्र के लोगों को हो सकती है, लेकिन बच्चों और बुजुर्गों के लिए ये बहुत खतरनाक होती है।

सावधानी है जरूरी: फूड प्वॉइजनिंग केवल पेट खराब तक सीमित नहीं रहता बल्कि डिहाइड्रेशन, कमजोरी, ब्लड प्रेशर लो, किडनी पर असर, जैसी स्थितियां भी पैदा करता है। फूड प्वॉइजनिंग के चलते अगर मरीज को बार-बार उल्टी, दस्त हो रहे हों, मुंह सूख रहा हो या पेशाब कम आ रही हो, तो साफ संकेत है कि शरीर में पानी की खतरनाक कमी हो गई है। ऐसे में तुरंत ओआरएस, नीबू पानी, नारियल पानी और हल्का तरल भोजन दिया जाना चाहिए। लेकिन डॉक्टर की सलाह के बिना एंटीबायोटिक लेना खतरनाक हो सकता है। क्योंकि कई बार गलत दवा संक्रमण को और ज्यादा बढ़ा देती है। फूड प्वॉइजनिंग होने पर दही-चावल, खिचड़ी और केला जैसे भोजन सुरक्षित रहते हैं। इस दौरान मसालेदार, बाजारू और तले-भुने खाने से पूरी तरह से बचना चाहिए।

बचाव के उपाय: फूड प्वॉइजनिंग से बचने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

- खाना हमेशा ढंककर रखें।
- बाजार से खरीदकर लाई गई सब्जियां और फल पहले अच्छी तरह धोएं, पोछें तब फ्रिज में रखें।
- बासी भोजन बार-बार गर्म कर न खाएं।
- कटे फल देर तक खुले में न रखें।
- खाने से पहले हाथ अच्छी तरह धो लें।
- पीने के लिए साफ, उबला या फिल्टर पानी इस्तेमाल करें।
- उल्टी, दस्त शुरू होते ही शरीर में पानी की कमी न होने दें। *

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. आकाश शाह
यूरो ऑन्कोलॉजिस्ट-रोबोटिक सर्जन
कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

स्पेशल: वर्ल्ड ब्लैडर कैंसर अवेयरनेस मंथ (मई)

मुख्य रूप से स्मोकिंग करने और कई अन्य वजहों से ओल्ड एज में यूरिनरी ब्लैडर कैंसर होने का रिस्क बढ़ जाता है। हर साल लाखों लोग इसकी चपेट में आते हैं। इससे बचने के लिए जरूरी है कि हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने के साथ इसके रिस्क फैक्टर्स से खुद को बचाया जाए। साथ ही ब्लैडर कैंसर के शुरुआती लक्षणों को भी इग्नोर न किया जाए। इस बारे में और भी डिटेल में जानिए।

ब्लैडर कैंसर न करें लक्षणों को इग्नोर

हाल के वर्षों में मूत्राशय कैंसर (ब्लैडर कैंसर या यूरिनरी ब्लैडर कैंसर) के मामले दुनिया भर में बढ़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार यूरिनरी ब्लैडर कैंसर, दुनिया भर में नौवां सबसे आम कैंसर है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 2022 में दुनिया भर में ब्लैडर कैंसर के 6 लाख से अधिक नए मामले सामने आए थे और इनमें से 2 लाख से अधिक मौतें हुईं थीं।

क्या है यह कैंसर

जब मूत्राशय (पेशाब की थैली) की कोशिकाओं के डीएनए में उत्परिवर्तन (म्यूटेशन) होता है, तब वे अनियंत्रित होकर बढ़ने लगती हैं और ट्यूमर बनाती हैं। इस स्थिति को यूरिनरी ब्लैडर का कैंसर कहा जाता है। यूरिनरी ब्लैडर (मूत्राशय या पेशाब की थैली) पेट के निचले हिस्से में स्थित एक लचीला और गुब्बारे के आकार जैसा अंग है। इसका मुख्य कार्य किडनी से आए मूत्र को शरीर से बाहर निकलने से पहले अस्थाई रूप से जमा (स्टोर) करना है। कैंसर आमतौर पर यूरिनरी ब्लैडर की अंदरूनी परत में शुरू होता है। हालांकि कैंसर शब्द डरावना है, लेकिन सच यह है कि अगर जल्दी पता चल जाए, तो ब्लैडर कैंसर का सफलतापूर्वक इलाज किया जा सकता है।

धूम्रपान एक प्रमुख कारण

यूरिनरी ब्लैडर (मूत्राशय या पेशाब की थैली) कैंसर का मुख्य कारण धूम्रपान है, जिसके कारण लगभग 50 प्रतिशत मामले सामने आते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि तंबाकू के हानिकारक रसायन (जिन्हें कार्सिनोजेन कहा जाता है) खून में मिलकर और फिर किडनी द्वारा फिल्टर होकर यूरिन के रास्ते ब्लैडर में जमा हो जाते हैं। यह स्थिति ब्लैडर की परत को नुकसान पहुंचाती है।

अधिकांश लोगों की यह धारणा है, तंबाकू युक्त धूम्रपान से उत्सर्जित होने वाले रसायनों से केवल मुंह या फेफड़े के ही कैंसर होने का जोखिम होता है, जो सही भी है। इस धारणा का दूसरा पहलू भी है। वह यह कि जब हम धूम्रपान करते हैं, तब तंबाकू में मौजूद कैंसर पैदा करने वाले रसायन (कार्सिनोजेन) रक्त में घुल जाते हैं और फिर पेशाब के माध्यम से मूत्राशय में एकत्र हो जाते हैं। इसके परिणामस्वरूप मूत्राशय की परत में जलन और सूजन होती है, जिससे मूत्राशय का कैंसर विकसित होने का जोखिम बढ़ जाता है।

ये भी हो सकते हैं कारण

स्मोकिंग करने के अलावा ब्लैडर कैंसर होने के कुछ अन्य कारण भी हो सकते हैं।

- 55-60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में ब्लैडर कैंसर के मामले कहीं ज्यादा सामने आते हैं। उम्र बढ़ने के साथ इस कैंसर का खतरा बढ़ता है। पुरुषों में महिलाओं की तुलना में ब्लैडर कैंसर होने की संभावना अधिक होती है।
- पेशाब की थैली यूरिनरी ब्लैडर में बार-बार संक्रमण होना भी कैंसर की वजह बन सकता है, जिसे मेडिकल भाषा में यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन कहते हैं।
- औद्योगिक रसायनों का एक्सपोजर यानी केमिकल एक्सपोजर भी कुछ मामलों में ब्लैडर कैंसर का कारण बन सकता है। उदाहरण के तौर पर रबर, चमड़ा, डाई, कपड़ा और पेंट उद्योगों में काम करने वाले लोग ऐसे माहौल में काम करते हैं, जहां नुकसानदेह रसायन मौजूद होते हैं। ऐसे रसायनों के संपर्क में आने से इस कैंसर के होने का खतरा अधिक बढ़ जाता है।
- ब्लैडर में पथरी या संक्रमण भी कैंसर होने का रिस्क बढ़ा सकते हैं।

इन लक्षणों को न करें इग्नोर

ब्लैडर कैंसर बीमारी के ज्यादा फैलने से पहले इसके लक्षणों को पहचानना जरूरी है।

यूरिन म खून आना: यूरिन गुलाबी, लाल या गहरे रंग का दिख सकता है। बहुत से लोग इस लक्षण को नजरअंदाज कर देते हैं। खासकर अगर दर्द न हो, तो यह मानकर कि यह समस्या किसी मामूली इंफेक्शन से संबंधित है। हालांकि यूरिन में खून का एक बार भी आना कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसकी डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए।

बार-बार पेशाब आना: सामान्य से ज्यादा जल्दी-जल्दी वाशरूम जाने की जरूरत पड़ना, जिसे अकसर सिर्फ बहुत ज्यादा पानी पीने के नाम पर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

अचानक पेशाब आने की इच्छा: अचानक से बहुत ज्यादा पेशाब करने की जरूरत, जिसे अकसर ओवर एक्टिव ब्लैडर समझ लिया जाता है।

यूरिन में जलन: पेशाब करते समय दर्द, जिसे अकसर एक आम यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) समझ लिया जाता है।

हालांकि उपरोक्त लक्षण यूरिन से जुड़ी समस्या का संकेत देते हैं और कई मरीजों में आम हैं, ये अपने आप में कैंसर के पक्के संकेत नहीं हैं। इनके लिए मेडिकल जांच की जरूरत होती है।

डायग्नोसिस के तरीके

अगर किसी व्यक्ति को ये लक्षण महसूस होते हैं, तो घबराएं नहीं। इसके लिए यूरो-ऑन्कोलॉजिस्ट शायद एक रुटीन यूरिन टेस्ट (यूरिन साइटोलॉजी), यूरिन कल्चर, अल्ट्रासाउंड और अगर जरूरत हो तो सीटी स्कैन टेस्ट करवा सकते हैं। अगर जरूरी हुआ तो विशेषज्ञ डॉक्टर एक सिस्टोस्कोपी करवा सकते हैं, जो एक ऐसा प्रोसीजर है, जिसमें एक सूक्ष्म कैमरा ब्लैडर में डाला जाता है- जिससे क्लीयर डायग्नोसिस हो जाता है।

ब्लैडर कैंसर का इलाज

ब्लैडर कैंसर के उपचार की प्रक्रिया डायग्नोसिस के बाद उसके स्टेज पर निर्भर करती है। शुरुआती स्टेज के कैंसर का इलाज अकसर एंडोस्कोपिक सर्जरी से किया जा सकता है। एडवांस्ड स्टेज के लिए इलाज में कीमोथेरेपी के साथ-साथ यूरिनरी ब्लैडर के ट्यूमर की सर्जरी भी शामिल हो सकती है।

सर्जरी से पहले ट्यूमर को छोटा करने या बाद में बचे हुए कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए कीमोथेरेपी की जाती है।

यदि सर्जरी संभव नहीं है या कैंसर फैल चुका है, तो कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए रेडिएशन थेरेपी का सहारा लिया जा सकता है। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

बचाव के उपाय

यूरिनरी ब्लैडर कैंसर से बचाव का सबसे जरूरी कदम है अतिशीघ्र धूम्रपान से छुटकारा पाना। शरीर से नुकसानदेह विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने के लिए लगातार हाइड्रेट रहें। अगर आप इंडस्ट्रियल केमिकल्स का इस्तेमाल करते हैं तो वर्कप्लेस प्रोटेक्शन का ध्यान रखें। रेग्युलर हेल्थ चेक-अप बहुत जरूरी हैं, खासकर उन लोगों के लिए जिनमें रिस्क फैक्टर हैं। लक्षणों के सामने आने पर डॉक्टर के पास जाने में देरी न करें।

याद रखें यूरिन में एक बार भी खून आना एक मेडिकल इमरजेंसी है। इसके दोबारा होने का इंतजार न करें। तुरंत किसी यूरो-ऑन्कोलॉजिस्ट से मिलें। किसी भी कैंसर का सफल इलाज करने का तरीका है कि उसका जल्दी पता चल जाए और ट्रीटमेंट शुरू कर दिया जाए।

अवेयरनेस
डॉ. मोहसिन वली
सीनियर फिजिशियन
सर गंगा राम अस्पताल, दिल्ली

कोरोना वायरस संक्रमण की महामारी के लगभग पांच साल बाद हंता वायरस संक्रमण से जुड़ी एक खबर ने दुनिया को चिंतित कर दिया है। ऐसे में घबराने के बजाय इस वायरस से संबंधित पूरी जानकारी लेना और सावधानी बरतना जरूरी है। इस बारे में डिटेल में जानिए।

बहुत संक्रामक है हंता वायरस

हाल ही में एमवी हॉन्डियस क्रूजशिप पर हंता वायरस के मल्टीकाउंटर आउटब्रेक की खबर सुर्खियों में है, जिसमें कई लोग संक्रमित हुए और कुछ मौतें भी हुईं। इसने पूरी दुनिया की स्वास्थ्य एजेंसियों को अलर्ट कर दिया है। वैज्ञानिकों को शक है कि इसमें हंता वायरस का नया एंडीज स्ट्रेन शामिल हो सकता है, क्योंकि कुछ मामलों में मानव-से-मानव ट्रांसमिशन की संभावना है। डब्ल्यूएचओ, सीडीसी और कई देशों की स्वास्थ्य एजेंसियां इसकी निगरानी कर रही हैं। कई देशों में यात्रियों की ट्रेसिंग और आइसोलेशन प्रक्रिया जारी है।

कैसा है वायरस: हंता वायरस आर्बो वायरस फैमिली की कैटेगरी में आने वाला जूनोटिक वायरस है, जो मूलतः चूहों और रोडेंट्स से इंसानों में फैलता है। लेकिन हंता वायरस का एक वैरिएंट है, एंडीज स्ट्रेन जो ज्यादा खतरनाक है। इसमें संक्रमण चूहों से नहीं, बल्कि चूहों के मल, मूत्र या स्लाइवा से संक्रमित हुए व्यक्ति के करीबी संपर्क में आने पर दूसरे व्यक्ति को भी हो सकता है। इसकी मृत्यु दर लगभग 40 प्रतिशत है। मेडिकल साइंस की मानें तो हंता वायरस खास किस्म के चूहे, डीआर रैट्स में होते है। यानी ये संक्रमित चूहे हंता वायरस कैरियर होते हैं और वायरस उनके शरीर में मल्टीप्लाई होता रहता है। संक्रमित चूहे अपने मल, मूत्र और स्लाइवा के जरिए हंता वायरस को लगातार अपने शरीर से बाहर निकालते रहते हैं। यह मल, मूत्र जमीन या वस्तुओं की सतह पर सूख जाता है। जब कोई व्यक्ति उस जगह की साफ-सफाई करता है। झाड़ू लगाता है, वैक्यूम करता है या झाड़-पोंछ करता है। तो सतह पर सूखे हंता वायरस के छोटे-छोटे कण धूल के साथ हवा में घुल-मिल जाते हैं। उस हवा में सांस लेने पर हंता वायरस के कण अनजाने में उस व्यक्ति के शरीर में पहुंच जाते हैं और कुछ समय बाद व्यक्ति को संक्रमित कर देते हैं। इस प्रक्रिया को एरोसोलाइजेशन कहते हैं।

कैसे फैलता है संक्रमण: एरोसोलाइजेशन प्रक्रिया से। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में रहने पर। खांसने-छींकने के साथ बाहर निकले ड्रॉपलेट के संपर्क में आने पर। खाने-पीने की संक्रमित चीजों के सेवन से। संक्रमित वस्तुओं या सतह के संपर्क में आने और बिना हाथ धोए, गलती से आंख, नाक या मुंह छूने पर। चूहे के मरने के बाद बाहर निकले वायरस के संपर्क में आने पर।

संक्रमण के लक्षण: हंता वायरस का इंक्यूबेशन पीरियड काफी लंबा है। यानी व्यक्ति के शरीर में वायरस पहुंचने के 3-4 सप्ताह बाद संक्रमण के लक्षण दिखाई देते हैं। शुरुआती लक्षण सामान्य फ्लू जैसे होते हैं। बुखार, मांसपेशियों में दर्द, सिर दर्द, थकान, मितली और ठंड लगना। लेकिन समुचित उपचार न मिलने पर मरीज की हालत गंभीर हो जाती है। हंता वायरस फेफड़ों और किडनी पर अटैक करता है।

हंता वायरस पल्मोनरी सिंड्रोम (एचपीएस) में वायरस रेस्पेरेटरी ट्रेक से होता हुआ फेफड़ों की ब्लड वैसल्स पर अटैक करता है। फेफड़ों में पानी भरने लगता है, जिससे सांस लेना बेहद मुश्किल हो जाता है। वेंटिलेटर सपोर्ट न मिलने पर व्यक्ति की मौत हो सकती है। हंता वायरस रीनल सिंड्रोम (एचएफआरएस) में किडनी संक्रमित हो जाती है। मरीज को हेमरेजिक बुखार आता है, किडनी में अचानक ब्लीडिंग होने लगती है, पेशाब में खून आने लगता है। कई बार किडनी फेलियर होने की स्थिति में रोगी की मौत भी हो जाती है।

रहें सतर्क: तेज बुखार, अत्यधिक थकान, घबराहट, सांस लेने में तकलीफ, छाती में भारीपन या चेस्ट कंजंक्शन, सांस लेने में दिक्कत महसूस हो रही हो तो डॉक्टर को जरूर कंसल्ट करें।

कैसे होता है इलाज: फिलहाल इसका कोई विशेष उपचार नहीं है लेकिन समय पर अस्पताल में भर्ती होने से जीवित बचने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इलाज मुख्य रूप से सपोर्टिव केयर पर आधारित है जैसे- ऑक्सीजन सपोर्ट, आईसीयू केयर, हाइड्रेशन, ब्रीदिंग सपोर्ट। मरीज के ब्लड में प्लेटलेट्स कम हो जाते हैं। ऑक्सीजन दिया जाता है, वेंटिलेटर पर रखा जाता है। प्लेटलेट्स ट्रांसफ्यूज किया जाता है।

बचाव है जरूरी: हंता वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए सबसे महत्वपूर्ण है, चूहों से दूरी रखना। चूहों की एंट्री घर में न होने पाए। खाने-पीने का सामान खुला न छोड़ें। एयर-टाइट डिब्बों में पैक करें। फल-सब्जियां पानी में अच्छी तरह धोकर इस्तेमाल करें। कोल्ड ड्रिंक कैन लें। उनके ऊपरी हिस्से को अच्छी तरह धो लें। संभव हो तो गिलास में पिएं। रात के वक्त किचन में बचा हुआ खाना या फिर पालतू जानवरों का खाना बिल्कुल खुला न छोड़ें। कूड़ेदान का ढक्कन कसकर बंद रखें ताकि चूहों के आने की आशंका न हो।

ज्यादा गंदगी या चूहों के मल-मूत्र की संदिग्ध जगह की सफाई के लिए झाड़ू या वैक्यूम क्लीनर के बजाय डिसइंफेक्टेंटयुक्त गीला पोंछा लगाएं। जहां तक हो सके, सफाई के दौरान सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करें जैसे- रबर के दस्ताने, अच्छी क्वालिटी का मास्क पहनें। साफ-सफाई के बाद, खाना बनाने या खाने से पहले, भीड़ भरी जगह से आने के बाद साबुन से हाथ अच्छी तरह धोएं। घर के आस-पास की साफ-सफाई का भी ध्यान रखें। हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं। इम्यूनिटी मजबूत बनाने के लिए रोजाना घर का बना ताजा, पोषक आहार का सेवन करें, हाइड्रेशन का ध्यान रखें, भरपूर नींद (6-7 घंटे) और रेग्युलर एक्सरसाइज (कम से कम 30 मिनट) करें। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

डायग्नोसिस के तरीके

हंता वायरस से संक्रमण होने की आशंका होने पर मरीज का डायग्नोसिस जल्द से जल्द किया जाना जरूरी है। इसके लिए पीसीआर टेस्ट से संक्रमण की पुष्टि की जा सकती है। इसमें रोगी के ब्लड और यूरिन का टेस्ट किया जाता है।

- एमपी बोर्ड परीक्षाओं में सांदीपनि विद्यालयों के 58 विद्यार्थी मेरिट में
- बीते चार वर्ष में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में आया सकारात्मक बदलाव
- 10वीं-12वीं के परीक्षा परिणामों में 20 से 28 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी

शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की अनूठी नजीर बने मध्य प्रदेश के सांदीपनि विद्यालय

वर्ष 2026 में कक्षा 10 की राज्य स्तरीय मेरिट सूची में जहां 41 विद्यार्थी सांदीपनि विद्यालयों से हैं, वहीं कक्षा 12 में विज्ञान, वाणिज्य, कला और कृषि संकायों की मेरिट सूची में 17 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

मध्यप्रदेश में संचालित सांदीपनि विद्यालय शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की अनूठी नजीर पेश कर रहे हैं। एमपी बोर्ड के हाल ही जारी 10वीं-12वीं के परीक्षा परिणामों में सांदीपनि विद्यालयों के 58 विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय मेरिट में स्थान पाने में सफलता हासिल की है। इतना ही नहीं, एमपी बोर्ड की इन परीक्षाओं में सांदीपनि विद्यालयों के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम साल दर साल बेहतर हो रहा है। विगत चार वर्षों में सांदीपनि विद्यालयों ने 10वीं-12वीं के परीक्षा परिणामों में 20 से 28 प्रतिशत तक का सुधार दर्ज कराया है। वर्ष 2026 में कक्षा 10 की राज्य स्तरीय मेरिट सूची में जहां 41 विद्यार्थी सांदीपनि विद्यालयों से हैं, वहीं कक्षा 12 में विज्ञान, वाणिज्य, कला और कृषि संकायों की मेरिट सूची में 17 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

10वीं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या 20 प्रतिशत बढ़ी

वर्ष 2023 से संचालित इन सांदीपनि विद्यालयों के वर्ष 2026 तक के परीक्षा परिणामों में वर्ष दर वर्ष प्रगति हो रही है। वर्ष 2023 में एमपी बोर्ड की कक्षा 10वीं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत 68 था, जो वर्ष 2026 में बढ़कर 88 प्रतिशत तक पहुंच गया। वहीं 10वीं कक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत भी 46 से बढ़कर 75 प्रतिशत से अधिक हो गया है।

12वीं का परीक्षा परिणाम 28 प्रतिशत तक सुधरा

कक्षा 12वीं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत वर्ष 2023 के 59 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2026 में बढ़कर 87 प्रतिशत से अधिक हो गया। वहीं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत 42 से बढ़कर 75 प्रतिशत तक हो गया।

सांदीपनि के प्रयास उत्कृष्ट परिणाम देने पर केंद्रित

इन उपलब्धियों के पीछे सांदीपनि विद्यालयों में सुदृढ़ शैक्षणिक वातावरण, नियमित एवं प्रभावी मॉनिटरिंग, शिक्षक-छात्रों के बीच बेहतर संवाद तथा परिणाम आधारित रणनीतियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रथम श्रेणी में विद्यार्थियों के उत्तीर्ण होने के प्रतिशत में निरंतर वृद्धि इस बात का संकेत है कि अब प्रयास केवल परीक्षा पास करने तक सीमित न रहकर उत्कृष्ट परिणाम देने पर केंद्रित हो रहे हैं। इन प्रयासों ने शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, प्रतिस्पर्धा की भावना तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रेरणा भी विकसित की है।

परिणामोन्मुख और छात्र-केंद्रित शिक्षा का प्रेरणादायक मॉडलः सांदीपनि विद्यालयों में प्रवेश के लिए किसी प्रकार की मेरिट या चयन परीक्षा की अनिवार्यता नहीं होती है। इन विद्यालयों में स्थानीय या आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। इन विद्यालयों के कारण सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े तबके के विद्यार्थियों को भी शिक्षा के आदर्श और आधुनिक वातावरण में अध्ययन करने का अवसर मिलता है। ऐसे में सांदीपनि विद्यालय आज गुणवत्तापूर्ण, परिणामोन्मुख और छात्र-केंद्रित शिक्षा का एक सशक्त और प्रेरणादायक मॉडल बनकर उभर रहे हैं।

प्रदेश के 260 सांदीपनि विद्यालयों में 950 स्कूल लीडर्स के अनुकरणीय प्रयासों को सराहना

मुख्यमंत्री की पहल पर शिक्षा का बेहतर जरिया बने प्रदेश के सांदीपनि विद्यालय

प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित सांदीपनि विद्यालय शिक्षण नेतृत्व और शैक्षिक वातावरण में गुणवत्ता के नये मानक प्रस्तुत कर रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये इन विद्यालयों में शिक्षकों को उनके नवाचारी प्रयासों के लिये राज्य स्तरीय पहचान प्रदान करने तथा उनके प्रोत्साहन के लिये प्रेरक प्रयास कार्यक्रम की अभिनव पहल प्रारंभ की गई है। इस पहल से विद्यालयों के स्कूल लीडर्स और शिक्षकों द्वारा किये जा रहे अनुकरणीय एवं प्रभावी कार्यों को हर सप्ताह राज्य स्तर से सभी विद्यालयों में विस्तारित किया किया गया है।

प्रेरक प्रयास कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सांदीपनि विद्यालय स्तर पर हो रहे हर सकारात्मक प्रयास, चाहे वह छोटा हो या बड़ा उनकी समय पर पहचान हो और सबके सामने लाया जा रहा है। इस प्रयास से सीखने और सिखाने की परंपरा को बढ़ावा मिल रहा है। इस कार्यक्रम में हर सप्ताह विद्यालयों में नेतृत्व, शिक्षण पद्धति, विद्यार्थी की उपस्थिति एवं प्रगति, नवाचार को पहचान कर चयन किया जाता है, जिन्हें तीन श्रेणियों में आरंभकर्ता, प्रयासकर्ता, सर्वोत्तम गुणवत्ता के रूप में बांटा जाता है। उन्हें विद्यालय स्तर पर सम्मानित कर राज्य स्तर पर बढ़ावा देने के लिये बहुरंगीय पोस्टर के माध्यम से सभी शिक्षकों के बीच साझा किया जाता है। प्रदेश में 260 सांदीपनि विद्यालयों में 950 से अधिक शिक्षकों के अनुकरणीय प्रयासों को राज्य स्तर पर पहचान दिलायी गई है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने विद्यांजलि पोर्टल की शुरूआत की है। इस पोर्टल के माध्यम से स्कूल शिक्षा को सामुदायिक भागीदारी से मजबूत करने के प्रयास किये जा रहे हैं। नई शिक्षा नीति-2020 में स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में सहभागिता को प्रोत्साहित करने के बिन्दु को मुख्य रूप से जोड़ा गया है। विद्यांजलि एक ऐसा मंच है, जहाँ विभिन्न पृष्ठभूमि से जुड़े हैं।

अत्याधुनिक शिक्षा का केंद्र बना मनासा सांदिपनि विद्यालय

विद्यालय में भौतिक विज्ञान रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान की लेब सर्व संसाधनों से युक्त है जिसका लाभ विद्यार्थी ले रहे है और अपने कौशल विकास मे प्रमुख परफॉर्मेंस प्रदर्शित कर रहे हैं। केमिस्ट्री लैबः नवीनतम उपकरणों के साथ रासायनिक प्रयोग की सुविधा है। फिजिक्स लैब से सिद्धांतों को व्यवहार में समझने का अवसर उपलब्ध हो रहा है। बायोलॉजी लैब जीवन विज्ञान से जुड़े प्रयोगों और अध्ययन के लिए संसाधन उपलब्ध है। आईटी विषय में विद्यालय में 172 विद्यार्थी नामांकित है विद्यार्थी सूचना प्रौद्योगिकी लैब के माध्यम से कौशल विकास पर कार्य कर रहे हैं नेटवर्किंग एनालिसिस प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग प्रोग्राम तकनीकी ज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगों के लिए विशेष लैब की सुविधा भी इस विद्यालय मे उपलब्ध है। इस विषय मे वर्तमान में 139 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विद्यार्थियों को सर्किट प्रोटेक्शन, पीसीबी डिजाइनिंग, रोबोटिक तकनीक, एम्बेडेड सिस्टम, माइक्रोप्रोसेसिंग एवं माइक्रोकंट्रोलिंग, और आधुनिक विकासात्मक प्रोजेक्ट्स पर कार्य करने की जानकारी दी जा रही है।

नवाचार भी कर रहे हैं विद्यार्थी

विद्यालय में जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान हेतु संसद लैब स्थापित की गई है। यहाँ विद्यार्थी विभिन्न विषयों पर तकनीकी अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। विद्यार्थी स्वयं प्रयोग कर रहे हैं और विज्ञान की गहराई को समझते हुए अपने कौशल को विकसित कर रहे हैं। जिले में 9 विद्यार्थियों का चयन। विशेष मॉडल प्रस्तुतिः होनहार विद्यार्थी लकी राज ने स्वचालित कपड़ा संरक्षण प्रणाली तैयार की। डिजिटल और इंटरएक्टिव शिक्षा के माध्यम से पढ़ाई को रोचक और प्रभावी बनाया गया है। पुस्तकालय है जिसमें 100 बच्चों की बैठक व्यवस्था है। पाठ्यपुस्तकों के साथ-साथ सामान्य ज्ञान, प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रेरणादायक साहित्य और ज्ञानवर्धक पुस्तकें उपलब्ध हैं। संदीपनी विद्यालय में दो छात्रावास संचालित है। दूरदराज के विद्यार्थियों के लिए 100 सीटर बालिका हॉस्टल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विद्यार्थियों को टिप्स

- विद्यार्थी समय का पूर्ण सद्उपयोग करें।
- विद्यार्थी खूब पढ़े भी और खेलें भी।
- विद्यार्थी मित्रता का भी सम्मान करें। श्रीकृष्ण और सुदामा की मैत्री से सीखें।
- विद्यार्थी शासन द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं का लाभ लें।
- सभी विद्यार्थी अपनी बहुमुंखी प्रतिभा से राष्ट्र और प्रदेश का नाम रोशन करें।

विषय विशेषज्ञ अनुभवी शिक्षक

विद्यालय में सभी विषयों के लिए विषय विशेषज्ञ और अनुभवी शिक्षक हैं, जिनकी कुल संख्या 56 है। प्रत्येक विषय में बच्चों को स्मार्ट बोर्ड, ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी और प्रयोगशालाओं के माध्यम से आधुनिक शिक्षा दी जाती है जिसमें संगीत एवं खेलकूद एवं व्यायाम शिक्षकों द्वारा भी विद्यार्थियों को दक्षता प्रदान की जा रही है गुणात्मक एवं मात्रात्मक दृष्टिकोण से परीक्षा परिणाम श्रेष्ठतम आ रहे हैं।

विद्यार्थियों को प्रदेश में दी जा रही सुविधाएं

- कक्षा-एक से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए 5 करोड़ 60 लाख पुस्तकें निःशुल्क दी गई
- एक करोड़ से अधिक फाउंडेशन टिरेसी एण्ड न्यूमरेसी अभ्यास पुस्तिकाएं
- 26 लाख से अधिक ब्रिज कोर्स की पुस्तकें प्रदान की गई
- सुपर-100 के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क कोचिंग
- डॉक्टर, इंजीनियर और अन्य पदों पर जाने का सपना देखने वाले विद्यार्थियों की मदद
- प्रदेश के विद्यार्थियों ने जेईई मेन्स और नीट में अच्छा प्रदर्शन
- गत वर्ष 4.75 लाख ऐसे विद्यार्थियों को साईकिल की सुविधा दी गई
- गत वर्ष विद्यार्थियों को 7 हजार 832 ई-स्कूटी प्रदान की गईं
- कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान किए

शिक्षा में मप्र की वैश्विक पहचान

मध्य प्रदेश के दो सांदीपनि विद्यालय इंदौर और रतलाम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विद्यालयों की सूची में चुने गए हैं।

अवसंरचना विकास : हाल ही में राज्य के 97 सांदीपनि विद्यालयों को सर्वसुविधायुक्त नवनिर्मित भवनों में स्थानांतरित (शिफ्ट) किया गया है।

स्कूलों का विलय : एक से तीन किलोमीटर के दायरे में आने वाले कम छात्र संख्या वाले लगभग 300 सामान्य सरकारी स्कूलों को इन सांदीपनि विद्यालयों में मर्ज (विलय) किया है।

उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम : वर्ष 2026 के एमपी बोर्ड परीक्षा परिणामों में सांदीपनि विद्यालयों के 58 छात्रों ने राज्य स्तरीय मेरिट सूची में जगह बनाई है।

सहायिकाओं की भर्ती : प्राथमिक स्तर की शिक्षा को मजबूत करने के लिए राज्य के 104 सांदीपनि स्कूलों में 306 प्री-प्राइमरी महिला सहायिकाओं की भर्ती की गई है।

प्रातः उठने से लेकर सोने तक अनुशासन का बेहतर पाठ पढ़ाता है विद्यालय

अनुशासन का पाठ भी विद्यालय में

- सुबह उठने के बाद माता-पिता के चरण स्पर्श करना
- भोजन के बाद थाली को यथावत रखना
- कतारबध्द होकर विद्यालय की बस में बैठना

राज्य में अनुशासन और बेहतर शिक्षण शोध ने सांदीपनि विद्यालय को बनाया उत्कृष्ट उदाहरण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मध्यप्रदेश में सांदीपनि विद्यालयों की उत्कृष्ट और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर परिणाम परिलक्षित हो रहे हैं। उन्होंने यह निर्णय भगवान श्रीकृष्ण के गुरू आचार्य सांदीपनि के सम्मान में लिया है। उच्च गुणवत्ता शिक्षा, अनुशासन और बेहतर शिक्षण शोध के संगम से सांदीपनि विद्यालय एक उत्कृष्ट उदाहरण बन गए हैं। नीमच जिले के उपखण्ड मुख्यालय मनासा का सांदीपनि विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। यहाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध है, जिससे यह विद्यालय क्षेत्र में एक आदर्श शैक्षणिक संस्थान के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। इस विद्यालय ने शिक्षा के साथ ही अनुशासन संस्कार और आधुनिक तकनीकी शिक्षण में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ हासिल की है।

घर से विद्यालय तक के नवाचार सभी कक्षाओं के लिए सुबह उठने के बाद माता-पिता के चरण स्पर्श करने, विद्यालय आते समय दादा-दादी, नाना-नानी या जो भी बड़े हों, उनका आशीर्वाद लेने जैसे संस्कार विद्यालय को अनूठा बना रहे हैं। बस के लिए अनुशासन में खड़े रहने, बस में अनुशासन से चढ़ने व बैठने, विद्यालय पहुंचते ही पंक्तिबद्ध होकर उतरने,विद्यालय की दहलीज को नमन करने, गुरुजनों को नमन करने, मां सरस्वती को नमन करना, अपने पगवेश (जूते) पंक्तिबद्ध तरीके से रखने, प्रार्थना सभा के लिए पंक्तिबद्ध होकर आने, कॉरिडोर में हमेशा हाथ बांधकर चलने, प्रार्थना सभा में सक्रिय सहभागिता करने, प्रार्थना सभा समाप्त होने पर मौन होकर कक्षा में जाने जैसे अनुशासन ने इस विद्यालय को उच्च संस्कार से सुशोभित किया है। कक्षा के प्रवेश द्वार पर कक्षा अध्यापक का आशीर्वाद एवं अनुमति लेकर प्रवेश करने, विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए कक्षा के नियमों का पालन करने, कक्षा की शुरुआत संस्कारों की बातों से करने,सभी विषयों का गहन अध्ययन करने, भोजन से पहले हाथ धोने, भोजन प्रार्थना एक स्वर में बोलने, थाली में झूठा भोजन न छोड़ने और न नीचे गिराने,एक साथ भोजन करने और भोजन के बाद अपनी थाली उठाने, छुट्टी समय पंक्तिबद्ध होकर कक्षा से बाहर आने,कक्षा की लाइट व पंखे बंद करने, रूट नंबर के अनुसार लाइन बनाने एवं अनुशासन से बस में बैठने सम्बधी नवाचार किए जा रहे है। कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में प्रदेश मेरिट सूची में आने पर विद्यार्थी के नाम से कक्षा का नामकरण किया जा रहा है।

विद्यालय आते समय दादा-दादी, नाना-नानी या जो भी बड़े हों उन्हें प्रणाम करना

सर्वसुविधायुक्त विद्यालय

विद्यालय में चार मंजिला भव्य इमारत निर्मित है। भवन सर्वसुविधा युक्त एवं आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप है। संपूर्ण विद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। सभी गतिविधियों पर सुरक्षा गार्ड एवं कैमरों की निगरानी रहती है। विद्यार्थियों के लिए बड़ा खेल मैदान उपलब्ध है। विद्यालय परिसर में बगीचा एवं बाल-बगीचा बच्चों के मनोरंजन व विकास हेतु बनाया गया है। विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था है। साफ-सुथरे सुविधा घर उपलब्ध हैं। पूरा विद्यालय भवन वातावरणानुकूल बनाया गया है जिससे विद्यार्थियों को स्वस्थ व सुखद वातावरण मिल रहा है। प्रत्येक कक्षा में विद्यार्थियों के लिए सुंदर व आरामदायक फर्नीचर उपलब्ध है। शासन द्वारा सांदीपनि विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन की व्यवस्था की गई है। 17 बसों से 1220 विद्यार्थी दूरस्थ क्षेत्रों से आसानी से विद्यालय पहुँच रहे हैं। यह सुविधा पूर्णतः निशुल्क है और सभी बसों में ड्राइवर पुरुष है और कंडक्टर महिलाएं हैं।

एक दिन का प्राचार्य

विद्यालय में कक्षा 8वीं, 10वीं एवं 12वीं अर्द्धवार्षिक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त तीन विद्यार्थियों को एक दिन का प्राचार्य बनाया जाता है। ऑनलाइन टेस्ट-सीरीज के माध्यम से विषय सामग्री को सरल और रोचक बनाया गया है। जिससे विद्यार्थी बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकें। विद्यालय की प्रत्येक गतिविधि में विचारशील व कर्मशील व्यक्तियों का सम्मान किया जाता है, ताकि विद्यार्थियों को प्रेरणा मिल सके। उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों को एक दिवस का प्राचार्य बनाया जाता है, जिससे उनमें नेतृत्व व प्रबंधन कौशल का विकास हो सके।

D-16014/26

NAGAR PANCHAYAT KUNKURI, DIST - JASHPUR, C.G.
E-Procurement Tender Notice (1ST Call)

NIT NO: 182/2026 KUNKURI, Dated 19.05.2026

Online bids in three envelop system are invited for the following construction works/supply works up to date 11.06.2026 at 17.30 Hours.

System tender No.	Description	P. A.C
191327	Zonal Work (मरम्मत संधारण, निकाय मद, क्षतिपूर्ति एवं अन्य मद अंतर्गत रु. 1.50 लाख तक के छोटे छोटे निर्माण/मरम्मत कार्य) (CGPWD BUILDING SOR 2026, ELECTRICAL SOR 2020, ROAD/ BRIDGE SOR 2025, PHE SOR 2020) at ward number 01-15 KUNKURI	25.00 LACS
191329	Zonal Work (अध्यक्ष, पार्षद निधि एवं अन्य मद अंतर्गत रु. 1.50 लाख तक के छोटे छोटे निर्माण/मरम्मत कार्य) (CGPWD BUILDING SOR 2026, ELECTRICAL SOR 2020 ROAD/ BRIDGE SOR 2025, PHE SOR 2020) at ward number 01-15 KUNKURI	25.00 LACS

The details can be downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal ***http://eproc.cgstate.gov.in*** From 20.05.2026 at 10:30 Hours. (IST) onwards.

For more details on the tender and bidding process please visit the above mentioned portal.

CHIEF MUNICIPAL OFFICER
NAGAR PANCHAYAT KUNKURI

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH,
WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
WATER RESOURCES DIVISION KUNKURI DISTT. JASHPUR (C.G.)

TENDER CANCELLATION ORDER

Oreder No 611/SAC/2026-27/Kunkuri Dated 19/05/2026

This divisional office published a tender notice No. 04/SAC/2025-26 dated 09-01-2026 (First Call) Tender System No. 183610 (G-252605980) for Repair of Canal and Lining Work of Lower Dodaki Diversion Scheme. amounting to Rs. 984.51 lakh in which the tender is cancelled due to omission of technical provisions.

ENC:- Nil

Executive Engineer
Water Resources Division, Kunkuri (C.G.)
For, Chief Engineer, Hasdeo Ganga Basin
Water Resources Depatment Ambikapur (C.G.)

G-262700869/4

स्ट्रैपलेस ब्लैक मिनी ड्रेस में ढाया कहर

मुंबई। इस साल 12 मई से शुरू हुआ कान फिल्म फेस्टिवल अब अपने समापन की तरफ है। यह फेस्टिवल 23 मई तक चलेगा। आलिया भट्ट से हुमा कुरैशी तक, कई भारतीय एक्ट्रेस ने इस प्रतिष्ठित फिल्म समारोह में अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज कराई है। कई बॉलीवुड एक्ट्रेसेस के बाद जैकलीन फर्नांडीज भी कान फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की है। पिछले साल भी वह इस इवेंट में शामिल हुईं।

इस बार कान फेस्टिवल में उनका लुक सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। जैकलीन फर्नांडिज ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कान फिल्म फेस्टिवल से अपनी कई ग्लैमरस तस्वीरें साझा की हैं। अलग-अलग दिलकश पोज देते हुए जैकलीन ने फोटो क्लिक करवाई हैं। जैकलीन ने स्ट्रैपलेस ब्लैक मिनी ड्रेस इस इवेंट के लिए पहनी है। इस हॉट ड्रेस में एक्ट्रेस को देखकर फैंस उन पर फिदा हो गए हैं। अपने इस लुक को और भी स्टनिंग बनाने के लिए जैकलीन ने स्माई आई मेकअप किया है। न्यूट्रल शेड की लिपस्टिक लगाई है। जैकलीन ने हेयरस्टाइल ना बनाकर बालों को खुला रखा है और ड्रेस के साथ डायमंड नेकलेस और मैचिंग डायमंड ब्रेसलेट पहना है। जैकलीन की दिलकश तस्वीरों को फैंस के अलावा दिशा पाटनी, सोनम बाजवा और अनुष्का दांडेकर जैसी एक्ट्रेस ने भी लाइक किया है। जैकलीन फर्नांडीज के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह पिछले साल फिल्म 'फतेह' में नजर आईं। हाल ही में वह फिल्म 'हाउसफुल 5' में दिखीं। जल्द ही वह फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में भी अक्षय कुमार के साथ एक्टिंग करेंगी। इस फिल्म में दिशा पाटनी भी नजर आएंगी। फिलहाल, अभिनेत्री अदिति राव हैदरी कान फिल्म फेस्टिवल में अपने खूबसूरत अंदाज से खूब वाहवाही लूट रही हैं।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा.)
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि मनेन्द्रगढ वनमण्डल के अधीनस्थ काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ में उपलब्ध नये एवं पुराने ईमारती काष्ठ / जलाऊ काष्ठ का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है, इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्सन में अवश्य भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ से प्राप्त कर सकते है।

डिपो का नाम - काष्ठागार मनेन्द्रगढ
नीलाम दिनांक - 25-05-2026
नीलाम समय - प्रातः 09:00 बजे से प्रारम्भ

क्र.	प्रजाति	नये काष्ठ		पुराने काष्ठ	
		लट्ठा घ.मी.	बल्ली नग	लट्ठा घ.मी.	बल्ली नग
1	सागौन	8.614	184	5.784	81
2	साल	380.400	0	1174.260	916
3	साजा	10.358	0	18.398	0
4	धावड़ा	11.452	0	8.603	90
5	हल्दू	0	0	1.655	3
6	सतकठा	20.300	0	1.846	170
7	खैर	0	0	3.223	0
	योग -	**431.124**	**184**	**1213.769**	**1260**

जलाऊ काष्ठ

क्र.	विवरण	नया लॉट	पुराना लॉट
1	जलाऊ मिश्रित	100 चट्टा	256 चट्टा
	योग :-	**100 चट्टा**	**256 चट्टा**

टीप :-
1. क्रेता को ई-ऑक्सन के पूर्व MSTC E-commerce पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है, सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर 15 प्रतिशत E.M.D. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी एवं फोटो MSTC E-commerce पोर्टल में अपने आई.डी से लॉगईन करके देख सकते है।

वनमण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़

G- 262700856/3

कार्यालय कलेक्टर (भू-अर्जन शाखा), जिला- कबीरधाम (छ.ग.)

// सार्वजनिक सूचना //

क्रमांक 1018 / भू-अर्जन / 2026 कबीरधाम, दिनांक 18/05/2026

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति, 2016 के तहत - सुतियापाट जलाशय के बांयी तट नहर विस्तारीकरण के अंतर्गत नहर निर्माण कार्य ग्राम- बाजगुड़ा, प.ह.न. 19, रा.नि.मि.- बीरेन्द्र नगर, तहसील- स./ लोहारा, जिला- कबीरधाम (छ.ग.) के निम्नलिखित भू-धारकों की भूमि की आवश्यकता होने के कारण कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, कवर्धा के पक्ष में क्रय किए जाने पर विचार किया जा सकता है :-

क्र.	प्रस्तावित भू-धारक का नाम /जाति	भूमि का प्रकार	खसरा नं.	कुल रकबा (हे.में)	अर्जित रकबा (हे.में)
1	गोविंद पिता टेकराम मंगेश पिता जम्मू कुर्मी	असिंचित	167/5	0.425	0.186
2	रोहित पिता गौतरिहा कुर्मी	सिंचित सिंचित	176/2 177/5	2.315 1.762	0.260 0.132
	योग		**2**	**4.077**	**0.392**
3	कमलेश, नरसिंग, मिनी, रोहनीबाई पिता रामाधीन, बुधकी बाई पति डोमरा गोड़	असिंचित	175/8	0.112	0.088
4	सुखचैन पिता डोमरा गोंड	असिंचित	175/7	0.117	0.044
5	ईश्वरी पिता गौतरिहा कुर्मी	सिंचित सिंचित	176/1 177/1	1.619 1.755	0.092 0.142
	योग		**2**	**3.374**	**0.234**
6	दिनेश पिता धनुषलाल कुर्मी	असिंचित	177/4	1.056	0.122
7	रूपेन्द्र पिता धनुषलाल कुर्मी	असिंचित	177/2	4.047	0.188
	योग		**2**	**5.108**	**0.338**
8	दुलारी पति धनुषलाल कुर्मी	असिंचित	180	3.161	0.180
	कुल योग		**10**	**16.369**	**1.434**

उपरोक्त दर्शित भूमि के स्वत्व के विषय में किसी को कोई आपत्ति हो तो यह समाचार-पत्र में प्रकाशन तिथि से 15 (पन्द्रह) दिवस के भीतर स्वतः अथवा अधिकृत अभिकर्ता के माध्यम से आधार सहित मेरे समक्ष लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

कलेक्टर
जिला- कबीरधाम (छ.ग.)

G- 252600850/1

ऑफ कैंपस की एक्ट्रेस मिका ने दिलाई महिमा की याद...

मुंबई। प्राइम वीडियो पर आई नई सीरीज 'ऑफ कैंपस' इन दिनों सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा में बना हुआ है। 13 मई को रिलीज हुई इस सीरीज को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। शो की लव स्टोरी और लीड एक्टर्स की केमिस्ट्री के अलावा एक और चीज ने फैंस का ध्यान खींच लिया है, और वो हैं एल्ली हेज का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस मिका अब्दल्ला। सोशल मीडिया पर कई लोग मान रहे हैं कि मिका की शक्ल बॉलीवुड एक्ट्रेस महिमा चौधरी से काफी मिलती-जुलती है। एक इंस्टाग्राम यूजर ने शो का एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'प्लॉट ट्विस्टः महिमा चौधरी की असली बेटी तो 'ऑफ कैंपस' में हैं।' इसके साथ उन्होंने महिमा की पुरानी तस्वीरें भी शेयर कीं। इस पोस्ट के बाद फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने लिखा, 'मुझे भी बिल्कुल यही लगा, वो महिमा चौधरी की कॉपी लगती हैं।' वहीं, दूसरे ने कहा, 'उसका साइड लुक बिल्कुल महिमा जैसा है।' एक और फैन ने मजाकिया अंदाज में लिखा, 'अगर हैना मॉन्टेना और महिमा चौधरी का बच्चा होता, तो शायद ऐसा दिखता।' कई लोगों ने तो उन्हें फिल्म परदेस वाली महिमा चौधरी का डुप्लीकेट तक बता दिया। बता दें कि मिका अब्दल्ला एक मशहूर अमेरिकी एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने नेटफ्लिक्स की सीरीज 'प्रोजेक्ट एमसी 2 से पहचान बनाई थी। इसके अलावा वह 'एसडब्ल्यूएटी, द फ्लैश और सूट्स एलए जैसे शोज में भी नजर आ चुकी हैं। वहीं, महिमा चौधरी ने 90 के दशक में परदेस से बॉलीवुड में धमाकेदार शुरुआत की थी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, अटल नगर

बिजली बंद की सूचना

समस्त सम्मानीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि आरंग उपसंभाग के अंतर्गत आने वाले 132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र गुल्लू में नया निर्माण कार्य प्रस्तावित है। नीचे दिये गये दिनांक को सुबह 11.00 बजे से दोपहर 04.00 बजे तक विद्युत प्रवाह बंद रहेगा, जिसके कारण उपकेन्द्र के दर्शित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी। आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

क्र.	दिनांक	दिन	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
01	21.05.2026	गुरूवार	33 के.व्ही. गुल्लू देवरी फीडर	आरंग उच्चदाब एवं समोदा 33 केव्ही ।

"विद्युत संबंधित शिकायतें केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर के फोन नं. 1912 पर दर्ज कराऐं ।"

असुविधा के लिए खेद है
"विद्युत चोरी एक दण्डनीय अपराध हैं कृपया इससे बचे"
"स्वहित एवं राष्ट्र हित में उर्जा बचाइए"

(शशांक श्रीवास्तव)
कर्म. संख्या 4401195
कार्यपालन यंत्री (संचा. / संधा.) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लि., अटल नगर नवा रायपुर

S-47886/1

कार्यालय आयुक्त,
आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास

इन्द्रावती भवन, ब्लाक-डी (भू-तल) अटल नगर, जिला रायपुर (छ.ग.)
Tel-2263708, 2262558 Fax - 2262558
Email Id - pmscstobc@gmail.com

क्रमांक/ File No.:349308 GENS-11 /5123/2026 / 1365
नवा रायपुर, दिनांक 19/05/2026

संक्षिप्त विज्ञप्ति

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) अंतर्गत वर्ष 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु परीक्षा आयोजन के संबंध में।

उपरोक्त विषयान्तर्गत मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) अंतर्गत अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना, नई सोच के साथ बेहतर करियर चयन का अवसर प्रदान करते हुये प्रतिस्पर्धी बनाना तथा बहुमुखी व्यक्तित्व विकास के लिये अवसर प्रदान करना है। इस योजना अंतर्गत विद्यार्थी को कक्षा 6वीं से 12वीं तक छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित इम्पैन्ल्ड उत्कृष्ट आवासीय विद्यालय में अध्ययन की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। योजना अंतर्गत कक्षा 6वीं में प्राक्चयन परीक्षा के माध्यम से प्रवेश हेतु आवेदन पत्र अध्ययनरत शाला में जमा करना होगा।

विद्यार्थी द्वारा आवेदन पत्र शाला में जमा करने की अंतिम तिथि	20.06.2026 (दिन शनिवार)
प्रवेश परीक्षा की तिथि	26.07.2026 (दिन रविवार) दोपहर 12:00 बजे से 2:00 बजे तक

योजना अंतर्गत प्रवेश हेतु परीक्षा आयोजन से संबंधित विस्तृत विवरण विभाग की वेबसाईट www.tribal.cg.gov.in से अवलोकन कर प्राप्त कर सकते है।

उपायुक्त
आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास
अटल नगर, नवा रायपुर, छत्तीसगढ़

G-262700868/1

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment
आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 45, सुपरवाइजर 9 फील्ड अधिकारी 5, कंप्यूटर ऑपरेटर 2 वेतन योग्यतानुसार मेस सुविधा आवास भोजन फ्री **संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 7747000019, 7746000019.**(आरो-015)

ड्रायवर

आवश्यकता है- आशीर्वाद किराया भंडार में पंडाल काम हेतु ड्रायवर की आवश्यकता है। जो गाड़ी लोड- अनलोड कर सके। वेतन 12000/- समय सुबह 9:00 से 8:30 बजे तक **पता- सुहागा मंदिर ब्राहमण पारा रायपुर संपर्क करें- मो. 9826182338.**(आरो-185)

आवश्यकता है- स्कूल बस चलाने हेतु रायपुर कोटा हीरापुर टाटीबंध से ड्राइवरों की आवश्यकता हैं वेतन योग्यतानुसार लायसेंस हवी बैच अनुभवी को प्राथमिकता **जय महामाया ट्रेवल्स मो. 9926510520, 9685545594.**(आरो-184)

ड्रायवर - अनुभवी कार ड्राइवर की न्यूनतम 10वर्ष का अनुभव अनिवार्य समय 9बजे से 8.30 रविवार, 1 बजे से 3 बजे तक इच्छुक उमीदवार तुरन्त सम्पर्क करे **9981812999 केम्प-1 रोड नम्बर 18, सुभाष चौक भिलाई नोट शादीशुदा ही सम्पर्क करे.**(RO-021)

आवश्यकता है- कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। स्वयं **सम्पर्क करे, लक्ष्मी सेल्स, न्यू टिंबर मार्केट पाटीदार भवन के पास फाफाडीह रायपुर** (RO-0109)

आवश्यकता है- तीन चक्का इलेक्ट्रिक माल वाहक ऑटो चलाने हेतु ड्राइवर एवं हेल्पर कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है हेल्पर की रहने की सुविधा उपलब्ध है **पता- अशोक इंटरप्राइजेज आशीर्वाद धर्म कांटा के पास उरला बिरगांव रायपुर मिलने का समय सुबह 09 से 08 - 877067694.**(RO-259)

आवश्यकता है- इंसुलेटेड कंटेनर परिवहन के लिए हमें वैध भारी वाहन लाइसेंस वाले कुशल और अनुभवी चालकों की लंबी दूरी तक वाहन चलाने की क्षमता, साफ ड्राइविंग रिकॉर्ड आकर्षक वेतन, शुरुआती 20000/- माह (अनुभव के आधार पर बातचीत योग्य), आवास और भोजन भत्ता! **संपर्क:- 9669410004, 9754861172.**(RO-022)

ठेकेदार/चौकीदार

आवश्यकता है- मंदिर हसौद बहानाकाड़ी फैक्ट्री में ठेकेदार, चौकीदार की आवश्यकता है। ठेकेदार जो लेबर लगा कर कार्य करवा सके, चौकीदार जो फैक्ट्री में रह कर चौकीदारी कर सके **संपर्क करे-88271-50000.**(RO-186)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता

आवश्यकता है- बिग बास्केट रायपुर में एसोसिएट पद हेतु लडको की आवश्यकता है। मासिक वेतन 13056/- +4000 इंसेन्टीव+ पीएफ+ इ एस आइ सी 9 घंटे शिफ्ट उम्र 35 वर्ष शिक्षा 10वी पास **संपर्क 8319666100 पता शताब्दी नगर/मोवा** (RO-4129)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़की की आवश्यकता है मिलने का समय 11से 5बजे तक , **संपर्कः- ढिल्लन कॉम्प्लेक्स शॉप नं.-231 आकाशगंगा सुपेला भिलाई मो.- 8319119645, 6261510080.**(आरो न - 279)

आवश्यकता है- आफिस कार्य दुर्ग स्थित अधिवक्ता कार्यालय में कार्य करने हेतु लड़की की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार कॉल / **मेसेज 7999847673 समय 12 से 5 तक** (आरो नं.- 276)

पंप कर्मी

आवश्यकता है- मैंसर्स शारदा प्रसाद साव निकट अवंती बाई चौक कोहका भिलाई पेट्रोल पंप में ऑफ़िस कार्य एवं डीजल पेट्रोल डालने हेतु लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है **संपर्क - 7692888808.**(आरो न - 278)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

अन्य

आवश्यकता है- पैन पेंसिल कंपनी में घर बैठे काम करके शिक्षित, बेरोजगार, लड़के-लड़कियां, महिलाऐ - पुरुष पैकिंग करके (22500-64500) महीना कमाऐ, फन्ड+ बोनस- **9217961955. 8527765400.**(RO-061)

Property
प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- विक्रय हेतु नया 2BHK मकान भाठागांव, रायपुर वॉलफोर्ट सिटी के पास 936 वर्गफुट प्लाट पर निर्मित, नया व तुरंत रहने योग्य कीमत 48,00,000/- **संपर्क :- 93000-77897, 8770154998.**(RO-4127)

For Rent
किराया

किराए से देना है- MIG-515, न्यू बोरसी एक्सटेंशन। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, दुर्ग। दो मंजिला मकान, 3कमरे, 2हॉल,1 डाइनिंग रूम, किचन, 3 वॉशरूम, कार पार्किंग। सरकारी अधिकारियों /PSU/बैंक कर्मचारियों को प्राथमिकता **मो.- 7999042196.** (आरो 277)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

परिणीता की वजह से सैफ को मिली है हैवान

नई दिल्ली। सैफ अली खान इन दिनों फिल्म कर्तव्य' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो ओटीटी पर रिलीज हुई है। इसके अलावा उनकी झोली में फिल्म हैवान है, जिसमें वे अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक प्रियदर्शन हैं। अक्सर कहा जाता है कि नींव मजबूत हो तो आगे की इमारत अपने आप मजबूत हो जाती है। यही बात इंसान की परफॉर्मेंस पर भी लागू होती है। शानदार काम ही भविष्य में और काम दिलाने में मददगार होता है। ऐसा ही किस्सा सैफ अली खान से जुड़ा है। अभिनेता को अपनी आगामी फिल्म 'हैवान' अपनी ही एक 20 साल पुरानी फिल्म 'परिणीता' में दमदार परफॉर्मेंस के कारण मिली। सैफ अली खान के मुताबिक, साल 2005 में आई फिल्म 'परिणीता' में उनकी भूमिका और अभिनय ने उन्हें प्रियदर्शन की 'हैवान' दिलाने में मदद की। सैफ ने हाल ही में बताया कि 'परिणीता' (2005) में उनके अभिनय ने प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' में उनके चुने जाने में अहम भूमिका निभाई। इस प्रोजेक्ट पर उन्होंने पिछले साल काम शुरू किया था। ऐसा फिल्म 'परिणीता' के रिलीज होने के करीब दो दशक बाद हुआ। अभिनेता ने इस बात पर विचार किया कि कैसे कुछ खास अभिनय परफॉर्मेंस वर्षों बाद भी नए मौकों को आकार देते रहते हैं।

कार्यालय अधीक्षक,
छत्तीसगढ़ स्टेट गैरेज, रायपुर
काली माता मंदिर के पीछे, आकाशवाणी चौक, रायपुर
फोन नं 0771-4048829

क्रमांक 252 अधी./ स्टे.गै./ 2026 रायपुर, दिनांक 19/05/2026

// निविदा आमंत्रण / /

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अधीक्षक, छत्तीसगढ़ स्टेट गैरेज रायपुर के **अधीन कुल 30 पुरानी अनुपयोगी / निष्प्रयोजित** (टाटा सफारी स्टॉर्म, सूमो, जेस्ट, मांजा, मारुति सियाज, आल्टो, वेन, महिन्द्रा बोलेरो, टोयोटा इटियोज आदि) वाहनों को नीलाम किये जाने हेतु बंद लिफाफा में निविदा आमंत्रित की जाती है। नीलाम किये जाने वाले वाहनों का अवलोकन कार्यालयीन अवधि में छत्तीसगढ़ स्टेट गैरेज रायपुर के कार्यालय में (काली मंदिर के पीछे) जल संसाधन विभाग के परिसर में किया जा सकता है।

निविदा निविदा फार्म, नियम एवं शर्तों की जानकारी 300.00 नकद जमा कर छत्तीसगढ़ स्टेट गैरेज (कार्यालय) जल संसाधन विभाग परिसर, काली मंदिर, आकाशवाणी चौक के पास रायपुर से दिनांक 21.05.2026 से 09.06.2026 तक समय दोपहर 12.00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है। निविदा फार्म दिनांक 09.06.2026 दोपहर 02.00 बजे तक जमा की जावेगी। इसके पश्चात प्राप्त निविदा स्वीकार नहीं किये जायेगें। निविदा उपस्थित निविदाकर्ताओं / प्रतिनिधि के समक्ष **दिनांक 09.06.2026 समय 03.00 बजे खोली जावेगी।** अधीक्षक, छत्तीसगढ़ स्टेट गैरेज रायपुर का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।

अधीक्षक
छत्तीसगढ़ स्टेट गैरेज

G-262700860/3

छत्तीसगढ मेडिकल सर्विसेस कार्पोरेशन
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, व्यवसायिक परिसर, तृतीय तल दक्षिण पूर्व कार्नर, सेक्टर - 27, नवा रायपुर (छ.ग.) - 492015

निविदा सूचना क्र. /1246/सी.जी.एम.एस.सी.लिमि. / उपकरण / 2026-27

छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कार्पोरेशन लिमिटेड नवा रायपुर (छ.ग.) के द्वारा निम्नांकित साम्पात्तिक कन्जुमेबल का क्रय, छत्तीसगढ़ शासन, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 20-70/2004/11/6 दिनांक 26.07.2023 एवं 10.12.2025 के अंतर्गत "छत्तीसगढ़ शासन भण्डार क्रय नियम-2002 (यथा संशोधित 2022) के एकल निविदा में उल्लेखित उपनियम 4.3.1 के तहत उक्त सामग्री को बनाने वाली एकल निर्माता अथवा अधिकृत विक्रेता से सीधे क्रय किया जाना प्रस्तावित हैः-

S.N.	Dau Kalyan Singh Post Graduate Institute & Research Center, Raipur	Name Of Consumable	Specification	Authorized Distributor (Authorized By OEM - PolyNovo Biomaterials India Pvt. Ltd.)
1	Department of Burns & Plastic Surgery	NovoSorb™ BTM (Synthetic Dermal Biodegradable Temporizing Matrix)	Biodegradable Temporizing Dermal Matrix BTM (Synthetic)	M/s R.P. Enterprises Add.- office at Dehra-Pragpur Road, National Highway Road, Nehran Pukhar, District- Kangra, Himachal Pradesh- 177104

उक्त कन्जुमेबल के लिए दावा आपत्ति सूचना पत्र दिनांक 22/05/2026 से 22/06/2026 तक कार्यालय के वेबसाइट **https://www.cgmsc.gov.in** में जारी किये जायेंगे। उक्त पर यदि, किसी को भी आपत्ति है तो, वे दावा आपत्ति सूचना जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के भीतर (समय 05:00 PM बजे तक) दावा आपत्ति सीजीएमएससी लिमिटेड की ई-मेल आई. डी equipment.cgmsc@gov.in में भेज सकते हैं। निर्धारित दिनांक एवं समय के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए निगम के वेबसाइट **https://www.cgmsc.gov.in** का अवलोकन कर सकते हैं।

दिनांकः 19/05/2026

Sd/-
महाप्रबंधक उपकरण
छ.ग. मेडिकल सर्विसेस कार्पो. लिमि.नवा रायपुर

S-47883/2

जैकेट के शेष

ये है मामला...

के लिए सरकार के स्तर पर एक बड़ी बैठक रखी गई थी। इस बैठक में सभी खाद्य अधिकारी, आयल कंपनियों के मार्केटिंग हेड और नोडल अधिकारी शामिल हुए।

जनता का डीजल ....

रुपए तक का बड़ा अंतर आ रहा है। दिलचस्प ये है कि 16 मार्च 2026 तक औद्योगिक डीजल का रेट कम था जो अब काफी बढ़ गया है।

कॉन्स्टेबल प्रमोशन के ....

के पालन नहीं होने का आरोप लगाया गया है। कोरबा जिले के अलग-अलग थानों में पदस्थ आरक्षक लव कुमार पात्रे, भूपेंद्र कुमार पटेल, विक्रम सिंह शांडिल्य समेत कुल 73 पुलिसकर्मियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में राज्य शासन, गृह सचिव, डीजीपी, आईजी बिलासपुर रेंज, एसपी कोरबा समेत अन्य अधिकारियों को पक्षकार बनाया गया है।

ट्रांसफर के बाद वरिष्ठता सूची प्रभावित : याचिका में कहा गया है कि पुलिस मुख्यालय ने प्रमोशन प्रक्रिया शुरू की है, लेकिन इसमें उन आरक्षकों को भी शुरुआती नियुक्ति की तारीख के आधार पर सीनियर मानकर प्रमोशन देने की तैयारी की जा रही है, जिन्होंने अपनी इच्छा से दूसरे जिले में ट्रांसफर कराया था। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि छत्तीसगढ़ पुलिस एग्जीक्यूटिव फोर्स कांस्टेबल भर्ती, पदोन्नति, सेवा शर्त नियम 2007 में किए गए संशोधन के अनुसार अगर कोई कर्मचारी अपनी मर्जी से दूसरे जिले में ट्रांसफर लेता है, तो नए जिले की सीनियरिटी लिस्ट में उसका नाम सबसे नीचे माना जाता है। आरोप है कि मौजूदा प्रमोशन प्रक्रिया में इस नियम का पालन नहीं किया जा रहा है।

काम कर रहे ....

के अनुसार कई याचिकाकर्ताओं के नाम भी फिट लिस्ट में शामिल हो सकते हैं। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद माना कि मामला सेवा नियमों के उल्लंघन से जुड़ा है। कोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए कहा कि विभागीय पदोन्नति समिति अपनी प्रक्रिया जारी रख सकती है, लेकिन हाईकोर्ट की अनुमति के बिना अंतिम पदोन्नति आदेश जारी नहीं किए जाएंगे।

गांवों में घुसे बायसन ....

भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान बुधवार सुबह दम तोड़ दिया। बायसन का आतंक यहीं नहीं रुका। गजराडीह के बाद उसने ग्राम मुरूमडीह में धावा बोला जहां 36 वर्षीय पंचबाई ठाकुर को निशाना बनाया। बायसन ने महिला के पैर पर सिंग मारा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद बायसन ने ग्राम रवान का रुख किया और वहां 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला गायत्री यादव पर जानलेवा हमला कर दिया। उसके भी पैर पर सिंग से गहरा घाव हो गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के दौरान पैर में 9 टांके लगाने पड़े हैं।

राहुल बोले-मोदी और ....

बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और अराजकतावादी मानसिकता का प्रतीक बताया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि गांधी की टिप्पणी देश की 140 करोड़ जनता का अपमान है और उन्हें उनसे माफी मांगने की मांग की। राहुल गांधी ने रायबरेली में क्रांतिकारी वीरा पासी की स्मृति में आयोजित 'बहुजन स्वाभिमान सभा' को संबोधित करते हुए संविधान को डॉ. बीआर आंबेडकर व महात्मा गांधी की 'आवाज का प्रतिनिधित्व' करने वाला दस्तावेज बताया और इसकी रक्षा करने का आह्वान किया। उन्होंने लोगों से आह्वान करते हुए कहा, 'आपको खड़े होकर लड़ना होगा। जब आरएसएस कार्यकर्ता आपके घरों में आकर नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के बारे में बात करें, तो आपको उन्हें बताना होगा कि देश के प्रधानमंत्री, उनके गृह मंत्री और उनका संगठन 'गद्दार' हैं।

भाजपा अध्यक्ष बोले- यह ....

है, वह स्पष्ट रूप से उनकी अराजकतावादी सोच और चरित्र को दर्शाता है। ये टिप्पणियां चुनावों में अपनी पार्टी की हार के कारण उनकी हताशा और निराशा को भी दर्शाती हैं। भाजपा प्रमुख ने कहा, मुझे यह भी लगता है कि उनका मानसिक संतुलन बिगड़ रहा है।

सीएम साय बोले- लोकतांत्रिक ....

सीमाएं लांघ चुकी है। उन्होंने कहा कि जिस नेतृत्व ने आतंकवाद और नक्सलवाद जैसी गंभीर चुनौतियों का दृढ़ता से सामना करते हुए देश की सुरक्षा को नई मजबूती दी, भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ाया और देश को विश्व मंच पर एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया, उसी नेतृत्व के खिलाफ इस प्रकार की अभद्र भाषा का प्रयोग बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री जैसे संवैधानिक पद केवल व्यक्ति विशेष नहीं, बल्कि राष्ट्र की गरिमा और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रतीक होते हैं।

पेज एक के शेष

न फंड, न काम, अंतागढ़ ...

विकास कार्य किए हैं? हमारे पास ग्रामीणों के इस सवाल का कोई जवाब नहीं होता। बिना फंड और काम की स्वीकृति के हम पंचायतों का संचालन करने में पूरी तरह असमर्थ हैं। सरपंच संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि यह पहली बार नहीं है जब वे अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरे हैं। पिछले साल भी सरपंच संघ ने आंदोलन किया था। तब जिला प्रशासन ने मध्यस्थता करते हुए वादा किया था कि 15 दिनों के भीतर सभी लंबित विकास कार्यों को स्वीकृति दे दी जाएगी। लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी प्रशासन ने अपना वादा नहीं निभाया और धरातल पर एक भी काम को मंजूरी नहीं मिली। इससे नाराज सरपंचों ने सामूहिक इस्तीफा देकर अपनी आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है।

अस्थायी व्यवस्था करना शासन...

सौंपा था। इसके खिलाफ डॉ. राकेश गुप्ता ने याचिका दायर कर दावा किया था कि यह नियुक्ति फार्मेसी काउंसिल नियम, 1978 के प्रावधानों के विपरीत है। सिंगल बेंच ने याचिका स्वीकार करते हुए आदेश निरस्त कर दिया था, जिसके खिलाफ यह अपील दाखिल की गई। डीबी ने कहा कि 'क्वो वारंटो' (पद धारण करने के अधिकार की जांच) संबंधी रिट तभी जारी की जा सकती है, जब कोई व्यक्ति किसी सार्वजनिक वैधानिक पद पर नियमित नियुक्ति के आधार पर बैठा हो और उसकी नियुक्ति कानून के विपरीत हो। केवल अतिरिक्त प्रभार दिए जाने को नियमित नियुक्ति नहीं माना जा सकता।

मवेशी से टकराकर गिरे बाइक...

और रात करीब 8.30 बजे बाइक से घर से निकला। डोमन अपने दोस्त हसदा निवासी अंकित बंजारे और नायकबांधा निवासी राजा ओगरे के साथ जा रहा था। जैसे ही तीनों युवक ग्राम गातापार स्थित ठाकुर दुकान के पास पहुंचे, उनकी बाइक अचानक सड़क पर आए मवेशी से टकरा गई। टक्कर के बाद तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान राजिम की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे रेत से भरे हाइवा क्रमांक सीजी 07 सीएक्स 8758 ने तीनों को रौंद दिया।

भारत-इटली के बीच ....

किया। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देश 'डिजाइन एंड डेवलप इन इंडिया' एंड 'इटली एंड डिलीवर फॉर वर्ल्ड' (डीडीडी) सिद्धांत पर आगे बढ़ेंगे। मोदी-मेलोनी वार्ता के बाद भारत और इटली ने एक औद्योगिक रूपरेखा जारी की, जिसका उद्देश्य हेलीकॉप्टर और समुद्री हथियारों सहित अन्य सैन्य उपकरणों के साझा विकास एवं उत्पादन का मार्ग प्रशस्त करना है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने जनहित याचिका में सुनवाई करते हुए कहा

'धुरंधर' में सामरिक जानकारी उजागर, केंद्र सरकार गौर करे'

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' में देश की खुफिया और रक्षा अभियानों से संबंधित सामरिक और संवेदनशील जानकारी के खुलासे को लेकर चिंताओं से संबंधित जनहित याचिका को अभ्यावेदन के रूप में मानते हुए केंद्र और सेंसर बोर्ड से विचार करने को कहा। मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता, जो सशस्त्र सीमा बल के कर्मी हैं, द्वारा जनहित याचिका में उठाई गई चिंता निराधार नहीं है। पीठ ने कहा कि फिल्में मनोरंजन के लिए बनाई जाती हैं, लेकिन उनके प्रभाव से इंकार नहीं किया जा सकता। पीठ ने मौखिक टिप्पणी में कहा, 'सेंसर बोर्ड के पास कुछ दिशानिर्देश होने चाहिए। हम चाहते हैं कि आप इस अभ्यावेदन पर विचार करें और सोच विचारकर निर्णय लें'। पीठ ने कहा, 'अदालत की राय है कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दों पर विचार किया जाना चाहिए और उनका उचित समाधान होना चाहिए। हम इस निर्देश के साथ याचिका का निपटारा कर रहे हैं कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथा केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड इस याचिका को याचिकाकर्ता के अभ्यावेदन के रूप में मानकर उसमें उठाए गए मुद्दों पर उचित निर्णय लें।'

35 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, 8 गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु शहर के विभिन्न हिस्सों में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में तीन विदेशी नागरिकों सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि इन लोगों से दो कार के अलावा 17.5 किलोग्राम एमडीएमए (एक प्रकार का मादक पदार्थ) बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, बरामद मादक पदार्थ की कीमत करीब 35 करोड़ रुपये है। यह कार्रवाई 11 मई को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर हेब्बाल थाना पुलिस के अधिकारियों द्वारा शुरू की गई थी। पुलिस ने बताया कि तलाशी अभियान के बाद आनंदनगर इलाके से एक महिला समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया गया। उसने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने दिल्ली में एक व्यक्ति से एमडीएमए खरीदा था और इसे बेंगलुरु में ऊंचे दामों पर बेच रहे थे। पुलिस ने कहा कि आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

तकनीकी रूप से सक्षम देशों के बीच महत्वपूर्ण हो गई रणनीतिक साझेदारी : राजनाथ

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

दुनिया के कुछ भागों में सैन्य संघर्ष चल रहे हैं। लेकिन इस चिंताजनक माहौल के बीच बुधवार को भारत और दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रियों के बीच सियोल में एक द्विपक्षीय बैठक हुई। जिसमें रक्षा सहयोग से जुड़े हुए सभी जरूरी मुद्दों की समीक्षा करने के अलावा क्षेत्रीय-समुद्री सुरक्षा, सैन्य आदान-प्रदान, रसद, उद्योग और उत्पादन जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और अधिक बढ़ाने के उपायों पर भी व्यापक रूप से विचार साझा किए गए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके दक्षिण कोरिया के समकक्ष रक्षा मंत्री आन ग्यू बैक ने मजबूत रक्षा संबंधों और एक स्वतंत्र, समावेशी और नियम आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बनाए रखने को लेकर अपने संकल्प को दोहराया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि अपने दो देशों की विदेश यात्रा के अंतिम पड़ाव के रूप में रक्षा मंत्री बीते मंगलवार को सियोल पहुंचे थे। जिसके तहत उनकी यह बैठक हुई। रक्षा मंत्री ने अपनी यात्रा के दौरान सियोल में रह रहे प्रवासी भारतीयों से भी मुलाकात की। जिसमें उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व में दुनिया में बढ़ती भारत की छवि का जिक्र किया और कहा कि 12-13 साल पहले ऐसी स्थिति नहीं थी।

इन क्षेत्रों में हुए समझौते

दोनों देशों के बीच रक्षा, साइबर प्रशिक्षण और संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत बनाने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। राजनाथ सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए दक्षिण कोरिया से आग्रह किया है कि वह भारत के साथ मिलकर उन्नत प्रौद्योगिकियों का विकास और उत्पादन करे। बदलते हुए वैश्विक परिदृश्य में दोनों देश एक साथ मिलकर काम करने के लिए पूरी तरह से सक्षम हैं। ऐसे में तकनीकी रूप से सक्षम देशों के बीच विश्वसनीय साझेदारी का अत्यधिक रणनीतिक महत्व है। वार्ता में दोनों पक्षों ने भारत की पूर्व की ओर देखो नीति और दक्षिण कोरिया के क्षेत्रीय रणनीतिक दृष्टिकोण के बीच बढ़ते तालमेल को भी स्वीकार किया। रक्षा साइबर क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत के राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय और कोरिया के राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के बीच प्रशिक्षण, यूएन शांतिरक्षा सहयोग पर समझौतों का आदान-प्रदान किया गया।

टी-यूजी परीक्षा के फिर से आयोजन को लेकर बुधवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने एक बार फिर से की समीक्षा बैठक

झूठे टेलीग्राम चैनलों के खिलाफ की जाए कड़ी कार्रवाई : प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को नीट-यूजी प्रवेश परीक्षा के 21 जून को किए जाने वाले आयोजन को लेकर एक बार फिर से उच्च-स्तरीय सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता की है। जिसमें शामिल केंद्रीय सुरक्षा और खुफिया जांच (इंटेलिजेंस) एजेंसियों के तमाम आला अधिकारियों को उन्होंने झूठे टेलीग्राम चैनलों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय ने अपने एक बयान में बताया कि यह एक सुरक्षा समीक्षा बैठक थी। जिसके माध्यम से शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को यह भी कहा कि परीक्षा के पुनः आयोजन से पहले सोशल मीडिया मंचों पर सख्त निगरानी बनाए रखें। जिसके माध्यम से परीक्षा को लेकर किसी भी तरह के दुष्प्रचार को तुरंत पकड़कर उसे ब्लॉक करवाएं। प्रधान ने दोहराया कि छात्रों को गलत सूचनाओं के जाल में फंसने से बचाने और परीक्षा की प्रक्रिया पर आम जनता के विश्वास को हर हाल में बनाए रखना ही केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भारतवंशी वैज्ञानिकों को द. अफ्रीका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

एजेंसी ▸▸ जोहानिसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका में भारतीय मूल के दो वैज्ञानिक उन 38 लोगों में शामिल हैं जिन्हें जन स्वास्थ्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा गया है। प्रोफेसर सलीम अब्दुल करीम और प्रोफेसर कीर्तन धेड़ा को मंगलवार को प्रिटोरिया में राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा द्वारा 'ऑर्डर ऑफ मापुंगुब्वे' से सम्मानित किया गया। करीम को 'गोल्ड ऑर्डर ऑफ मापुंगुब्वे' से सम्मानित किया गया। उनके प्रशस्ति पत्र में चिकित्सा विज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य में उनके महत्वपूर्ण योगदान, विशेष रूप से एचआईवी/एड्स और तपेदिक (टीबी) महामारी विज्ञान में उनके अभूतपूर्व शोध और राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति विकास में उनके असाधारण योगदान को रेखांकित किया गया है।

समक्ष : न्यायालय श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, बालोद जिला बालोद छ.ग.

सक्सेशन सर्टिफिकेट मिलने के लिए की गयी दरखास्त का समंस (अंतर्गत धारा 373) (1) इंडियन सक्सेशन एक्ट 1925

सक्सेशन प्र.क्र. -09/2025
नियत पेशी दिनांक - 25.06.2026
प्रो. क्र.- 349/76

न्यायालय श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, बालोद जिला बालोद छ.ग.

श्रीमती प्रमिला साहू व अन्य 01 .....आवेदकगण

विरुद्ध

आम जनता (जिनसे संबंध हो) ...अनावेदकगण

बनाम - आम जनता, जिनका संबंध इस प्रकरण से हो।

मृतका का अंतिम निवास स्थान :- **99 ओल्ड मार्केट दल्लीराजहरा, तह. डौण्डी, जिला बालोद छ.ग.**

उक्त आवेदकगण - 01. श्रीमती प्रमिला साहू, पति स्व. नारायण सिंह साहू, उम्र 55 साल, 02. प्रशांत साहू, पिता स्व. नारायण सिंह साहू, उम्र 31 साल, दोनों निवासी नायापारा बालोद तह. व जिला बालोद छ.ग. ने आपके खिलाफ या जिससे संबंधित हो मृतक स्व. नारायण सिंह साहू पिता स्व. बृजलाल साहू निवासी 99 ओल्ड मार्केट दल्लीराजहरा, तह. डौण्डी, जिला बालोद छ.ग. की मृत्यु होने पर मृत्यु उपरांत मृतक स्व. नारायण सिंह साहू के द्वारा निवेशित मय ब्याज राशि व पेंशन राशि प्रावधानानुसार प्रदान करने हेतु उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्रदान करने बाबत धारा-372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के अन्तर्गत इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आपको इस समंस के जरिये हुक्म होता है कि, यदि आपको मृतक की सम्पत्ति / उत्तराधिकार के संबंध में कोई हक या दावा या किसी प्रकार से अधिकार प्राप्त हो तो आप स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस अदालत में सुनवाई दिनांक 25.06.2026 को दिन 10:30 बजे उपस्थित होकर अपना बचाव एवं अन्य सुसंगत दस्तावेज सहित न्यायालय में प्रस्तुत करें। यदि आप उक्त नियत दिनांक को समय पर उपस्थित नहीं होंगे तो उक्त आवेदन की सुनवाई आपकी अनुपस्थिति में होगी यदि उक्त नियत दिनांक को कोई अवकाश घोषित हो जाए अथवा मैं स्वयं अवकाश पर रहूं तो आवेदन की सुनवाई आगामी कार्य दिवस को होगी।

अतः आज दिनांक 12.05.2026 को न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(संजय कुमार सोनी)
मुहर
व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ श्रेणी बालोद
जिला बालोद (छ.ग.)

कार्यालय नगर पंचायत धमधा, जिला- दुर्ग (छ.ग.)

क्रमांक /176/न.प./2026-27 धमधा, दिनांक 20/05/2026

// ई-प्रोक्योरमेंट प्रथम निविदा सूचना //

एतद् द्वारा नगर पंचायत क्षेत्रांतर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है ।

1- Bid Start Date- 20-05-2026, Time- 17:30
2- Bid Due Date- 10-06-2026, Time- 17:30
3- Physical Submission- 15-06-2026, Time- 17:30
4- Bid Open Date(Scheduled)- 16-06-2026, Time- 11:00

क्र.	सिस्टम टेंडर क्र.	कार्य का नाम	लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	समयावधि
1	191372	मुसलमान पारा ऑगनबाड़ी के पीछे सामुदायिक भवन	25.00	19000.00	9 month

टीप - उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल www.eproc.cgstate.gov.in पर तथा विभागीय वेबसाईट http://www.uad.cg.gov.in पर डाउनलोड की जा सकती है। किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना विभाग की वेबसाईट में प्रसारित की जावेगी । पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं की जावेगी ।

"स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत निर्माण में योगदान दें"

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत धमधा, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

OFFICE OF THE CHIEF MUNICIPAL OFFICER NAGAR PALIKA PARISHAD, SARAIPALI

E-procurement Tender Notice (3rd Call)

Main Portal: https://cgeprocurement.gov.in

NIT. No. 191337 / 174 Saraipali/Dated 20.05.2026

Online bids are invited for followings works up to 05.06.2026

S. NO.	System Tender No.	Name of work	Probable Amount of Contract (In Lakh)	Earnest Money (In Lakh)	Class of Contract or
1	191337	Survey, Engineering, Procurement, Construction, testing, commissioning of Saraipali Water supply scheme under AMRUT Mission 2.0 including 03 months Trial run, 12 months Defects Liability period and 5 years Operation and Maintenance of all Project Components/whole scheme (3rd Call)	Rs 10978.85	Rs 54.89	In appropriate Class

The details can be viewed and downloaded online directly from Government of Chhattisgarh e-Procurement System Portal (https://cgeprocurement.gov.in) from 20.05.2026 at 17:30 Hours (IST) onwards. For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

Chief Municipal Officer
Nagar Palika Parishad Saraipali District - Mahasamund (C.G)

BILASPUR SMART CITY LIMITED
3rd Floor, ICCC Building, Tarbahar Thana, Near Tarbahar Naka, Bilaspur, Chhattisgarh, India, Phone No. 07752-222642
Fax: 07752-413888, E-mail: tenders.bscl@gmail.com

2nd Call E-Procurement-REQUEST FOR PROPOSAL

No.143/BSCL/2026-27 Bilaspur, Dated 19/05/2026

BSCL invites online Request for proposal (RFP) following works from eligible contractors:

NIT No.	System Tender No.	Name of work	Bid Due Date
255	191308	Selection of Agency for Operation, Maintenance, Upkeep of BIncube Incubation Center by Bilaspur Smart City Ltd at 3rd Floor of Central Library, Bilaspur, Chhattisgarh under Licensee model where License will be awarded to agency who bids highest commercial bid over and above Minimum Guaranteed Amount payable to BSCL.	05/06/2026 IST 05:30 PM

Interested parties may view and download RFP Document details online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal http://eproc.cgstate.gov.in

MANAGER
BILASPUR SMART CITY LIMITED

Green City, Clean City, Smart City.

कार्यालय नगर पालिका परिषद बालोद, जिला- बालोद (छ.ग.)

क्रमांक/533/ लो.नि.वि./न.पा./ 2026 बालोद दिनांक - 19/05/2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से स्वच्छ भारत मिशन 2.0 मद अंतर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं :-

क्र.	सिस्टम टेंडर क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	191313	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of Operation and Maintenance of The Entire System in Nagar Palika Parishad Balod under SBM 2.0	691.55	11.06.2026 17:00 IST

टीप :- अन्य शर्तें व विस्तृत जानकारी संबंधित शाखा / विभागीय वेबसाईड www.uad.cg.gov.in में भी देखी एवं डाउनलोड की जा सकती हैं।

नगर पालिका के करों का भुगतान समय पर करें ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बालोद

कार्यालय नगर पंचायत गुरूर, जिला-बालोद (छ.ग.)
Email: nagarpanchayatgurur@gmail.com Phone No : 07749-299800

// ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण प्रथम सूचना //

Main Portal : http//eproe.cgstate.gov.in

क्रमांक / 211 /लो.नि.वि./ ई- निविदा/2026-27 गुरूर, दिनांक 20/05/2026

नगर पंचायत गुरूर अनुपचारित जल प्रबंधन घटक अंतर्गत निम्नानुसार कार्य के लिये छ.ग. के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा जारी प्रभावशील दर अनुसूची अनुसार लमसम दर पर कार्य संपादन हेतु दिनांक 11/06/2026 तक ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है -

क्र.	कार्य का नाम	टेण्डर सिस्टम नम्बर	अनु. लागत (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि	प्रभावशील दर अनुसूची
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Design, Construction, Testing. Commissioning of all the Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) work including 05 Years of Operation and Maintenance of the Entire System in NAGAR PANCHAYAT, GURUR under SBM 2.0	191393	388.65	1.94	ब एवं उच्च वर्ग	15 माह	LUMP SUM

उपरोक्त कार्य का निर्धारित अमानत राशि, निविदा की सामान्य शर्तें, निविदा दस्तावेज व कार्य से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में नगर पंचायत गुरूर कार्यालय के लोक कर्म शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल Main portal:eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत गुरूर

पीएम श्री स्कूल
जवाहर नवोदय विद्यालय, सुपगांव,
जिला : नारायणपुर, छत्तीसगढ़, पिन-494661
फ़ोन नंबर: 9989989146, 8770056115

[SCAN FOR TENDER FORMS]

-:: निविदा अधिसूचना ::-

F.No./JNV/NPR/2026-27/ 308 Date- 20.05.2026

सत्र 2026-27 के दौरान पी एम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय नारायणपुर (छ. ग.) हेतु विभिन्न भण्डार सामग्रियों की आपूर्ति जैसे बिस्तर, किराना सामान, सब्जी, बेकरी सामग्री, नॉन वेज आइटम्स, स्टेशनरी आदि एवं वाहन किराए पर संलग्न करने के लिए अधिकृत पंजीकृत डीलर/ निर्माता / आपूर्तिकर्ता / कंपनियों से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं । निविदा प्रपत्र दस्तावेज रु.500/- प्रति सेट के हिसाब से विद्यालय के कार्यालय से दिनांक 20/05/26 से दिनांक 10/06/26 पूर्वान्ह 11:00 बजे तक विद्यालय से नियत तिथि के भीतर कार्यालयीन दिवस में खरीदा जा सकता है। इसके अलावा, संबंधित विद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट https://navodaya.gov.in/nvs/nvs-school/Narayanpur/en/Tender/Tender Forms/ अथवा एन.आई.सी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। हालाँकि, निविदा प्रपत्र जमा करते समय, निविदा प्रपत्र की लागत के रूप में प्राचार्य ज.न.वि. नारायणपुर के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट के रूप में प्रति सेट रु.500/- की राशि जमा करनी होगी। पूर्ण रूप से सीलबंद निविदाएं मय अर्नेस्ट मनी का डिमांड ड्राफ्ट (प्राचार्य ज.न. वि नारायणपुर के पक्ष में), प्राचार्य ज. न. वि. के कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि 10/06/26 अपरान्ह 01:00 बजे तक होगी। सिलबंध निविदाएं भौतिक रूप से या पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा भी भेजा जा सकता है। निर्धारित तिथि / समय के बाद प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जाएगा। निविदाएं विद्यालय द्वारा दिनांक 10/06/26 को अपरान्ह 03:00 बजे सलाहकार समिति द्वारा प्राचार्य के कार्यालय कक्ष में खोली जाएंगी ।

प्राचार्य

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में कठिनाइयां आ सकती हैं। बातचीत में संयत रहें।

वृष — मन में शान्ति एवं प्रसन्नता के भाव रहेंगे। माता का सानिध्य मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। आय की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।

मिथुन — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कारोबार को गति मिल सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। धैर्यशीलता में कमी आएगी।

कर्क — किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें।

सिंह — किसी पैतृक सम्पत्ति का लाभ हो सकता है। यात्रा पर जा सकते हैं। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

कन्या — कारोबार के लिए यात्रा लाभप्रद रहेगी। सेहत का ध्यान रखें। धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। माता का साथ मिलेगा। वाहन सुख में कमी आ सकती है।

तुला — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। संगीत में रुचि बढ़ सकती है।

वृश्चिक — धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। कार्यक्षेत्र की स्थिति अनुकूल रहेगी। पिता से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाए रखें।

धनु — अति उत्साही होने से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में सम्मान की प्राप्ति होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद रहेंगे। दिनचर्या अव्यवस्थित रहेगी।

मकर — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कुंभ — अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय बढ़ेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। कारोबार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। लाभ में वृद्धि होगी।

मीन — नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

शब्द पहेली - 6232

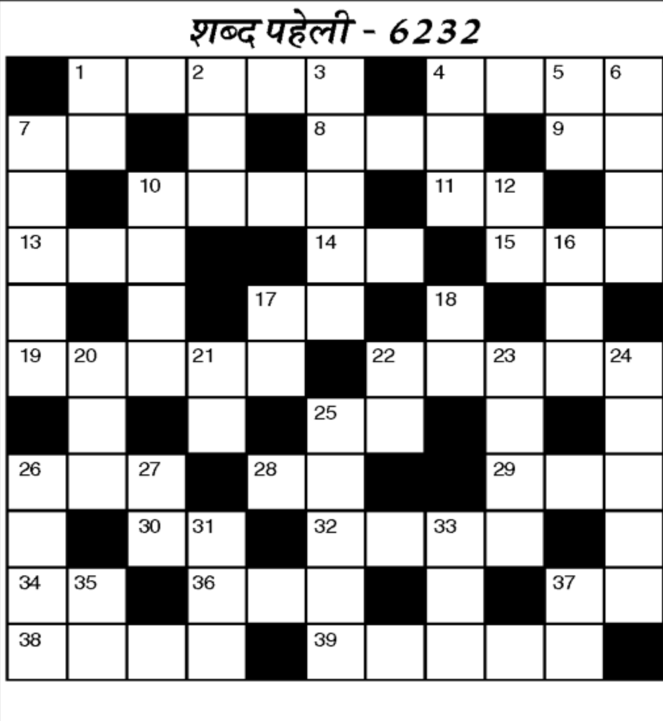

बाएँ से दाएँ
1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे
1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली- 6231 का हल

सूडोकु नवताल - 6242

★★★★☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6241 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलुरु	13	9	4	18
गुजरात	13	8	5	16
हैदराबाद	13	8	5	16
राजस्थान	13	7	6	14
पंजाब	13	6	6	13
कोलकाता	13	6	6	13
चेन्नई	13	6	7	12
दिल्ली	13	6	7	12
मुंबई	13	4	9	8
लखनऊ	13	4	9	8

ऑरेंज कैप

वैभव सूर्यवंशी
579 रन
राजस्थान

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
24 विकेट
बेंगलुरु

घरेलू क्रिकेट : 23 अगस्त से दलीप ट्रॉफी, 11 अक्टूबर से रणजी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रणजी ट्रॉफी एक बार फिर दो चरण में खेला जाएगी, जिसमें पहले चरण की शुरुआत 11 अक्टूबर से होगी जबकि 2026-27 घरेलू सत्र 23 अगस्त को दलीप ट्रॉफी के साथ शुरू होगा। बीसीसीआई ने बुधवार को यह घोषणा की। आगामी सत्र के दौरान बीसीसीआई आयु वर्ग और सीनियर क्रिकेट में कुल 1788 मुकाबलों का आयोजन करेगा, जिसमें पुरुषों के लिए अंडर-16, अंडर-19 और अंडर-23 के अलावा सीनियर स्तर जबकि महिलाओं के लिए अंडर-15, अंडर-19 और अंडर-23 के अलावा सीनियर स्तर के मुकाबले शामिल हैं। अंडर-23 वर्ग का सीमित ओवरों का टूर्नामेंट और विजी ट्रॉफी के लिए अंतर क्षेत्रीय विश्वविद्यालय प्रतियोगिता टी20 प्रारुप में खेली जाएगी।

रणजी ट्रॉफी का दूसरा चरण 17 जनवरी से

बीसीसीआई के घरेलू कैलेंडर की सबसे बड़ी प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी का पहला चरण 11 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच होगा, जिसमें चार दौर खेले जाएंगे। दूसरा चरण 17 जनवरी से 3 मार्च 2027 के बीच होगा, जो सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (राष्ट्रीय टी20 टूर्नामेंट) और विजय हजारे ट्रॉफी (50 ओवर का राष्ट्रीय टूर्नामेंट) के खत्म होने के बाद खेला जाएगा। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 14 नवंबर से 6 दिसंबर के बीच खेली जाएगी। लीग चरण के मुकाबले मुंबई, मोहाली, विजाग और कोलकाता में होंगे जबकि नॉकआउट चरण नागपुर में होगा।

बेंगलुरु में खेला जाएगा दलीप ट्रॉफी

बीसीसीआई ने कहा, '2026-27 का घरेलू सत्र बीसीसीआई की एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी घरेलू ढांचा बनाने की प्रतिबद्धता को दिखाता है। साथ ही यह सभी प्रारुप और वर्ग में संतुलित प्रगति भी सुनिश्चित करता है।' क्षेत्रीय प्रारुप में वापसी करने वाली दलीप ट्रॉफी 23 अगस्त से 10 सितंबर के बीच खेली जाएगी। यह पूरा टूर्नामेंट बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगा। रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू-कश्मीर और शेष भारत के बीच ईरानी कप मुकाबला 1 से 5 अक्टूबर तक श्रीनगर में खेला जाएगा।

खबर संक्षेप

मानव ने रचा इतिहास, अमेरिकी ओपन में किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। भारतीय-अमेरिकी गोल्फर मानव शाह ने आईजीपीएल के लिए इतिहास रचा जब वह पिछले साल इस लीग की शुरुआत के बाद इस टूर से 2026 अमेरिकी ओपन में जगह बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने। मानव ने डलास एथलेटिक क्लब में 36 होल के अंतिम क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में 66 और 71 के स्कोर से कुल पांच अंडर के स्कोर से चौथे स्थान पर रहते हुए अमेरिकी ओपन में अपनी जगह पक्की की। इस 33 वर्षीय गोल्फर ने मौजूदा सत्र में आईजीपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है और चार टूर्नामेंट में तीन बार शीर्ष सात और एक बार संयुक्त 11वें स्थान पर जगह बनाने में सफल रहे।

गोगिया ने किया उलटफेर, चुन को हराया

नई दिल्ली। भारत के धैर्य गोगिया ने बुधवार को हांगकांग के पांचवें से आठवें वरीय से का चुन को चीन के पेंझिहुआ में चली रही 33वीं एशियाई जूनियर व्यक्तिगत स्क्वाश चैंपियनशिप के लड़कों के अंडर-13 वर्ग के पहले दौर में हराकर उपटफेर किया। गोगिया ने लड़कों के एकल वर्ग में चुन को 12-10, 10-12, 11-7, 11-7 से हराया। चार दिवसीय प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न आयु वर्ग में भारतीय खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। अंडर-13 लड़कों के पहले दौर में तीसरे-चौथे वरीय अमरया बजाज ने मकाऊ के चाउ ह्यो चोन को 11-1, 11-1, 11-5 से शिकस्त दी जबकि तीसरे-चौथे वरीय अभ्युदय अरोड़ा ने श्रीलंका के दानुजा जयसिंघे को 11-5, 11-4, 11-1 से हाया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से बाहर फखर और अयूब

लाहौर। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फखर जमां और साइम अयूब चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 30 मई से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों को पीसीबी की मेडिकल टीम की देखरेख में 'रिहैबिलिटेशन' कार्यक्रम में शामिल होने की सलाह दी गई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला वनडे मैच रावलपिंडी में खेला जाएगा।

कोलकाता ने मुंबई को 4 विकेट से हराया

नाइट राइडर्स ने प्लेऑफ की तरफ बढ़ाया कदम, मुंबई इंडियंस को मिली 9वीं हार

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बारिश से प्रभावित आईपीएल के 'करो या मरो' के मैच में मुंबई इंडियंस को 4 विकेट से हराकर प्लेऑफ की अपनी उम्मीद जीवंत रखी। केकेआर की गेंदबाजी इकाई ने परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाते हुए मुंबई इंडियंस को 8 विकेट पर 147 रन के स्कोर पर रोक दिया।

केकेआर मनीष पांडे (45 रन, 33 गेंद) और रोवमैन पॉवेल (40 रन, 30 गेंद) के बीच चौथे विकेट के लिए 48 गेंद में 64 रन की भागीदारी से लक्ष्य के करीब पहुंची। टीम ने 18.5 ओवर में 6 विकेट गंवाकर 148 रन जीत दर्ज की। इस जीत से केकेआर अंक तालिका में आठवें से छठे स्थान पर पहुंच गई, जिससे उसके 13 अंक हो गए हैं, जिससे उसकी प्लेऑफ में पहुंचने की धुंधली से उम्मीद अब भी बनी हुई है। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस की यह 13 मैचों में नौवीं हार थी।

एमआई के लिए बॉश ने खेली शानदार पारी

भले ही केकेआर ने जीत दर्ज की लेकिन मुंबई इंडियंस के कोर्बिन बॉश ने बल्लेबाजी (नाबाद 32), गेंदबाजी (30 रन देकर तीन विकेट) और क्षेत्ररक्षण में शानदार प्रदर्शन किया। केकेआर को उम्मीद करनी होगी पंजाब किंग्स की टीम शनिवार को अपना मैच हार जाए। फिर उसकी निगाहें रविवार दोपहर को होने वाले राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस के मुकाबले पर होंगी, जिसके बाद शाम को उसका सामना दिल्ली कैपिटल्स से होगा। अगर रॉयल्स जीत जाती है तो उसकी प्लेऑफ में जगह पक्की हो जाएगी और केकेआर बाहर हो जाएगा। ऐसे में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ केकेआर का आखिरी लीग मैच बेमानी हो जाएगा।

केकेआर ने गंवाए पावरप्ले में दो अहम विकेट

केकेआर ने पावरप्ले में कप्तान अजिंक्य रहाणे (21 रन) और फिन एलन (08) के रूप में दो विकेट गंवाकर 51 रन बना लिए थे। एलन दो चौके लगाने के बाद पहले ही ओवर में दीपक चाहर की गेंद पर बोल्ड हो गए। चाहर ने पावरले में तीन ओवर डाले, जिसमें उन्होंने 23 रन देकर एक विकेट झटका। जसप्रीत बुमराह ने अपने पहले ओवर में महज दो रन दिए।

स्कोर बोर्ड

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4	6
रिकेलटन का पांडे बो ग्रीन	06	7	1	0
रोहित शर्मा का ग्रीन बो दुबे	15	13	0	2
नमन का रघुवंशी बो ग्रीन	00	3	0	0
सूर्यकुमार यादव बो दुबे	15	6	2	1
तिलक का अनुकूल बो त्यागी	20	32	0	1
हार्दिक पंड्या बो नारायण	26	22	2	1
विल जैक्स रन आउट	14	7	1	1
कोर्बिन बॉश नाबाद	32	18	3	2
चाहर का अनुकूल बो त्यागी	10	7	2	0

अतिरिक्त : 09,कुल : 20 ओवर में 147/8 रन
गेंदबाजी : अनुकूल रॉय 1-0-6-0, सौरभ दुबे 4-0-34-2, कैमरन ग्रीन 3-0-23-2, कार्तिक त्यागी 4-0-37-2, सुनील नारायण 4-0-13-1, वरुण चक्रवर्ती 4-0-28-0

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4	6
रहाणे का रिकेलटन बो बॉश	21	17	4	0
फिन एलन बो चाहर	08	5	2	0
मनीष पांडे बो बुमराह	45	33	6	0
ग्रीन का गजनफर बो बॉश	04	8	0	0
पॉवेल का बॉश बो गजनफर	40	30	4	2
रिंकू सिंह नाबाद	09	5	2	0
दहिया का रिकेलटन बो बॉश	11	13	2	0
अनुकूल रॉय नाबाद	04	4	0	0

अतिरिक्त : 06, कुल : 18.5 ओवर में 148/6 रन
गेंदबाजी : दीपक चाहर 3-0-23-1, जसप्रीत बुमराह 4-0-26-1, कोर्बिन बॉश 3-0-30-3, एएम गजनफर 4-0-25-1, हार्दिक पंड्या 2-0-13-0, रघु शर्मा 2-0-23-0, विल जैक्स 0.5-0-7-0

डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में भारत को लगा झटका

बांग्लादेश ने छीना 5वां स्थान

नवीनतम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप रैंकिंग में छठे स्थान पर खिसका भारत

एजेंसी ▶▶| दुबई

बांग्लादेश का पाकिस्तान के खिलाफ अपनी घरेलू धरती पर खेली गई टेस्ट श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप करने के कारण भारतीय क्रिकेट टीम को नुकसान हुआ है और वह नवीनतम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) रैंकिंग में छठे स्थान पर खिसक गई है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट मैच में 78 रन से हराया। इससे पहले उसने मीरपुर में पहला टेस्ट मैच 104 रन के बड़े अंतर से जीता था। इससे उसकी टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के डब्ल्यूटीसी तालिका में नवीनतम अपडेट में भारत से आगे निकल गई है। बांग्लादेश के अब 4 टेस्ट मैचों में दो जीत, एक हार और एक ड्रॉ के साथ 58.33 प्रतिशत अंक हैं, जबकि भारत के 9 टेस्ट मैचों में चार जीत, उतनी ही हार और एक ड्रॉ के साथ 48.15 अंक हैं।

एशियाई देशों की रैंकिंग में पाकिस्तान से ऊपर भारत

पहले दो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम अब एशियाई देशों की रैंकिंग में पाकिस्तान से ऊपर है। शुभमन गिल की अगुवाई वाली इस टीम ने इस साल अभी तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। भारत अब अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगा लेकिन यह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है।

टेस्ट : बांग्लादेश ने पाकिस्तान को लगातार दूसरी बार किया क्लीन स्वीप

एजेंसी ▶▶| सिलहट

ताइजुल इस्लाम के 6 विकेट की मदद से बांग्लादेश ने दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 78 रन से हराकर श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। पाकिस्तान की टीम 437 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 358 रन पर आउट हो गई। बांग्लादेश ने पहला टेस्ट मैच 104 रन से जीता था।

पाकिस्तान ने मैच के पांचवें और अंतिम दिन सुबह अपनी दूसरी पारी 7 विकेट पर 316 रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसने 11.2 ओवर में अपने बाकी बचे विकेट गंवा दिए। बाएं हाथ के स्पिनर ताइजुल ने पांचवें दिन गिरे तीन विकेटों में से दो विकेट लिए। उन्होंने 34.2 ओवरों में 120 रन देकर 6 विकेट हासिल किए। पाकिस्तान ने पांचवें दिन सुबह 42 रन जोड़े, लेकिन उसने अपने अंतिम तीन विकेट 13 गेंदों में बिना कोई रन जोड़े गंवाए। इस तरह से बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ लगातार दूसरी बार श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया। इससे पहले उसने 2024 में 2-0 से जीत हासिल की थी।

टॉप-2 की रेस में टाइटंस आज चेन्नई से टक्कर

अहमदाबाद। *प्लेऑफ में पहले ही अपनी जगह सुरक्षित कर चुकी गुजरात टाइटंस की टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ गुरुवार को होने वाले आईपीएल के मैच में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखकर शीर्ष दो में जगह पक्की करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। लीग चरण में शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीम को फाइनल में पहुंचने के दो अवसर मिलते हैं। गुजरात टाइटंस अभी 16 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर काबिज है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (18 अंक) पहले स्थान पर है। इन दोनों के अलावा सनराइजर्स हैदराबाद (16 अंक) भी शीर्ष दो में जगह बनाने की दौड़ में है। इन तीनों टीम ने पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है।*

आरसीबी के आगे निकल सकता है गुजरात : *अगर गुजरात टाइटंस सीएसके की खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करता है तो वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के (+1.065) नेट रन रेट से भी आगे निकल सकता है। अगर सनराइजर्स अपने आखिरी लीग मैच में आरसीबी को हरा देता है तो पहले दो स्थान के लिए फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा। अभी गुजरात टाइटंस का नेट रन रेट (+0.400) है जो सनराइजर्स (+0.350) से बेहतर है। मैच शाम 7.30 बजे से।*

मलेशिया मास्टर्स

मालविका और अश्मिता जीती, दूसरे दौर में एंट्री

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

भारत के लिए मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 में निराशाजनक दिन में मालविका बंसोड़ और अश्मिता चालिहा ही उम्मीद की किरण बनकर उभरीं, जिन्होंने महिला एकल में अलग-अलग अंदाज में जीत दर्ज करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई। एसीएल (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) चोट से उबरने के बाद वापसी कर रही मालविका ने जर्मनी की दुनिया की 52वें नंबर की खिलाड़ी यवोन ली को 21-17, 16-21, 21-9 से शिकस्त दी।

अश्मिता की आसान जीत

अश्मिता ने इंडोनेशिया की दुनिया की 56वें नंबर की खिलाड़ी थालिता रमाधनी विरियावान पर 21-16, 21-13 से आसान जीत दर्ज की। अब मालविका डेनमार्क की आठवीं वरीय लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट से भिड़ेंगी जबकि अश्मिता का सामना मलेशिया की गोह जिन वेई से होगा।

उलटफेर का शिकार हुए सेन

पुरुष एकल में लक्ष्य सेन को इंडोनेशिया के दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी मोहम्मद जकी उबैदुल्लाह के खिलाफ 17-21, 11-21 से उलटफेर का सामना करना पड़ा, जिससे वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। एचएस प्रणय को भी जापान के छठे वरीय कोदाई नाराओका के खिलाफ 80 मिनट तक चले मुकाबले में 17-21, 22-20, 22-24 से हार का सामना करना पड़ा। किरण जॉर्ज फ्रांस के सातवें वरीय एलेक्स लानियर के खिलाफ 15-21, 1-6 से पिछड़ने के बाद रिटायर हो गए। तरुण मन्नेपल्ली ने एक गेम की बढ़त गंवा दी और चीनी ताइपे के वांग पो-वेई से 21-17, 14-21, 8-21 से हार गए।

आर्सेनल ने 82 अंक के साथ हासिल की 4 अंकों की अजेय बढ़त

आर्सेनल का 22 साल का सूखा खत्म, बना प्रीमियर लीग चैंपियन

एजेंसी ▶▶| लंदन

आर्सेनल का प्रीमियर लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब जीतने का पिछले 22 साल से चला आ रहा लंबा इंतजार आखिरकार मैनचेस्टर सिटी और बोर्नमाउथ के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ छूटने के साथ ही खत्म हो गया है।

इस मैच के बराबर रहने से मिकेल आर्टेटा की टीम 2004 के बाद पहली बार प्रीमियर लीग चैंपियन बन गई। इस प्रतियोगिता में अभी एक दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं लेकिन आर्सेनल ने 37 मैच में 82 अंक के साथ चार अंकों की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। दूसरे स्थान पर काबिज मैनचेस्टर सिटी के अब 37 मैच में 78 अंक हैं।

आर्सेनल 2023 और 2024 में रही थी उपविजेता

आर्सेनल की टीम 2023 और 2024 के लगातार दो सत्र में उप विजेता रही थी। सिटी ने 2023 जबकि लिवरपूल ने 2024 में खिताब जीता था। एक बार फिर आर्सेनल ने इस पूरे अभियान में अधिकतर समय तक बढ़त बनाए रखी और बीच में केवल दो अंकों की बढ़त रहने के बावजूद वह आखिर में खिताब हासिल करने में कामयाब रहा। आर्सेनल की आखिरी चैंपियन टीम 2004 की 'अजेय' टीम थी, जिसने लीग में एक भी मैच हारे बिना खिताब जीता था। यह आर्सेनल का कुल 14वां खिताब है।

राइस ने जश्न मनाते हुए पोस्ट की तस्वीर

आर्सेनल के मिडफील्डर डेक्लन राइस ने सोशल मीडिया पर अपने और अपने साथियों के जश्न मनाते हुए एक तस्वीर पोस्ट की, जिसका शीर्षक है, 'मैंने आपसे कहा था न, हमने कर दिखाया।' मैनचेस्टर सिटी को खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए यह मैच जीतना जरूरी था। इस तरह से पेप गार्डियोला का सिटी के साथ खिताब जीतने का आखिरी मौका भी उनके हाथ से चला गया क्योंकि इस दिग्गज कोच ने उन खबरों को खारिज नहीं किया था कि वह सत्र के अंत में क्लब छोड़ने वाले हैं। एमिरेट्स स्टेडियम के बाहर आर्सेनल के प्रशंसकों ने जमकर जश्न मनाया, पटाखे जलाए और सड़कों पर पार्टी की।

सचिव ने 1000 रुपए की श्रेणी में सर्वाधिक अंशधारक पर जताई चिंता

एपीवाई में न्यूनतम पेंशन श्रेणी पर अधिक निर्भरता चिंता का विषय बनी: नागराजू

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

वित्तीय सेवा सचिव (डीएफएस) एम. नागराजू ने अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के तहत न्यूनतम 1,000 रुपये की श्रेणी में सर्वाधिक अंशधारक होने पर चिंता जताई है। उन्होंने वित्तीय संस्थानों से लोगों को उनकी आय के मुताबिक उच्च पेंशन श्रेणी को चुनने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया है।

प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना एपीवाई से नौ करोड़ लोग जुड़ चुके हैं और वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.35 करोड़ नए अंशधारक जोड़े गए। उन्होंने यहां पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (एफआरडीए) द्वारा आयोजित अटल पेंशन योजना वार्षिक सम्मान कार्यक्रम में कहा, '' इस उल्लेखनीय प्रगति के बीच, मुझे आपका ध्यान इस गंभीर चिंता की ओर आकर्षित करना होगा कि 1,000 रुपये मासिक पेंशन योजना में नामांकन की संख्या बेहद अधिक है।

- उच्च पेंशन श्रेणी को चुनने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान
- सामाजिक सुरक्षा योजना एपीवाई से नौ करोड़ लोग जुड़ चुके
- वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.35 करोड़ नए अंशधारक जोड़े गए

30 साल बाद क्या 1000 रुपए पर्याप्त होते हैं

नागराजू ने कहा, '' जब हम अपने नामांकन आंकड़ों का जश्न मनाते हैं, तो हमें खुद से पूछना चाहिए: क्या 20 या 30 साल बाद 1,000 रुपये प्रति माह हमारे अंशधारकों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करेगा? एक श्रेणी में इतने लोगों का होना दर्शाता है कि नामांकन के समय हमारी परामर्श प्रक्रिया को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

स्टेट बैंक ने दो करोड़ ग्राहकों का आंकड़ा हासिल किया

नागराजू ने कहा कि बैंकों को पेंशन के लाभ के बारे में लोगों को बताने के नए तरीके विकसित करते रहना चाहिए। साथ ही यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर नागरिक चाहे उसकी साक्षरता का स्तर कुछ भी हो, वह यह समझ सके कि यह केवल बचत योजना नहीं बल्कि उनके भविष्य की गारंटी की सुरक्षा है। उन्होंने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक ने इसमें दो करोड़ ग्राहकों का ऐतिहासिक आंकड़ा हासिल किया है।

जीवनभर की सुरक्षा का आधार बन सके : नागराजू ने कहा कि बैंकिंग साझेदारों को नियमित योगदान सुनिश्चित करने पर ध्यान देते हुए निरंतरता एवं स्थायित्व को प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि एक पंजीकृत खाता जीवनभर की सुरक्षा का आधार बन सके। नागराजू ने कहा कि अन्य शहरी क्षेत्रों में बड़ी अप्रयुक्त संभावनाएं हैं।

निजी बैंक शहरी नेटवर्क को सक्रिय करें : वित्तीय सेवा सचिव ने कहा, '' मैं विशेष रूप से निजी क्षेत्र के बैंकों से आग्रह करता हूं कि वे अपने शहरी नेटवर्क को पूरी तरह सक्रिय करें ताकि असंगठित कार्यबल, रेहड़ी पटरी वाले, डिलिवरी साझेदार और घरेलू सहायकों तक पहुंच बनाई जा सके जो हमारे शहरों की अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं लेकिन उनके पास सुरक्षा नहीं है।

ग्राहकों को सक्रिय मार्गदर्शन करे बैंक

हमारे बैंकिंग भागीदारों को ग्राहकों को सक्रिय रूप से मार्गदर्शन करना चाहिए ताकि वे एक ऐसा उपयुक्त विकल्प चुन सकें जो वास्तव में उनकी भविष्य की जरूरतों एवं वर्तमान सामर्थ्य को दर्शाता हो। इसे सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के लिए कुछ ऐसे क्षेत्रों का उल्लेख किया जो एपीवाई ग्राहकों को जोड़ने में मदद करते हैं।

सोना 1,300 रुपए बढ़कर 1.64 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमतें 1,300 रुपये बढ़कर 1.64 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। यह बढ़ोतरी अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच विदेशी व्यापार में आई तेजी का नतीजा है। स्थानीय बाजार के जानकारों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,300 रुपये बढ़कर 1,64,900 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई, जो मंगलवार के बंद भाव 1,63,600 रुपये प्रति 10 ग्राम से अधिक है। अमेरिकी बॉन्ड के उच्च प्रतिफल तथा डॉलर मजबूत होने के बावजूद कीमती धातुओं में नई खरीदारी से सोने की घरेलू कीमतों को समर्थन मिला। चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे सत्र में गिरावट रही। चांदी की कीमत 5,000 रुपये टूटकर 2,66,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई।

आखिरी घंटे की खरीदारी से घरेलू शेयर बाजार नुकसान से उबरा

मुंबई। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच अंतिम घंटे की खरीदारी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में उछाल से बुधवार को घरेलू शेयर बाजार गिरावट से उबरकर बंद हुए। सेंसेक्स 117 अंक चढ़ा जबकि निफ्टी में 41 अंक की तेजी रही। विश्लेषकों के मुताबिक, कच्चे तेल और रुपये में कमजोरी से जुड़ी चिंताओं के बावजूद कारोबारी सत्र के अंतिम घंटे की लिवाली ने बाजार को समर्थन देने का काम किया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 117.54 अंक चढ़कर 75,318.39 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 671.44 अंक टूटकर 74,529.41 अंक तक आ गया था।

बिजनेस साइट

पतंजलि ने खोजे 1011 औषधीय पौधे, उत्तराखंड में बना नया शोध रिकॉर्ड

हरिद्वार। योग एवं आयुर्वेद के क्षेत्र में कार्यरत पतंजलि योगपीठ ने उत्तराखंड के जनजातीय क्षेत्रों में औषधीय वनस्पतियों की खोज को लेकर बड़ा दावा किया है। संस्था के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की टीम ने राज्य के पांच जनजातीय जिलों में अध्ययन कर 1011 औषधीय पौधों की पहचान की है। यह संख्या अब तक उत्तराखंड में दर्ज लगभग 1300 औषधीय पौधों के रिकॉर्ड के बेहद करीब पहुंच गई है। आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण के निर्देशन में देहरादून, चमोली, पिथौरागढ़ और ऊधमसिंहनगर सहित कई क्षेत्रों में व्यापक सर्वेक्षण किया गया। शोध टीम ने 122 गांवों और 14 तहसीलों में पहुंचकर स्थानीय जनजातीय समुदायों से पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान एकत्र किया। अध्ययन में जौनसारी, भोटिया, थारू, बुक्सा और वन राजी जनजातियों की सक्रिय भागीदारी सामने आई। पतंजलि ने पहली बार जनजातीय समुदायों की जियो टैगिंग कर लगभग 28 हजार परिवारों का डेटा भी तैयार किया है। संस्था ने 'अन्नदाता' एप के माध्यम से जनजातीय उत्पादों को सीधे बाजार से जोड़ने की पहल भी शुरू की है। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि जनजातीय समाज के पास मौजूद पारंपरिक औषधीय ज्ञान मानवता की अमूल्य धरोहर है, जिसे वैज्ञानिक रूप से संरक्षित करना समय की आवश्यकता है।

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI

आंचलिक कार्यालय, स्टार हाऊस, प्रथम तल, प्लॉट नंबर 48, सेक्टर-24, नया रायपुर, छत्तीसगढ़ 492101

ई-नीलामी सूचना मेगा ऑक्शन अंतर्गत

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) व 1 के अधीन अंचल संपत्ति की बिक्री की सूचना

ई-नीलामी तिथि एवं समय : 25.06.2026, प्रातः 11.00 से सायं 5.00 तक

ई-नीलामी उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत जारी नोटिस के अनुसार बैंक ऑफ इंडिया की ओर से बैंक के अधिकृत अधिकार द्वारा नीचे उल्लेखित सम्पत्तियों का कब्जा लिया गया था। अधिकृत अधिकारी द्वारा उधारकर्ता ने बैंक ऑफ इंडिया, के निम्न शाखाओं के खातों की वसूली के लिये उक्त अधिनियम के नियम 8 एवं 9 अधीन नीचे वर्णित सम्पत्तियों का सार्वजनिक नीलामी द्वारा जैसा है जहाँ है एवं जिस अवस्था में है के आधार पर विक्रय करने का निर्णय लिया गया है।

क्र.	शाखा और उधारकर्ता/जमानतदार के नाम	बंधक संपत्ति का विवरण		आरक्षित मूल्य(लाख में) / ई.एम.डी. (लाख में) / बोली बढ़ोतरी (लाख में)	अ) मांग सूचना दिनांक ब) कब्जा दिनांक स)बकाया राशि(लाख में)
01	कवर्धा शाखा:- उधारकर्ता - मेसर्स माँ बंजारी गुड़ उद्योग, प्रो.- श्री नरेंद्र चंद्रवंशी	(अ) खसरा नं. 252/14, प.ह नं.18, ग्राम-गंडईकला, कवर्धा मेन रोड, तहसील एवं जिला-कबीरधाम (छ.ग.) पर स्थित सामयिक बंधक संपत्ति, मालिकाना हक- पट्टेदार मेसर्स मां बंजारी गुड़ उद्योग. पट्टादाता के नाम: 1. नरेंद्र कुमार चंद्रवंशी, 2. वीरेंद्र कुमार चंद्रवंशी, 3. नीरेंद्र कुमार चंद्रवंशी.पट्टेदार: मेसर्स मां बंजारी गुड़ उद्योग. सीमाएँ:-उत्तर : रामावतार की भूमि, दक्षिण : दुखी राम की भूमि, पूर्व : सड़क , पश्चिम : राजकुमार की भूमि. (सांकेतिक कब्जा)	अ	₹ 32.25 / ₹ 3.22 / ₹ 0.25	अ) 02.11.2023 ब) 18.01.2024 स) ₹ 14.25 + ब्याज एवं अन्य खर्चें
		(ब) प्लांट एवं मशीनरी -समस्त प्लांट व मशीनरी मेसर्स मां बंजारी गुड़ उद्योग- खसरा नं 252/14, प.ह नं.18, ग्राम-गंडईकला-कवर्धा रोड, तहसील-बोडला, जिला-कबीरधाम (छ.ग.) पर स्थापित हैं। (भौतिक कब्जा)	ब	₹ 4.08 / ₹ 0.40 / ₹ 0.25	

ई-नीलामी द्वारा वाहन विक्रय सूचना (ई-नीलामी तिथि 25.06.2026)

हमारी शाखा द्वारा जब्त किये गये वाहनों का "जहाँ है जैसा है" आधार पर निविदा द्वारा विक्रय किया जाना प्रस्तावित है:-

क्र.	शाखा का नाम एवं उधारकर्ता का नाम	वाहन का विवरण	आरक्षित मूल्य / ई.एम.डी. / बोली वृद्धि राशि
1.	एआरबी (रायपुर) शाखा:- श्री धनेश सिंह पिता श्री जमुना सिंह	Tractor :- Vehicle No. CG10BV2331, Make & Model – Ashok Leyland AVTRN5525 TT 3400 MM WB9 Speed Gear Box With new Generation Eco Cabin fully buit trailer, BS6 Diesel Engine. Chasis No. MB1T2VLD3RPKB0992, Engine No. RLPZS04067 *Vehicle Parked at Yard of Rohi Recovery.	₹ 31,91,000 / ₹ 3,19,100 / ₹ 25,000

ई- ऑक्शन की तारीख और समय–दिनांक : 25.06.2026, सुबह 11.00 से सायं 05.00 बजे, सीमा रहित 10 मिनट के अंतराल के एक्सटेंशन के साथ, प्रत्येक निरीक्षण की तारीख और समय – 21.05.2026 से 24.06.2026 सुबह 11.00 से दोपहर 03.00 बजे के बीच कार्यालयीन दिवस में।

नोटः–कोई भी बोलीकर्ता/ इच्छुक पक्ष प्लांट एवं मशीनरी के लिये बोली लगा सकता है, परंतु भूमि एवं भवन के लिये बोली लगाने हेतु, बोलीदाता को प्लांट और मशीनरी के लिये अनिवार्य बोली लगानी पड़ेगी क्योंकि किसी भी परिस्थिति में भूमि एवं भवन को स्वतंत्र रूप से बोली नहीं लगायी जा सकती।

उधारकर्ताओं / बंधक–कर्ताओं को 30 दिन का बकाया सूचना

उपरोक्त उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं को यह सूचित किया जाता है की सूचना पत्र में उल्लेखित राशि को मय ब्याज एव खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें अन्यथा बंधक रखी संपत्ति की नीलामी ऊपर दर्शायी गई दिनांक को कर दी जावेगी, उसके पश्चात शेष राशि के लिए अलग से वसूली की जावेगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - कवर्धा शाखा: संदीप एक्का, 8770821780, एआरबी (रायपुर) शाखा: सूरज कुमार - 7717741309, ई.एम.डी. भुगतान तथा तकनीकी जानकारी के लिए जोनल अधिकारी – श्री रमा राव, मो. 99084 84996.

ई-नीलामी के नियम एवं शर्तें: 1. नीलामी बिक्री / बोली, वेबसाइट https://baanknet.com के माध्यम से ऑनलाइन इलेक्ट्रानिक बिडिंग प्रक्रिया द्वारा की जायेगी। 2. **बोलीकर्ताओं की सुविधा के लिए वेबसाइट https://baanknet.com में जा कर "Guidelines" देख सकते हैं।** 3. बोली राशि आरक्षित मूल्य से अधिक होनी चाहिए 4. सर्वाधिक / सफल बोलीकर्ता का विक्रय के सम्बंध में अधिकृत अधिकारी द्वारा बोली स्वीकार करने के बाद बोली/क्रय मूल्य के 25 प्रतिशत के बराबर की राशि में पहले से जमा बयाना राशि घटाकर शेष बची राशि अगले कार्य दिवस में जमा कराना होगा। अन्यथा उसकी बयाना राशि जब्त कर ली जायेगी। 5. क्रयमूल्य कि 75 प्रतिशत राशि का भुगतान अधिकृत अधिकारी द्वारा बिक्री कि पुष्टि करने से 15 दिन या उससे पहले अथवा उस बढ़ाई हुई अवधि के भीतर शेष राशि जमा नहीं करा पाने कि दशा में जमा राशि को जब्तकर लिया जायेगा एवं अधिकृत अधिकारी बैंक नीलामी को रद्द कर नये सिरे से नीलानी करने हेतु स्वतंत्र होंगे। 6. अधिकृत / सफल बोलीकर्ता की दशा में बयानाराशि का क्रय मूल्य में समायोजित कर दिया जायेगा एवं असफल बोलीकर्ताओं baanknet के द्वारा वापस कर दिया जायेगा। बयाना राशि पर किसी प्रकार का ब्याज देय नहीं होगा। 7. सम्पत्ति का **जैसा है, जहाँ है** एवं बिना किसी सहारे के आधार पर बेचा जायेगा। इच्छुक बोलीकर्ताओं नीलामी में शामिल होने में पूर्व सम्पत्ति पर किसी भी प्रकार का देय आदि के बारे में जानकारी स्वयं प्राप्त करें। 8. **अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास स्व-विवेक से बिना किसी पूर्व सूचना एवं कारण बताये किसी भी बोली को स्वीकृत या अस्वीकृत करने अथवा बिक्री को स्थगित करने / टालने रद्द करने अथवा बिक्री की नियम व शर्तों को संशोधित करने का सम्पूर्ण अधिकार है।** 9. सम्पत्ति के क्रेता को सरकार को देय सभी वैधानिक देयक एवं सम्पत्ति से संबंधित सभी वर्तमान एवं भविष्य के कर, दर व देयक वहन करना होगा। 10. देय राशि ब्याज और अन्य शुल्कों को छोड़कर है। 11. इस नीलामी से संबधित किसी भी तरह का संशोधन/त्रुटि सुधार/शुद्धिपत्र भविष्य में अखबार के माध्यम से प्रकाशित नहीं किया जायेगा कृपया इच्छुक नियमित रूप से ऊपर दी गई वेबसाईट से संज्ञान लेवें। 12. इस नीलामी की प्रक्रिया बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारी नहीं बोली लगा सकते। 13. इच्छुक बोलीकर्ता को यूजर आई डी-व पासवर्ड स्वयं बनाना है। जिसे बनाने में न्यूनतम 2 दिन का समय लगता है। अतः बोलीकर्ता से निवेदन है कि यूजर आई.डी. अंतिम तिथि से पूर्व ही बनी लें। 14. एक बोली लगाने वाला (बोलीकर्ता) होने की स्थिति में बोली फॉर्म में उद्धत बोली राशि में न्यूनतम एक बोली वृद्धि मूल्य की बढ़ोत्तरी करनी होगी, अन्यथा विक्रय निरस्त / स्थगित किया जायेगा।

किसी भी तरह की विवाद की स्थिति में इस ई–नीलामी जो कि दिनांक 21.05.2026, सेंट्रल क्रॉनिकल का अंग्रेजी संस्करण के प्रकाशन ही मान्य होगा।

दिनांक : 21.05.2026, स्थान : रायपुर — अधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया

FEDERAL BANK YOUR PERFECT BANKING PARTNER

- रायपुर मुख्य शाखा - एलसी आर्केड, भूतल, वंदना बजाज के पास, आश्रम चौक, रामकुण्ड, जी.ई. रोड, रायपुर (छ.ग.) - 492001
- रायपुर क्लस्टर : कुशल वाटिका, न्यू शांति नगर, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)- 492007

स्वर्ण नीलामी हेतु सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा आम जनता तथा विशेष रूप से उधारकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि उधारकर्ता कई बार याद दिलाने के बावजूद निर्धारित समय के भीतर नीचे उल्लिखित स्वर्ण ऋणों का भुगतान करने तथा गिरवी रखे गए स्वर्ण आभूषणों को छुड़ाने में विफल रहे हैं।

उधारकर्ताओं से अनुरोध है कि वे संबंधित स्वर्ण ऋण खातों के अंतर्गत बैंक को देय संपूर्ण राशि, लागू ब्याज, लागत और अन्य शुल्कों का भुगतान 22.06.2026 को या उससे पहले कर दें और स्वर्ण आभूषणों को छुड़ा लें। ऐसा न करने पर बैंक को गिरवी रखे गए स्वर्ण आभूषणों की नीलामी करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा, और यह कार्रवाई उधारकर्ताओं को बिना किसी पूर्व सूचना के की जाएगी।

*उधारकर्ता की मृत्यु की स्थिति में, ऋण के अंतर्गत दायित्व उधारकर्ता के कानूनी वारिसों पर लागू होंगे।

यह सूचना फेडरल बैंक लिमिटेड के अन्य कानूनी अधिकारों और उपायों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जारी की जाती है।

कृपया ध्यान दें कि नीलामी आयोजित होने से पूर्व नीलामी का विज्ञापन समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाएगा।

द फेडरल बैंक लि., रायपुर मुख्य शाखा - एलसी आर्केड, भूतल, वंदना बजाज के पास, आश्रम चौक, रामकुण्ड, जी.ई. रोड, रायपुर (छ.ग.) - 492001, मो. नं. - 8249818792, 6290300230

स. क्र.	उधारकर्ता का नाम	ऋण खाता क्र.	कुल बकाया राशि दि. 18.05.2026 तक (डेबिट शेष)
1.	राणाजीत चट्टराज	14456100039377	68,352.33
2.	शेख सोहेब	14455600003354	11,04,766.88
3.	अमरीन खान	14455600002844	4,92,508.91
4.	शिरिन पी राज	14455600002794	3,57,637/-
5.	के. श्वेता राय	14456100039716	1,16,529/-
6.	भोलाशंकर सोनकर	14456100039526	1,73,340/-
7.	रूपेश छत्तानी	14455600003313	80,018/-

द फेडरल बैंक लि., कुशल वाटिका, न्यू शांति नगर, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.) - 492007, फोन नं. 07712422900

स. क्र.	उधारकर्ता का नाम	ऋण खाता क्र.	कुल बकाया राशि दि. 18.05.2026 तक (डेबिट शेष)
1.	सुभाष एस	19455600002146	63024.12
2.	पूजा रिझवानी	19456100029761	2,20,667/-
3.	राकेश देवनानी	19456900002521	4,40,539.40
4.	राम सूरत यादव	19456400020320	3,66,805/-
5	राम सूरत यादव	19456900000780	47,26,158.55
6.	ललित रिझवानी	19455600002377	9,85,025.07
7.	किशोर बजाज	19455600002351	15,00,000/-
8.	सरला राठौर	19456900001481	1,91,845.28
9.	आकांक्षा लोडवाल	19456400020981	12,32,605.27
10.	एल. जगदीश रेड्डी	19456900001143	6,05,433.02
11.	एल. जगदीश रेड्डी	19456900001911	1,71,124/-
12.	एल. जगदीश रेड्डी	19456900001200	3,33,595/-
13.	आरती कक्कड़	19456400020676	7,66,524/-
14.	आरती कक्कड़	19456400020684	1,47,133/-
15.	मंजू अगरवाल	19456400019330	10,28,821.40
16.	योगिता बरमेड़ा	19456100029431	1,68,021.20
17.	सुमीत ठाकुर	19456100029456	42,753/-
18.	सुमीत ठाकुर	19456100029464	1,78,372/-
19.	रजनी रंजन	19456900001473	1,78,295/-
20.	सुमीत ठाकुर	19456100029472	1,91,890/-
21.	रजनी रंजन	19456900001598	3,20,329.12
22.	मानब मोण्डल	19456900002828	6,19,768/-
23.	मानब मोण्डल	19456400020627	26,43,226.44
24.	मानब मोण्डल	19456900002299	26,89,622/-
25.	सुमीत सोनी	19456400019892	14,21,987.38
26.	मानब मोण्डल	19456900003115	22,50,000/-
27.	स्नेहा सिंह	19455600002252	1,20,935/-
28.	बिस्वजीत दास	19456900002372	18,54,808.20
29.	अजय नायक	19456900002463	18,33,383.10
30.	अजय नायक	19456900002430	12,06,421/-
31.	आरती कक्कड़	19456900002984	1,86,795/-

द फेडरल बैंक लि., विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा), दक्षिण गंगोत्री, व्यवसायिक भूखण्ड योजना, सुपेला भिलाई नगर, दुर्ग (छ.ग.)-490023, मो. नं. : 8249818792, 6290300230

स. क्र.	उधारकर्ता का नाम	ऋण खाता क्र.	कुल बकाया राशि दि. 18.05.2026 तक (डेबिट शेष)
1.	आनंद निषाद	25036100000061	40,309.50

द फेडरल बैंक लि., गुरूकृपा बिल्डिंग, व्यापार विहार मेन रोड, बिलासपुर (छ.ग.) - 495001, फोन नं. - 07752-261462

स. क्र.	उधारकर्ता का नाम	ऋण खाता क्र.	कुल बकाया राशि दि. 18.05.2026 तक (डेबिट शेष)
1.	नवीन कुमार चौहान	16666900005448	10,23,705/-
2.	सतीश पहुचेल	16666900001975	47,418/-
3.	सतीश पहुचेल	16666900004003	41,036/-
4.	सत्यानंद बंजारे	16666400053203	1,20,877.60
5.	सत्यानंद बंजारे	16666400053781	20,344/-
6.	सत्यानंद बंजारे	16666400055240	1,47,054/-
7.	सत्यानंद बंजारे	16666400055828	1,54,760/-
8.	आलोक कुमार	16666100010248	10,882/-
9.	आलोक कुमार	16666100010230	57,202/-

दिनांक : 20.05.2026
स्थान : रायपुर
हस्ता./–
प्राधिकृत अधिकारी, द फेडरल बैंक लि.

ई-नीलामी सूचना

ऋणवसूली अधिकरण, भारत सरकार,
वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवायें विभाग (बैंकिंग प्रभाग)
द्वितीय एवं तृतीय तल, संचार विकास भवन (BSNL बिल्डिंग), रेजीडेंसी रोड, हेड पोस्ट ऑफिस के पास, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर-(मप्र) 482001

Case No. : RC 117/2019 / ओ.ए. नं. 46/2018

ई-नीलामी क्रमांक 115/2026

Punjab National Bank वि. M/S SAI BABA AGRO एवं अन्य में पारित वसूली प्रमाण पत्र क्रमांक RC No. RC 117/2019 / O.A. No. 46/2018 में जारी राशि की वसूली हेतु प्रमाण पत्र Rs. 68,47,537.67 (Rupees Sixty Eight Lakh Forty Seven Thousand Five Hundred Thirty Seven and Sixty Seven Paise only) उस खाते पर 12.00 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से दिनांक 10.01.2018 से ब्याज एवं वसूली हेतु निम्नलिखित संपत्ति ऑनलाइन ई-नीलामी प्रक्रिया के तहत वेबसाईट https://www.bankeauctions.com के माध्यम से की जायेगी।

ई- नीलामी की तिथि एवं समय- 03/07/2026 दोपहर 12.00 से 01.00

संपत्ति की अनुसूची

Freehold diverted Land of Khasra No.-728/1, area 0.033 hect and Khasra No.-729/1, area 0.129 hectare, total area 0.162 hect., i.e., 1619.33 sq.mtr or 17424 sq.ft., with building/structure of factory shed, etc., situated at Mouza Kanketara, P.C. No.-19, Tehsil & District-Rajnandgaon (C.G.); property in the name of Shri Shrichand Wadhwani S/o Shri Sugan Chand Wadhwani.

प्रारक्षित मूल्य- रूपये **Rs. 1,40,40,000.00 (Rupees One Crore Forty Lakh Forty Thousand only);**

विक्रय की शर्तें

1. इच्छुक निविदाकर्ता वैध डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र धारक होना चाहिए। अधिक विवरण हेतु **M/s. C-1 India Pvt. Ltd., website: https://www.bankeauctions.com; Helpline No.0124-4302020/21/22/23/24, for help a bidder in e-auction contact to Mr. Mithalesh Kumar on Mob. No. 7080804466; E-mail id:-mpcg@c1india.com or E-mail ID: support@bankeauctions.com** 2. इच्छुक निविदाकर्ता को सूचित किया जाता है कि निविदा जमा करने के पूर्व वेब साईट https://www.bankeauctions.com पर उपलब्ध नीलामी बिड प्रपत्र तथा विस्तृत नियमों व शर्तों का अवलोकन कर लें। 3. बिड केवल ऑनलाईन माध्यम से निर्धारित प्रपत्र पर पहचान पत्र की प्रति साथ संलग्न कर जमा करनी होगी (विस्तृत नियम व शर्तो का संदर्भ लें)। 4.अग्रिम जमा धरोहर राशि (ईएमडी) हेतु प्रारक्षित मूल्य की 10 प्रतिशत राशि जो रूपये **Rs. 14,04,000.00 (Rupees Fourteen Lakh Four Thousand only);** है, **RTGS / NEFT / MONEY TRANSFER** द्वारा वसूली अधिकारी, ई-नीलामी खाता, ऋण वसूली अधिकरण जबलपुर के नाम से धारित **Account no. 20020210000380** in the name of Recovery Officer, E-auction account, DRT Jabalpur with **UCO BANK, NAVYUG COLLEGE BRANCH, JABALPUR. (IFSC Code: UCBA0002002)** में आवश्यक रूप से जमा करनी होगी तथा उक्त राशि का प्रेषण बिड प्रपत्र में सुस्पष्ट रूप से उल्लेखित करना होगा। **5. निविदा ऑनलाईन माध्यम से दिनांक 01/07/2026 अथवा इसके पूर्व 17-00 बजे तक जमा करनी होगी।** 6. ऑनलाईन माध्यम से जमा बिड प्रपत्र तथा अनुलग्न कों की प्रति वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, द्वितीय एवं तृतीय तल, संचार विकास भवन (BSNL बिल्डिंग), रेजीडेंसी रोड, हेड पोस्ट ऑफिस के पास, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर को प्रेषित करनी होगी तथा शीघ्र अति शीघ्र भेजने के लिए सर्विस प्रोवाईडर को सूचित किया जाता है और वह, सभी नीलामी के खरीददारों की सूचि एवं अन्य दस्तावेज उपलब्ध करावें। 7. ऑनलाईन नीलामी बोली प्राप्त बिड में से अधिकतम बोली से प्रारंभ होगी तथा प्रत्येक बिड वृद्धि राशि न्यूनतम रू **Rs.1,50,000.00 (Rupees One Lakh Fifty Thousand only);** होगी। ऑनलाईन बिड में समय समाप्त के पूर्व बिड डालने पर सिस्टम द्वारा अपने आप 5 मिनिट का समय बढ़ता रहेगा। 8. असफल बोली कर्ताओं की अग्रिम धरोहर राशि (ईएमडी) वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, जबलपुर द्वारा उसी खाते में वापिस की जायेगी, जिससे कि उसका भुगतान हुआ है, तथा इस संबंध में कोई भी पूछताछ स्वीकार्य नहीं होगी। इच्छुक निविदा कर्ता द्वारा अग्रिम धरोहर राशि (ईएमडी) जमा किये जाने के पश्चात् वे जबतक असफल बोली कर्ता घोषित नहीं किये जाते तब तक ईएमडी राशि वापस नहीं ले सकते अन्यथा राशि जप्त कर ली जायेगी। 9. सफल बोली कर्ता को विक्रय उसके पक्ष में घोषित किये जाने की स्थिति में, 25 प्रतिशत बोली राशि (ईएमडी राशि को समायोजित करते हुए) अगले दिन RTGS/NEFT/Money Transfer के द्वारा कंडिका- 4 में उल्लेखित खाते में जमा करनी होगी। 10. सफल बोली कर्ता को विक्रय मूल्य की शेष 75 प्रतिशत राशि, एवं विक्रय मूल्य का 1 प्रतिशत पोन्डेज शुल्क तथा रू 10 (प्रति संपत्ति अलग अलग) सहित नीलामी के 15 दिनों के अन्दर या यदि 15 वा दिन रविवार अथवा अन्य अवकाश हो तो, 15वें दिन पश्चात् प्रथम कार्यालयीन दिवस को उपरोक्त उल्लेखित क्रमांक 4 में दर्शित खाते में समयावधि में भुगतान करना होगा। भुगतान में चूक करने पर संपत्ति की नई विक्रय उद्घोषणा जारी करने के पश्चात् पुनः विक्रय की जायेगी। अधो हस्ताक्षर कर्ता द्वारा उक्त राशि शासन के पक्ष में जप्त कर ली जायेगी तथा तत्पश्चात विक्रय होने वाली संपत्ति अथवा राशि के किसी अंश पर चूककर्ता बोली कर्ता के समस्त दावे समपहृत होंगे। 11. संपत्ति **"जहां है जैसी है तथा बिना किसी शिकायत"** के आधार पर विक्रय की जायेगी। 12. संपत्ति का निरिक्षण दिनांक **22.06.2026 प्रातः 12 बजे से 16 बजे** तक किया जा सकेगा। 13. संपत्ति प्रारक्षित मूल्य से कम मूल्य पर विक्रय नहीं की जायेगी। 14. वसूली अधिकारी को किसी बोली को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का या बिना कोई कारण बताये नीलामी को आगे बढ़ाने या स्थगित करने का निर्बाध अधिकार होगा। 15. इच्छुक निविदाकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि वे **Mr. Raghubansh Narayan Singh, Chief Manager, Mo. No. 0771-2210435** में उपलब्ध संपत्ति के स्वत्वाधिकार विलेख का निरीक्षण कर लें तथा संपत्ति की पहचान एवं विवरणी सही होने तथा प्रभारों आदि की पड़ताल कर लें। इस संबंध में वूसली अधिकारी किसी तरह से जिम्मेदार नहीं होगा। संपत्ति का विवरण बैंक द्वारा प्रदत्त दस्तावेज पर आधारित है। 16. ई- नीलामी के संबंध मे विवरण **M/s. C-1 India Pvt. Ltd., website: https://www.bankeauctions.com; Helpline No.0124-4302020/21/22/23/24, for help a bidder in e-auction contact to Mr. Mithalesh Kumar on Mob. No. 7080804466; E-mail id:-mpcg@c1india.com or E-mail ID: support@bankeauctions.com** 17. संपत्ति से संबंधित अधिक जानकारी **Mr. Raghubansh Narayan Singh, Chief Manager, Mo. No. 0771-2210435** से प्राप्त की जा सकती है। 18. इच्छुक निविदाकर्ता ई- नीलामी प्रक्रिया में अपने स्वयं के कार्यालय/स्वेच्छा के स्थान से बोली हेतु सम्मिलित हो सकते हैं। प्रत्येक निविदाकर्ता द्वारा इंटरनेट कनेक्टीविटी स्वतः सुनिश्चित करनी होगी। डीआरटी/ बैंक/ सेवा प्रदाता किसी भी प्रकार से इंटरनेट कनेक्टीविटी, नेटवर्क समस्या, तंत्र विक्षेप, विद्युत व्यवधान आदि के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

(प्रीति देसाई)
वसूली अधिकारी-1
ऋण वसूली अधिकरण, जबलपुर, म.प्र.

स्थान- जबलपुर,
दिनांक- 08/05/2026

---

pnb पंजाब नैशनल बैंक
सीओ-एसएएम, रायपुर (छ.ग.)

ई-नीलामी तिथि - 16.06.2026
समय: सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक

सरफेसी अधिनियम 2002 (2002 का अधिनियम 54) के अन्तर्गत बैंक में बंधक रखी गई अचल संपत्ति की बिक्री

APPENDIX-IV-A [See proviso to rule 8(6)]

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पूर्ननिर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अचल संपत्तियों की ई-निलामी सूचना सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के तहत जारी की जा रही है। इस सूचना के द्वारा उधारकर्ताओं, जमानतदाताओं तथा आम जनता को सूचित किया जाता है। कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ सुरक्षित लेनदार के पास बंधक है एवं इन संपत्तियों को बैंक के प्रधिकृत अधिकारी द्वारा रचनात्मक/भौतिक /सांकेतिक द्वारा अधिकार में ले लिया गया है। इन संपत्तियो की विक्रय "जहाँ है जैसा है" जो भी है जैसा भी है" नीचे दिये कॉलामो में वर्णित तिथि में बैंक/सुरक्षित लेनदार के देय राशि उधारकर्ताओं तथा जमानतदारो से वसुली के लिए किया जा रहे है। आरक्षित मूल्य तथा ब्याना राशि नीचे तालिका में संपत्तियों के समस्त दर्शाई गई है।

सुरक्षित संपत्तियों की अनुसुची

क्र.	खाताधारक का नाम / उधारकर्ता / जमानतदार का नाम व पता / शाखा का नाम	बंधक चल/अचल संपत्तियों का विवरण / मालिक का नाम	1) 13(2) के तहत डिमांड नोटिस की तिथि 2) बकाया राशि 3) कब्जा तिथि सरफेसी एक्ट 2002 के नियम 13(4) के तहत 4) कब्जा की प्रकृति	आरक्षित मूल्य (लाख में) / ईएमडी (लाख में) / बोली वृद्धि राशि-10000/- प्रत्येक संपति के लिये
1	उधारकर्ता- श्रीमती कृतिका शर्मा पति श्री तरण शर्मा, मेन मार्केट, न्यू खुर्सीपार, वार्ड नंबर 36, भिलाई, जिला- दुर्ग, छ.ग. 490011, जमानतदार- श्री अजय कुमार गोयल पिता श्री सतीश गोयल, पता- साकेत कॉलोनी, कातुलबोड़, वार्ड क्रमांक 59, एसएएफ लाइन्स, भिलाई, जिला- दुर्ग, छ.ग., 490022. शाखा- सिविक सेंटर, भिलाई (007600), संपर्क करें: श्री अजीत साहू, 94075-47533	आवासीय प्लाट - खसरा नंबर- 302/3, प. ह नं 29/42, ग्राम- उमरपोटी, पेट्रोल पंप से रेलवे लाइन रोड, आरएनएम- अंडा, भिलाई, जिला- दुर्ग, छ.ग. में क्षेत्रफल: 1500 वर्गफुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक: श्रीमती कृतिका शर्मा पति श्री तरण शर्मा, सीमाएँ - उत्तर: गुंजा बाई द्वारा बेची गई भूमि, दक्षिण: सुभाष चंद्र नायक की भूमि, पूर्व: हाफिज-उल्ला खान की भूमि, पश्चिम: सड़क; भौगोलिक निर्देशांक: 21.139727,81.347424	1) 05-01-2024 2) रू 19,52,601.62 + दिनांक 05-01-2024 से ब्याज प्रभावी 3) 18-05-24 को सांकेतिक कब्जा	रू 20.25 लाख / रू 2.03 लाख
2	उधारकर्ता - श्री राजेंद्र सिंह पिता श्री निक्का सिंह, सह-उधारकर्ता- श्रीमती कुलदीप कौर पति श्री राजेंद्र सिंह, पता- (1) डीएलएक्स मकान नं. 180ए, कबीर नगर, रायपुर (छ.ग) (2) मकान नं. ए34, जी.के. टाउनशिप, सेक्टर नं 2, सिलतरा, तहसील एवं जिला- रायपुर (छ.ग) (3) मकान नं 1, घोर तालाब, छुरिया ब्लॉक, सड़क चिरचारी, राजनांदगांव, (छ.ग) 491557 (4) अटल आवास तिरैयान, मकान नं 287, वार्ड नंबर 11, कुरा जी.पी., धरसींवा, तिल्दा चौक के पास, रायपुर (छ.ग) एवं जमानतदार - श्री मनिंदर सिंह पिता श्री राजेंद्र सिंह,पता- (1) मकान नं 1, घोर तालाब, छुरिया ब्लॉक, सड़क चिरचारी, राजनांदगांव (छ.ग) 491557 (2) मिहान सेर गेट नंबर 4, सर्वे, 72वी- दहेगांव, पोस्ट कुमापरी हिंगनगर, नागपुर, महाराष्ट्र (3) 24, इंप्रियन विस्ट्या, दूसरी मंजिल, 9वां अपार्टमेंट, कोठेवाड़ा, गुमगांव गांव, नागपुर, महाराष्ट्र, 441108, शाखा- अनुपम नगर (296600), संपर्क करें: श्री पराग गुप्ता, 8822769909	आवासीय भूमि एवं मकान - मकान नं ए 34, जी.के. टाउनशिप, सेक्टर नं 2, खसरा नं 555/3 का भाग, प.ह नं 90 (नया 20), रायपुर से बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के पास, मौजा- सिलतरा, आरएनएम धरसींवा-1, तहसील एवं जिला- रायपुर, छत्तीसगढ़ में क्षेत्रफल- 1000 वर्गफीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्रीमती कुलदीप कौर पति श्री राजेंद्र सिंह। सीमाएं- उत्तर: मकान नं ए35, दक्षिण: मकान नं ए33, पूर्व: मकान नं बी6, मकान नं 14, पश्चिम: सड़क; भौगोलिक निर्देशांक: 21.384463, 81.671815	1) 15-04-2019 2) रू 14,04,814.00 + दिनांक 31/03/2019 से ब्याज प्रभावी 3) 16-07-19 को सांकेतिक कब्जा	रू 17.93 लाख / रू 1.80 लाख
3	उधारकर्ताओं: 1) श्रीमती पूजा पांडे पति श्री विक्रांत पांडे, 2) श्री विक्रांत पांडे पिता श्री राकेश पांडे, दोनों का पता-1) मकान नंबर 2, न्यू गवर्नमेंट फ्लैट, पेंशन बाड़ा, रायपुर, छ.ग, 492001, पता-2) फ्लैट नंबर 819, ब्लॉक-सी, रायपुरा, रायपुर, छ.ग.,492001 . शाखा कार्यालय : राजेंद्र नगर (917200), संपर्क: श्री चित्तरंजन मेहर, 7894797451	फ्लैट - फ्लैट नंबर 819, ब्लॉक सी,8वीं मंजिल, एलआईजी-2 बीएचके, इंद्रप्रस्थ फेज II योजना, रायपुरा, प.ह नंबर 104, खसरा नंबर 291, तहसील/जिला: रायपुर में क्षेत्रफल - 513.79 वर्ग फुट पर स्थित अचल संपत्ति का समस्त भाग तथा अंश , मालिकाना हक - श्रीमती पूजा पांडे पति श्री विक्रांत पांडे।	1) 21.04.2025 2) रू 7,54,783.90 + दिनांक 31.03.2025 से ब्याज प्रभावी 3) 02.09.25 को सांकेतिक कब्जा	रू 11.76 लाख / रू 1.17 लाख
4	उधारकर्ता: श्री चेट्टी अरुण पिता श्री चट्टी अवलैया, सह-उधारकर्ता: श्री चट्टी अवलैया पिता श्री पपैय्या,दोनों निवासी: फ्लैट नंबर 224, दूसरी मंजिल, जूही अपार्टमेंट, ट्विन सिटी, तालपुरी, रुआबांधा, भिलाई नगर, दुर्ग (छ.ग).शाखा- सेक्टर-6, भिलाई (096920), संपर्क करें: श्री सतीश चंद्र, 9560045725	आवासीय फ्लैट - फ्लैट नंबर 224, दूसरी मंजिल, जूही अपार्टमेंट, ट्विन सिटी, तालपुरी, रूआबांधा, भिलाई नगर, जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़, पिन 490006 में क्षेत्रफल- 658.62 वर्गफीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक - श्री चट्टी अवलैया पिता श्री पपैय्या, सीमाएँ- उत्तर: फ्लैट नंबर 223, दक्षिण: खुला क्षेत्र, पूर्व: खुला क्षेत्र, पश्चिम: फ्लैट नंबर 221; भौगोलिक निर्देशांक: 21.162330, 81.333276	1) 04.07.2024 2) रू 19,23,078.00 + दिनांक 15.06.2024 से ब्याज प्रभावी 3) 11.09.24 को सांकेतिक कब्जा	रू 17.78 लाख / रू 1.78 लाख
5	उधारकर्ता: 1. श्रीमती विमला सिंह पति श्री दुर्योधन सिंह बघेल, 2. श्री दुर्योधन सिंह बघेल पिता श्री रूपधर भगेल, पता: भारत माता चौक के पास, विकास नगर, गुढ़ियारी, मोबाइल टावर के पास, रायपुर, छ.ग. 492001, शाखा कार्यालय: राजेंद्रनगर (917200), संपर्क: श्री चितरंजन मेहर, 7894797451	आवासीय मकान- खसरा नंबर 493/2, गोगाँव, प.ह नंबर 107, तहसील/जिला: रायपुर, छत्तीसगढ़, में क्षेत्रफल- 1275 वर्ग फुट पर स्थित सामयिक बंधक संपत्ति, मालिकाना हक- श्री दुर्योधन सिंह बघेल पिता श्री रूपधर बघेल।	1) 08.10.2024 2) रू 17,05,249.00 + दिनांक 08.10.2024 से ब्याज प्रभावी 3) 12.09.25 को सांकेतिक कब्जा	रू 34.68 लाख / रू 3.46 लाख
6	उधारकर्ता- श्रीमती हेमलता देवांगन पति श्री श्याम देवांगन, सह-उधारकर्ता- श्री श्याम देवांगन पिता श्री नरसिंह देवांगन, दोनो का पता - ग्राम- सिवानी, पोस्ट - अदमाबाद, तहसील एवं जिला- बालोद (छ.ग) शाखा- बालोद, 610400 संपर्क: श्री बीरेंद्र कुमार 9997254254	आवासीय भूमि एवं भवन- खसरा नं. 331/24, प. ह. नं 22, ग्राम- देवरभाट, तहसील एवं जिला - बालोद में क्षेत्रफल 1524 वर्गफीट पर स्थित पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्रीमती हेमलता देवांगन पति श्री श्याम देवांगन, चौहदी उत्तरः कलिंदारी बाई, दक्षिणः सड़क, पूर्व: दिनेश वैष्णव की भूमि, पश्चिमः नरेंद्र वैष्णव की भूमि. भौगोलिक निर्देशांक 20.705444,81.254694	1) 08-05-2019 2) रू 13,73,254.00 + दिनांक 31-03-2019 से ब्याज प्रभावी 3) 06-08-19 को सांकेतिक कब्जा	रू 13.14 लाख / रू 1.31 लाख
7	उधारकर्ता- श्रीमती दीपाली अग्रवाल पति श्री आशीष अग्रवाल, सह-उधारकर्ता- श्री आशीष अग्रवाल पिता श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल, दोनों निवासी: 1) फ्लैट नंबर 3ई, ब्लॉक नंबर 02, श्री कृष्णा नगर, पहाड़ी चौक, गुढ़ियारी, रायपुर (छ.ग) 2) मकान नंबर डी-293, टैगोर नगर, रायपुर (छ.ग) एवं जमानतदार - श्री जगदीश अग्रवाल पिता स्व. बी.डी. अग्रवाल, निवासी- एलआईजी-ई-87, शैलेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग), शाखा-राजेंद्र नागर (917200), संपर्क: श्री सी मेहर, 7894797451	आवासीय फ्लैट- फ्लैट नंबर 3ई, तीसरी मंजिल, श्री कृष्णा फ्लैट, ब्लॉक नंबर 02, खसरा नंबर 596, 598, 601, 612, 613, 661, 665, 667, 668, 669, 677, 678, 679, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 697, 698, 699, एवं 701/1 (भाग), प.ह नं 107, ग्राम-गुढ़ियारी, ठक्कर बापा, वार्ड नं 09, रायपुर(छ.ग) में क्षेत्रफल: 645 वर्ग फुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक - श्रीमती दीपाली अग्रवाल पति श्री आशीष अग्रवाल एवं श्री आशीष अग्रवाल पिता श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल ।सीमाएँ- उत्तर: खुली जगह, दक्षिण: फ्लैट नंबर 3एफ, पूर्व: खुली जगह, पश्चिम: लॉबी फिर फ्लैट नंबर 3डी। भौगोलिक निर्देशांक: 21.262487, 81.624423	1) 22-04-2022 2) रू 19,36,679.00 + दिनांक 22-04-2022 से ब्याज प्रभावी 3) 01-02-23 को सांकेतिक कब्जा	रू 18.63 लाख / रू 1.86 लाख

संपत्ति निरीक्षण की तिथि व समयः 15.06.2026 प्रातः 11:00 बजे से दोप. 03:00 बजे तक एवं बयाना राशि जमा करने की तिथि व समयः 15.06.2026 शाम 04:00 बजे तक

अधिक विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें :श्री दीनानाथ बागे, सीओ-एसएएम रायपुर, 9304614766

नोटः- उपरोक्त सभी अचल संपत्तियों से संबंधित सभी सरकारी कार्यालयों का लंबित बकाया (संपत्ति, पानी, बिजली आदि) खर्च क्रेता द्वारा वहन किया जाएगा

महत्वपूर्ण नोटः- 1. नीलामी बिक्री "ई-नीलामी" पोर्टल **https://baanknet.com** के माध्यम से ऑनलाइन होगी. 2. इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों से अनुरोध है कि वे अपने मोबाइल नंबर और ईमेल-आईडी का उपयोग करके पोर्टल **(https://baanknet.com)** पर पंजीकरण करें। इसके अलावा, उनसे अपेक्षित केवाईसी दस्तावेज़ अपलोड करने का अनुरोध किया जाता है। एक बार जब केवाईसी दस्तावेज़ ई-नीलामी सेवा प्रदाता द्वारा सत्यापित हो जाते हैं (जिसमे 2 कार्य दिवस लग सकते हैं), इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों को **संख्या क्रमांक 1 से 7 के लिए ई-नीलामी दिनांक 16/06/2026 व समय सुबह 11.00 बजे** से पहले पोर्टल पर अपने ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ऑनलाइन मोड का उपयोग करके ईएमडी राशि हस्तांतरित करनी होगी। पंजीकरण, केवाईसी दस्तावेजों का सत्यापन और वॉलेट में ईएमडी का हस्तांतरण नीलामी की तारीख से पहले ही पूरा किया जाना चाहिए। नियम और शर्तें- बिक्री सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 में निर्धारित नियमों व शर्तों और निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी:- 1. संपत्तियों को **"जैसा है जहां है" और "जैसा है जो है" और "जो कुछ भी है"** के आधार पर बेचा जा रहा है। 2. यहां ऊपर अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस उद्घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत विवरण या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होगा। 3. संपत्ति की बिक्री **संख्या क्रमांक 1 से 7 के लिए ई-नीलामी दिनांक 16/06/2026 को सुबह 11.00 बजे वेबसाइट https://baanknet.com** पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी द्वारा की जाएगी। बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया **https://baanknet.com** एवं **www.pnbindia.in** देखें .इस नीलामी के अंग्रेजी में जानकारी के लिए Central Chronicle दिनांक 21.05.2026 में प्रकाशित समाचार पत्र देखें। किसी भी विवाद की स्थिति में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

नोटः- इच्छुक बोलीकर्ता को यूजर आई-डी व पासवर्ड स्वयं बानाना हैं। जिसे बनाने में न्युनतम 2 दिन का समय लगता हं। अतः बोलीकर्ता से निवेदन हं कि यूजर आई-डी अंतिम तिथी से पूर्व ही बना ले।

दिनांकः 21.05.2026, स्थानः रायपुर — प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक, सुरक्षित लेनदार

विज्ञान की दुनिया में एक ऐसा चमत्कार हुआ है, जिसे कैंसर और इस तरह की दूसरी गंभीर बीमारी के खिलाफ जंग में नया 'ब्रह्मास्त्र' माना जा रहा है। तोहोकू यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने लिक्विड गोल्ड यानी तरल सोना के ऐसे नैनोपार्टिकल्स खोजे हैं, जो बिल्कुल किसी जीवित जीव या कोशिका की तरह अपना रूप बदलते हैं।

कैंसर का खात्मा करने वैज्ञानिकों ने तैयार किया नया ब्रम्हास्त्र

टोक्यो। इसके जरिए भविष्य में ऐसी सटीक ड्रग डिलीवरी संभव होगी, जो इंसानी कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाए बिना सीधे कैंसर ट्यूमर को खत्म कर सकेगी।

जापान की तोहोकू यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने लिक्विड गोल्ड यानी तरल सोना के ऐसे नैनोपार्टिकल्स की खोज की है, जो पूरी तरह किसी जीवित जीव की तरह बर्ताव करता है। खास बात यह है कि ये नैनोपार्टिकल्स इतने समझदार हैं कि गर्मी और प्रेशर मिलने पर अपना आकार और ढांचा खुद ही बदल लेते हैं। वैज्ञानिकों की यह खोज आने वाले समय में मेडिकल साइंस, कैंसर के इलाज, ड्रग डिलीवरी और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की दुनिया को पूरी तरह से बदल सकती है। यह रिसर्च जर्नल ऑफ द अमेरिकन केमिकल सोसाइटी में छपी है।

आखिर क्या है लिक्विड गोल्ड?

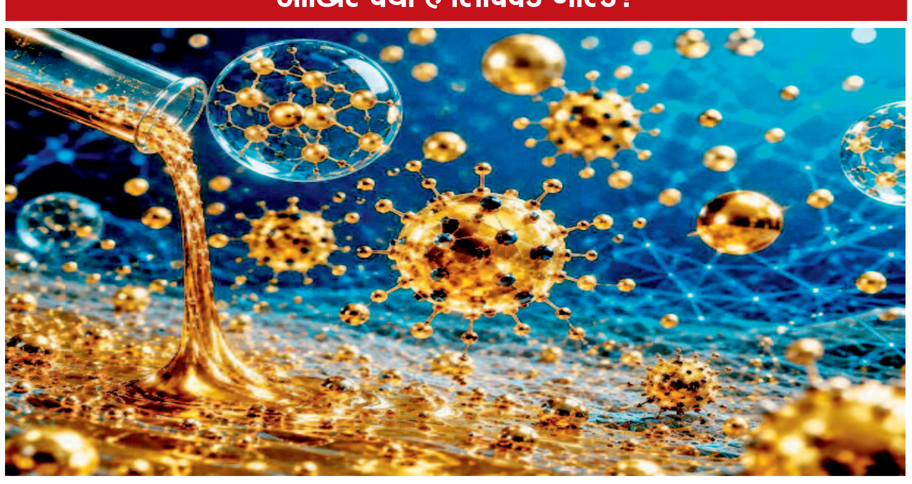

बदला जा सकता नैनोपार्टिकल्स के पूरे ढांचे को

40 डिग्री सेल्सियस तापमान होने पर ये आपस में जुड़कर एक नेटवर्क बना लेते हैं। वहीं, प्रेशर पड़ने पर ये जाल से वापस अलग-अलग होकर टापू में बदल जाते हैं। प्रोफेसर कियोशी कानी के अनुसार यह रिसर्च दिखाती है कि कैसे मॉलिक्यूलर यानी आणविक स्तर पर किए गए छोटे से बदलाव से नैनोपार्टिकल्स के पूरे ढांचे को बदला जा सकता है।

कैंसर के इलाज में आएगा काम

इस खोज की सबसे खास बात यह है कि यह बदलाव 40 डिग्री सेल्सियस के आस पास होता है, जो इंसानी शरीर के टेंपरेचर के बहुत पास है। इसका मतलब यह है कि भविष्य में ऐसी दवाइयां बनाई जा सकेंगी जो शरीर के अंदर जाकर सिर्फ बीमारी वाले हिस्से जैसे ट्यूमर या कैंसर सेल्स के टेंपरेचर को भांपकर वहीं पर एक्टिव होंगी और दवा रिलीज करेंगी। इससे शरीर के बाकी हिस्सों को नुकसान नहीं पहुंचेगा। इसके साथ ही इस तकनीक का इस्तेमाल मुड़ने वाली स्क्रीन, एडवांस सेंसर और खुद को ठीक करने वाले रोबोट्स बनाने में भी किया जा सकेगा. वैज्ञानिक इसे भविष्य के स्मार्ट मैटेरियल्स की दिशा में एक बड़ा कदम मान रहे हैं।

कैसे काम करता है लिक्विड गोल्ड?

डॉ. रीना सातो और प्रोफेसर कियोशी कानी की देखरेख में वैज्ञानिकों ने सोने के इन बहुत ही बारीक कणों को हवा और पानी के बीच सतह यानी इंटरफेस पर रखा। इन पार्टिकल्स को खास बनाने के लिए वैज्ञानिकों ने इन पर दो तरह के ऑर्गेनिक मॉलिक्यूल्स की परत चढ़ाई। इस कोटिंग का असर यह हुआ कि ये नैनोपार्टिकल्स तापमान और प्रेशर के हिसाब से रिएक्ट करने लगे। सामान्य तापमान पर ये पार्टिकल्स अलग-अलग टापू की तरह बिखरे रहते हैं।

रोचक खबरें

ये है दुनिया का सबसे खतरनाक नशा एक बार चख लिया तो बचना मुश्किल!

नई दिल्ली। दुनिया में कई तरह के नशीले पदार्थ मौजूद हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में एक ड्रग ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। इस खतरनाक नशे का नाम है फेंटेनिल। इसे दुनिया के सबसे घातक ड्रग्स में गिना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसकी थोड़ी सी मात्रा भी इंसान की जान लेने के लिए काफी हो सकती है। यही वजह है कि कई देशों में इसे साइलेंट किलर कहा जाने लगा है।

फेंटेनिल एक सिंथेटिक ओपिओइड ड्रग है, जिसे मूल रूप से गंभीर दर्द से राहत देने के लिए मेडिकल इस्तेमाल में बनाया गया था। डॉक्टर इसे खास परिस्थितियों में कैंसर या बड़ी सर्जरी के मरीजों को देते हैं। लेकिन, अवैध रूप से इसका गलत इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। बताया जाता है कि यह मॉर्फिन से लगभग 50 गुना और हेरोइन से कई गुना ज्यादा शक्तिशाली होता है। इसकी यही ताकत इसे बेहद खतरनाक बनाती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि कई लोग अनजाने में भी इस ड्रग का शिकार हो जाते हैं। ड्रग तस्कर अक्सर इसे दूसरे नशीले पदार्थों में मिलाकर बेचते हैं, जिससे लेने वाले को इसकी सही मात्रा का अंदाजा नहीं लग पाता। कई मामलों में सिर्फ एक छोटी सी डोज़ लेने के बाद व्यक्ति की सांसें रुक जाती हैं और मौत हो जाती है।

कई देशों में लोग करते हैं इसका इस्तेमाल!

अमेरिका समेत कई देशों में यह एक बड़ा पब्लिक हेल्थ संकट बन चुका है। सरकारें और स्वास्थ्य एजेंसियां लोगों को इसके खतरे के बारे में लगातार जागरूक कर रही हैं। सोशल मीडिया और इंटरनेट पर भी युवाओं को नशे से दूर रहने की सलाह दी जा रही है। डॉक्टरों का मानना है कि किसी भी तरह का नशा जिंदगी को बर्बाद कर सकता है, लेकिन फेंटेनिल जैसे ड्रग्स का खतरा कई गुना ज्यादा है। इसलिए जरूरी है कि लोग जागरूक रहें, संदिग्ध पदार्थों से दूर रहें और नशे को कूल समझने की गलती कभी न करें।

ग्रेट बैरियर रीफ में मिली स्नफलपगस जैसी दिखने वाली अनोखी मछली

नई दिल्ली। ग्रेट बैरियर रीफ में समंदर के नीचे एक ऐसी मछली मिली है, जिसका चेहरा और शरीर हूबहू सेसमी स्ट्रीट के मिस्टर स्नफलपगस जैसा है। इसका चमकीला लाल-नारंगी रंग और शरीर पर मौजूद रेशे इसे बिल्कुल उस जैसा बनाते हैं। मरीन बायोलॉजिस्ट डेविड हरास्ती ने बताया कि एक बार इसे देखने के बाद आप इसकी तुलना करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे। इस मछली की समानता इतनी ज्यादा थी कि शो की टीम ने भी इसका नाम स्नफलपगस रखने की मंजूरी दे दी है। जर्नल फिश बायोलॉजी में इसे सोलेनोस्टोमस स्नफलपगस के नाम से दर्ज किया गया है। इस मछली को खोजने की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। इसकी शुरुआत साल 2001 में पापुआ न्यू गिनी में एक डाइविंग के दौरान हुई थी। डेविड हरास्ती ने तब पहली बार एक अजीबोगरीब जीव को तैरते देखा था। उन्होंने उसकी कुछ तस्वीरें लीं और घर जाकर अपनी हर किताब छान मारी लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। डेविड को तब अहसास हुआ कि उन्होंने शायद एक ऐसी प्रजाति देखी है जो विज्ञान के लिए बिल्कुल नई है। इसके बाद कई सालों तक गोताखोरों ने इसे देखने का दावा तो किया लेकिन कोई भी पुख्ता सबूत या सैंपल नहीं जुटा सका. यह तलाश साल 2020 में जाकर खत्म हुई जब ऑस्ट्रेलिया के केर्न्स शहर के पास इसके दोबारा देखे जाने की खबर मिली. डेविड हरास्ती और उनके पार्टनर ग्राहम शॉर्ट ने इस मछली को ढूंढने के लिए मिशन शुरू किया। कई दिनों तक ग्रेट बैरियर रीफ के समुद्री शैवालों और मलबे की तलाश करने के बाद आखिरकार उन्हें सफलता मिली। उन्होंने इस प्रजाति के एक नर और एक मादा जोड़े को पकड़ा। गहन रिसर्च के बाद यह कंफर्म हो गया कि यह घोस्ट पाइपफिश की एक पूरी तरह से नई प्रजाति है। रिसर्चर्स ने इसके नामकरण के लिए 'सेसमी वर्कशॉप'की लीगल टीम से भी बात की।

नजारा

अंदर छुपा है 18 फीट का 'काल'!

अंतरिक्ष से दिखती है भारत की यह रहस्यमयी झील

नई दिल्ली। क्या आप किसी ऐसी जगह के बारे में सोच सकते हैं, जहां जमीन स्थिर नहीं बल्कि पानी पर तैरती है? एक ऐसी रहस्यमयी जगह है, जिसे देख वैज्ञानिक भी हैरान हैं। सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है कि यहां कदम रखते ही आपका सामना 18 फीट लंबे 'काल' से भी हो सकता है! भारत के पूर्वोत्तर में प्रकृति ने एक ऐसा अनोखा और खौफनाक नजारा है, जिसने दुनिया भर के वैज्ञानिकों और स्पेस एजेंसियों को चौंकाया है। हम बात कर रहे हैं भारत के मणिपुर में स्थित एक ऐसे अनोखे अजूबे का घर की, जिसे अंतरिक्ष से भी साफ देखा जा सकता है । वो है मणिपुर की लोकटक झील, जिसे भारत की तैरती हुई झील भी कहते हैं। इस झील की सबसे बड़ी खास बात है इसके गोल आकार के तैरते हुए द्वीप, जिन्हें स्थानीय भाषा में फुमदी कहते हैं।

तैरते द्वीप के पीछे का साइंस

ये फुमदी असल में सड़ी-गली वनस्पतियों, मिट्टी और ऑर्गेनिक मैटेरियल्स यानी जैविक पदार्थों से मिलकर बने ठोस का हिस्सा है। वैज्ञानिकों के अनुसार ये इतने मजबूत होते हैं कि इन पर इंसानी बस्तियां, मछुआरों की झोपड़ियां और जानवरों के ठिकाने भी मौजूद हैं।

कैसे काम करता है ये नेचुरल सिस्टम?

सूखे के मौसम में ये तैरते हुए द्वीप पानी कम होने की वजह से झील की सतह से चिपक जाते हैं, जिससे नीचे की मिट्टी से पोषक तत्व सोख सकें। जैसे ही बारिश आती है और पानी का लेवल बढ़ता है, ये वापस ऊपर तैरने लगते हैं। यूनेस्को की एक स्टडी में भी इस झील के खास इकोलॉजिकल सिस्टम को बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। लगातार हिलने-डुलने के कारण इस झील का नजारा हर दिन बदलता रहता है।

दुनिया का इकलौता तैरता हुआ नेशनल पार्क

लोकटक झील के अंदर ही केबुल लामजाओ नेशनल पार्क भी है, जिसे दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ नेशनल पार्क भी कह सकते हैं। यह पार्क बहुत ही दुर्लभ और विलुप्तप्राय संगाई हिरण का आखिरी नेचुरल घर भी है। इस तैरते हुए घास के मैदान में कई तरह के प्रवासी पक्षी और जलीय जीव भी रहते हैं। हालांकि, क्लाइमेट चेंज और मानवीय दखल के कारण इन फुमदी के पतले होने का खतरा मंडरा रहा है, जिससे यहां के जीवों का अस्तित्व पर बड़ा खतरा है।

सबसे लंबे सांप कोबरा का कनेक्शन

इस दलदली और घने इलाके का एक डराने वाला दुनिया के सबसे लंबे जहरीले सांप किंग कोबरा का भी ठिकाना है। मणिपुर यूनिवर्सिटी के लाइफ साइंसेज विभाग के मुताबिक यहां पाए जाने वाले किंग कोबरा की लंबाई 18 फीट यानी करीब 5.6 मीटर तक हो सकती है। भले ही किंग कोबरा देखने में खतरनाक लगते हों, लेकिन ये इंसानों से दूर रहना पसंद करते हैं और दूसरे सांपों को खाकर पर्यावरण का संतुलन बनाए रखते हैं। घनी हरियाली, तैरते हुए रहस्यमयी द्वीप और दुर्लभ जीवों की मौजूदगी लोकटक झील को दुनिया के सबसे अनोखे और जैव-विविधता से भरपूर स्थानों में से एक बनाती है।

रोबोट वाला रेस्टोरेंट यहां रोबो दीदी टेबल तक पहुंचाती है खाना

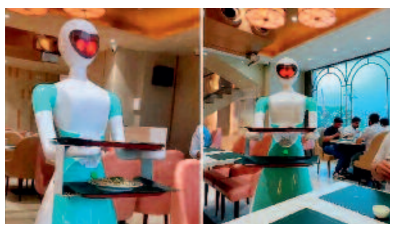

लखनऊ। गोरखपुर में पहली बार एक रोबोटिक रेस्टोरेंट शुरू हुआ है, जो नौका विहार के पास स्थित है। इस रेस्टोरेंट का नाम सावो रेस्टोरेंट है, जहां अब रोबोट ग्राहकों को खाना सर्व करता है और अनोखे अंदाज में उनका स्वागत भी करता है। यह रोबोट मेहमानों का 'नमस्ते, आप कैसे हैं?' कहकर स्वागत करता है और उनके जन्मदिन या शादी की सालगिरह पर बधाई भी देता है। खाना सर्व करने के बाद यह रोबोट खुद ही अपनी जगह पर वापस चला जाता है। इस रोबोट का नाम 'रोबो दीदी' रखा गया है और इसे हैदराबाद से लाया गया है। एक वीडियो में दिखाया गया है कि यह पूरा रोबोटिक सिस्टम रेस्टोरेंट के अंदर कैसे काम करता है। रोबोट स्टाफ- इसका नाम 'रोबो दीदी' है। यह रोबोट खाना परोसता है और मेहमानों का स्वागत करता है, जिसमें जन्मदिन और सालगिरह पर खास बधाई देना भी शामिल है। सर्विस का तरीका- यह रोबोट अपने-आप ही टेबलों तक पहुंच जाता है, लेकिन एक स्टाफ सदस्य टैबलेट के ज़रिए इसे निर्देश देता है और ग्राहक आमतौर पर इसकी ट्रे से अपना खाना ले लेते हैं। यह गोरखपुर के एक मशहूर इलाके, नौका विहार के पास मौजूद है।

कैसे काम करता है ये रोबोट

यह रोबोट पूरी तरह स्वचालित नहीं है। रेस्तरां का एक कर्मचारी टैबलेट के माध्यम से इसे कंट्रोल करता है। किचन के पास खड़े कर्मचारी रोबोट की दो मंजिला ट्रे में ग्राहकों का ऑर्डर रखते हैं। इसके बाद टैबलेट से संबंधित टेबल का निर्देश दिया जाता है और रोबोट भोजन लेकर वहां तक पहुंच जाता है। ग्राहक अपनी सीट पर बैठे-बैठे भोजन प्राप्त कर लेते हैं। हालांकि, ग्राहकों को ट्रे से खाना स्वयं उठाना पड़ता है। इस रेस्टोरेंट को लगभग 2 महीने ही खुले हुए हैं। लोगों का बहुत ही अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। सोशल

दामाद के लिए बनवाई डेढ़ किलो चांदी की कोल्हापुरी चप्पल

कोल्हापुर। महंगाई के इस दौर में सोना-चांदी भले ही आम लोगों की पहुंच से दूर होता जा रहा हो, लेकिन शौक और रिश्तों की गर्माहट जब एक साथ मिलती है, तो फिर कीमतें मायने नहीं रखतीं। कुछ ऐसा ही दिलचस्प और अनोखा नजारा महाराष्ट्र के कोल्हापुर से सामने आया है, जहां एक ससुर ने अपने दामाद के लिए ऐसा खास तोहफा तैयार करवाया है, जिसकी हर तरफ चर्चा हो रही है।

कोल्हापुर में एक शख्स ने अपने दामाद के स्वागत को यादगार बनाने के लिए डेढ़ किलो चांदी की 'कोल्हापुरी चप्पल' बनवाई है। यह चप्पल न सिर्फ देखने में पारंपरिक है, बल्कि अपनी कीमती बनावट की वजह से भी लोगों का ध्यान खींच रही है। इस खास जोड़ी को तैयार करने के लिए कोल्हापुर के एक कारीगर ने करीब आठ दिनों तक कड़ी मेहनत की। चांदी की इस चप्पल की कीमत करीब 4 लाख रुपए बताई जा रही है, जबकि इसे बनाने के लिए कारीगर को 22 हजार रुपए मजदूरी दी गई। जानकारी के मुताबिक, सांगली जिले के एक संपन्न परिवार से जुड़े ससुर ने अपने शौक और दामाद के स्वागत को खास बनाने के लिए यह फैसला लिया।

रेत का तापमान 70 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है

तपती रेत पर चलती है चांदी वाली चींटी ठंड पड़ते ही भाग जाती है पाताल में!

काहिरा। दुनिया के सबसे गर्म रेगिस्तानों में भी कुछ जीव इतनी खूबसूरती से अनुकूलित हो चुके हैं कि देखकर हैरानी होती है। सहारा रेगिस्तान की सिल्वर एंट या चांदी वाली चींटी इन्हीं में से एक है। यह चींटी दिन के सबसे गर्म समय में, जब रेत का तापमान 70 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, तब बाहर निकलकर घूमती है।

ठंड पड़ते ही यह तुरंत अपनी बिल में गायब हो जाती है। इस चींटी का वैज्ञानिक नाम कैटाग्लिफ़िस बॉम्बिसीना है। यह दुनिया की सबसे तेज चलने वाली चींटी भी है। यह अपनी बॉडी लेंथ से 108 गुना ज्यादा दूरी एक सेकंड में तय कर सकती है। यानी अगर इंसान की स्पीड इसी अनुपात में हो तो हम 700 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रहे होंगे।

खास है इसका रंग

सिल्वर एंट की सबसे बड़ी खासियत उसके शरीर पर मौजूद चांदी जैसे सूक्ष्म बाल हैं। ये बाल त्रिकोण आकार के होते हैं जो सूरज की रोशनी और निकट इंफ्रारेड किरणों को आकार देते हैं। इससे चींटी का शरीर गर्म नहीं होता। साथ ही ये बाल मिड-इंफ्रारेड रेडिएशन को बाहर निकालने में भी मदद करते हैं, यानी चींटी खुद को ठंडा रख पाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार ये बाल चींटी को 5 डिग्री तक ठंडा रख सकते हैं। यह चींटी दिन में सिर्फ 10-15 मिनट के लिए ही बाहर रहती है। इस दौरान वह गर्मी से मर चुके दूसरे कीड़ों के शवों को खाती है। इतनी गर्मी में बाहर निकलने का फायदा यह भी है कि उसके शिकारी छिपकर रह जाते हैं।

भावुक पल 60 साल के कुंवारे बुजुर्ग ने जीते जी करवाया अपना मृत्यु भोज

मर गया तो कौन करेगा मेरा पिंडदान

भोपाल। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले से एक ऐसा हैरान और भावुक कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसकी चर्चा अब पूरे देश में हो रही है। अमूमन समाज में किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसके परिजन मृत्यु भोज या भंडारे का आयोजन करते हैं। लेकिन, शिवपुरी के करैरा क्षेत्र के हाजीनगर गांव में रहने वाले एक बुजुर्ग ने जीते जी अपना मृत्यु भोज आयोजित कर डाला। इस अनोखे आयोजन में गांव और आसपास के इलाकों से करीब 7 हजार लोग शामिल हुए। हाजीनगर गांव के रहने वाले 60 वर्षीय कल्याण पाल अपने माता-पिता के इकलौते बेटे हैं। उन्होंने जीवनभर शादी नहीं की और वह अकेले ही रहते हैं। अविवाहित होने के कारण कल्याण पाल के मन में लंबे समय से एक ही चिंता घर कर गई थी कि उनके मरने के बाद उनका अंतिम संस्कार कौन करेगा?

खुद खड़े होकर कराया 7 हजार लोगों को भोजन

16 मई को धार्मिक अनुष्ठान पूरा होने के बाद दोपहर करीब 4 बजे से बड़े स्तर पर मृत्यु भोज का भंडारा शुरू हुआ। इस आयोजन में और आम मृत्यु भोज में फर्क सिर्फ इतना था कि जिसका मृत्यु भोज था, वह बुजुर्ग खुद मुस्कुराते हुए मेहमानों का स्वागत कर रहा था। इस भंडारे में करीब 6 से 7 हजार ग्रामीणों ने भोजन किया, जिसके लिए बैठने की विशेष व्यवस्था की गई थी।

अब सुकून से मर सकूंगा : इस भावुक कर देने वाले आयोजन के बाद कल्याण पाल ने कहा, 'इंसान को जीवन में सबसे बड़ा सुकून तब मिलता है, जब वह अपनी जिम्मेदारियां पूरी कर ले। मुझे हमेशा डर था कि मेरे बाद मेरे संस्कार अधूरे रह जाएंगे। लेकिन, अब जब भी मौत आएगी, मैं सुकून से मर सकूंगा, क्योंकि मैं अपने सारे कर्मकांड अपनी आंखों के सामने देख चुका हूं।'

अस्थि विसर्जन की निभाई परंपरा, किया गंगा स्नान

कल्याण पाल ने अपने इस संकल्प को पूरा करने के लिए पूरी तैयारी की थी। इस आयोजन से दो दिन पहले वह खुद उत्तर प्रदेश के प्रयागराज (त्रिवेणी संगम) पहुंचे। वहां उन्होंने बकायदा अपने ही नाम से विधि-विधान के साथ वे सारे कर्मकांड और पूजन कराए, जो किसी की मृत्यु के बाद किए जाते हैं। इसके साथ ही उन्होंने अस्थि विसर्जन की परंपरा की तरह गंगा स्नान भी किया और फिर अपने गांव लौट आए। गांव लौटने के बाद उन्होंने 15 मई से अपने घर पर 24 घंटे का अखंड 'सीताराम रामधुन पाठ'शुरू करवाया, जिससे पूरे गांव का माहौल धार्मिक हो गया।

(NABH से मान्यता प्राप्त) सुयश हॉस्पिटल
एडवांस यूरोलॉजी एवं यूरो सर्जरी विभाग
• मूत्राशय, किडनी एवं प्रोस्टेट के कैंसर का इलाज
• पेशाब की धार कमजोर होना
• पेशाब के रास्ते की जन्मजात विकृति का इलाज
• यूरिनरी ब्लेडर में पथरी की समस्या का इलाज
• किडनी स्टोन संबंधी समस्या का इलाज
• किडनी एवं मूत्र संबंधी सभी समस्याओं का निराकरण
• सभी प्रकार की यूरोलॉजी सर्जरी
24 Hours Helpline 9926386660
कोटा–गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
मुंह का ना खुलना
पान, तंबाकू सेवन के कारण मुंह का ना खुलना एक्सीडेंट में चोट या अन्य कारणों से मुंह का ना खुलना
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..
NABH
किडनी रोग विभाग
• किडनी प्रत्यारोपण (Kidney Transplantation)
• स्टेट ऑफ आर्ट डायलिसिस यूनिट
• डेडिकेटेड क्रिटिकल केयर यूनिट
• किडनी बायोप्सी
• एवी फिश्चुला, परमाकैथ, ग्राफ्ट
आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, सी.जी.एच.एस., सभी कोरपोरेट संस्थाओं एवं सभी इंश्योरेंस कंपनियों से ईलाज की सुविधा उपलब्ध
देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
www.snh.org.in
डॉ. कृष्णा सोमानी
M.D., D.M.
(नेफ्रोलॉजिस्ट एवं किडनी ट्रांसप्लांट फिजिशियन)
9300373737

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com